परमेश्वर

भला हउवें।

...आ भला के मतलब भला ही होला।

परमेश्वर

भला हउवें।

...आ भला के मतलब भला ही होला।

डैनी कनेडी

ट्रू कनेक्शनज प्रेस

परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला।

कॉपीराइट © 2012 डैनी कनेडी द्वारा।

कवर डिज़ाइन: गीनो मोरो द्वारा।

सभी बाइबिल के पद, जब तक कहीं और अलग से निर्दिष्ट ना होखे, पवित्र बाइबिल के किंग जेम्स संस्करण से लिहल गइल बाड़ें।

(NASB) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबिल® से लिहल गइल बाड़ें,

कॉपीराइट © 1960, 1962, 1963, 1968, 1971, 1972, 1973, 1975, 1977, 1995

द लॉकमैन फाउंडेशन द्वारा। अनुमति के साथ उपयोग कइल गइल बा।

www.Lockman.org

(The Message) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण THE MESSAGE से लिहल गइल बाड़ें।

कॉपीराइट © 1993, 1994, 1995, 1996, 2000, 2001, 2002।

NavPress Publishing Group के अनुमति से उपयोग कइल गइल बा।

(YLT) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण पवित्र बाइबिल, यंग्स लिटरल ट्रांसलेशन से लिहल गइल बाड़ें।

(NLT) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण पवित्र बाइबिल, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन से लिहल गइल बाड़ें।

कॉपीराइट © 1996, 2004, 2007 टिंडेल हाउस फाउंडेशन द्वारा।

टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक., कैरोल स्ट्रीम, इलिनोइस 60188 के अनुमति से उपयोग कइल गइल बा।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

(TLB) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण द लिविंग बाइबिल से लिहल गइल बाड़ें,

कॉपीराइट © 1971।

टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक., कैरोल स्ट्रीम, इलिनोइस 60188 के अनुमति से उपयोग कइल गइल बा।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

(NIV) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण पवित्र बाइबिल, न्यू इंटरनेशनल वर्ज़न® (NIV®) से लिहल गइल बाड़ें।

कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984, 2011 Biblica, Inc.™ द्वारा।

Zondervan के अनुमति से उपयोग कइल गइल बा।

सर्वाधिकार विश्वव्यापी सुरक्षित।

www.zondervan.com

(AMP) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण एम्प्लीफाइड बाइबिल से लिहल गइल बाड़ें,

कॉपीराइट © 1954, 1958, 1962, 1964, 1965, 1987 द लॉकमैन फाउंडेशन द्वारा।

अनुमति के साथ उपयोग कइल गइल बा।

(J.B. Phillips) से चिन्हित बाइबिल उद्धरण स्क्रिब्नर,

साइमन एंड शूस्टर, इंक. के एक प्रभाग, के अनुमति से पुनर्मुद्रित कइल गइल बाड़ें —

THE NEW TESTAMENT IN MODERN ENGLISH — REVISED EDITION

जे. बी. फिलिप्स द्वारा।

कॉपीराइट © 1958, 1960, 1972 जे. बी. फिलिप्स द्वारा।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

प्रकाशक: TruConnections Press

ISBN 13: 978-0-9846967-0-3

समर्पण

ई पुस्तक "रिचेस इन क्राइस्ट" परिवार के समर्पित बा।

राउर प्रेम, मित्रता, प्रार्थना आ सहयोग के बिना ई पुस्तक कबहूँ संभव ना हो पाती।

राउर सबके धन्यवाद।

प्रार्थना बा कि हमनी आपन जीवन के दौड़ एह तरह से लगातार दौड़त रहीं,

ताकि हमनी आपन मंज़िल अइसन पूरा करीं

कि हमनी के जीवन से परमेश्वर के सर्वोच्च महिमा मिले,

आ जतना अधिक लोगन खातिर संभव हो सके,

उ लोगन के अधिकतम भलाई प्राप्त हो।

सूची

परिचय। 9

अध्याय 1 परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला। 11

अध्याय 2 यीशु दिखावेलन कि परमेश्वर भला हउवें—आ "भला" के मतलब भला ही होला।..... 16

अध्याय 3 परीछा आ कठिनाइयाँ कहाँ से आवेलन? 19

अध्याय 4 परमेश्वर दुख आ कष्ट के अनुमति काहे देल जालें? 23

अध्याय 5 हाँ, लेकिन पुरान नियम के बारे में का? 34

अध्याय 6 हाँ, लेकिन अय्यूब के बारे में का? 51

अध्याय 7 हाँ, लेकिन मसीही दुख के बारे में का? 90

अध्याय 8 हाँ, लेकिन ताड़ना, अनुशासन या सुधार के बारे में का? 113

अध्याय 9 हाँ, लेकिन परमेश्वर के परीक्षन के बारे में का? 121

अध्याय 10 क्लेश के एगो उदाहरण 129

निष्कर्ष 134

नोट्स 136

प्राक्कथन

“एह बात के पूरा यत्न कर कि तू परमेश्वर के अइसन ठहरावल सेवक बने, जेकरा लज्जित होखे के जरूरत ना पड़े, आ जे सत्य के वचन के ठीक रीति से काम में लावे।”

(2 तीमुथियुस 2:15)

डैनी कनेडी के वर्णन करे खातिर एह से बढ़िया तरीका हम अउरी कुछ सोच ही ना सकत बानी, जेतना कि ऊपर दिहल पवित्रशास्त्र उनका बारे में बतावेला। एह पुस्तक के प्राक्कथन लिखे खातिर हम एह से सहमति एह कारण से दिहनी कि डैनी परमेश्वर के वचन के सबसे अधिक समर्पित आ अभिषिक्त शिक्षिकन में से एक बानी, जिनका हम आपन तीस बरिस से भी अधिक के सेवकाई के अनुभव में जानत आइल बानी। परमेश्वर के वचन के अध्ययन करे आ ओकरा ठीक रीति से विभाजित करे के प्रति उनका लगन हमेशा साफ-साफ देखाए देत रहल बा। जब हमरा ई बात पता चलल कि डैनी ई पुस्तक लिखत बानी, त हमरा पूरा विश्वास हो गइल कि ई मसीह के देह खातिर बहुत लाभदायक साबित होई। “परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला” राउर आँख आत्मिक सच्चाइयन खातिर खोल दी, जे राउर जीवन आ सेवकाई पर गहिरा असर डाली।

हम पहिला बेर डैनी से बीस बरिस पहिले तब मुलाकात कइनी, जब उ हमनी के चर्च “ट्रिनिटी” में इतवार के सभा में शामिल होखे आइल रहली। हमार पत्नी आ हम हमेशा अइसन लोगन पर ध्यान देत रहिला, जिनकर जीवन में कोई खास बुलाहट देखाई देला। डैनी के साथ पहिला बातचीत से ही हमनी के ई बात समझ में आ गइल रहल कि उ ओह लोगन में से एक बानी।

पिछला बीस बरिस में, डैनी हमनी के चर्च में आ सेंट लुइस क्षेत्र के कई अउरी चर्चन में अनेक बेर प्रचार कइले बानी। उ हमनी खातिर आ बहुत से अउरी लोगन खातिर सम्मेलन वक्ता भी रहल बानी। हमनी हमेशा एह बात से अचंभित रहल बानी कि उ परमेश्वर के वचन के कइसे ग्रहण करेली, ओकरा ठीक ढंग से विभाजित करेली, आ एक शिक्षिका आ प्रतिभाशाली संप्रेषक के रूप में बहुत प्रभावशाली तरीका से प्रस्तुत करेली। उ आपन सेवकाई “रिचेज़ इन क्राइस्ट” के अंतर्गत 6 मार्च 1992 से हर शुक्रवार के शाम ट्रिनिटी में लगातार प्रचार करत आ रहल बानी।

ऊ जगह जहाँ डैनी के प्रतिभा संभवतः सबसे अधिक चमकेला, ऊ हमार "सिटी बाइबल इंस्टिट्यूट (सी.बी.आई.)" बा, जहाँ उ प्रमुख व्याख्यातन में से एक बानी। हमरा खातिर ई बात बहुत महत्व के बा कि हमार विद्यार्थी लोगन के सर्वोत्तम शिक्षा मिले। हमार विद्यार्थी उनका शिक्षण शैली आ विषयवस्तु—दूनों के बहुत पसंद करेलन। ई पुस्तक ओही सामग्री के विस्तार बा, जे उ सी.बी.आई. के पाठ्यक्रम "द कैरेक्टर ऑफ गॉड" में सिखवले रहली।

त एह खातिर, आशीष पाए खातिर तैयार हो जाइए। "परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला" अइसन पुस्तक बा, जे पढ़े, अध्ययन करे, आ दूसरन के साथ बाँटे के पूरा योग्य बा।

रेव. डॉ. जोएल ए. ओलिवर

सीनियर पादरी, ट्रिनिटी असेंबली ऑफ गॉड चर्च

प्रेसिडेंट, सिटी बाइबल इंस्टिट्यूट

परिचय

समस्याएँ, परीछा, जाँच, क्लेश आ दुख परमेश्वर से ना आवेलन। हम ई अइसन साहसिक कथन कइसे कर सकत बानी? काहे कि ई बात खुद यीशु एह धरती पर रहत घरी कहलन। उहाँ कहलन: "चोर (शैतान) खाली चोरावे, मारे आ नाश करे खातिर आवेला; हम (यीशु) एह से आइल बानी कि ऊ लोग (हमार लोग) जीवन पावें, आ जीवन भरपूर रूप से पावें।" (यूहन्ना 10:10)

यीशु के अनुसार, भलाई परमेश्वर से आवेला आ बुराई शैतान से आवेला।

अगर राउर जीवन में कउनो अइसन बात बा जे बुरी बा, त ऊ परमेश्वर से ना आइल बा। हम जानत बानी कि ई बात बहुत लोगन के असहज कर देले, आ तब हमनी पूछे लगत बानी: "हाँ, लेकिन कइसे? आ अय्यूब के बारे में का?" एह से सवाल खड़ा हो जाला। फेर हम पूछत बानी: परमेश्वर के संप्रभुता के बारे में का? हाँ, लेकिन पुरान नियम के बारे में का? ई सब सवालन के जवाब बाइबल में मौजूद बा। अगिला पन्नन में हम ई सवालन आ अउरी बहुत सवालन से निपटब।

एह विषय पर बातचीत करे के जरूरत काहे बा?

• जब हमनी के ई निश्चित ना होला कि हमार परेशानियाँ परमेश्वर से आइल बाड़ी ज शैतान से, तब हम जीवन के चुनौतियन के सामना असमंजस के हालत में करत बानी। हम कहत बानी: "परमेश्वर, अगर ई परीछा रउआ से बा, त हम इसे स्वीकार करत बानी आ रउआ जे कुछ हमके सिखावल चाहत बानी, ओकरा खातिर समर्पित बानी। शैतान, अगर ई तोहरे से बा, त हम यीशु के नाम में तोहार विरोध करत बानी।" ई कमजोरी के स्थिति बा, ताकत के ना।

• जब लोग ई माने लगेला कि ओकर कठिनाइयन खातिर कउनो ना कउनो तरह परमेश्वर जिम्मेदार बानी, त बहुत बेर उ लोग परमेश्वर से नाराज हो जाला।

• मसीही लोगन के रूप में, हमनी के विश्वास में जिए आ चले खातिर बुलावल गइल बा।

विश्वास में जिए के एगो जरूरी हिस्सा बा परमेश्वर पर भरोसा करे के। रउआ कउनो अइसन व्यक्ति पर पूरा भरोसा ना कर सकत बानी, जवन रउआ के अनुसार रउआ के नुकसान पहुँचवले बा भा कबहूँ भी नुकसान पहुँचा सकेला। आज हमनी में से बहुत लोग एह स्थिति में बानी—अइसन प्रभु पर भरोसा करे में संघर्ष करत बानी, जिनकर बारे में हमनी के पूरा यकीन ना होला कि हम पूरी तरह उनकर सहारा ले सकत बानी।

भजन 9:10 में लिखल बा: "जे तोहार नाम जानेलें, ऊ तोह पर भरोसा करेलें।" एह पंक्ति में "नाम" शब्द के मतलब चरित्र बा। जे लोग परमेश्वर के चरित्र के जानेलें, जे जानेलें कि ऊ वास्तव में कइसे बानी, ऊ लोग उन्हीं पर भरोसा करेलें।

परमेश्वर के चरित्र के सही ज्ञान राउर हृदय में परमेश्वर के प्रति अटल आत्मविश्वास पैदा करी। एह पुस्तक के माध्यम से, परमेश्वर के अनुग्रह से, रउआ ई सीखी कि बाइबल साफ-साफ सिखावेला कि परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब सचमुच भला ही होला।

परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला।

ज्यादातर मसीही ई कहेलन कि उ लोग विश्वास करेलन कि परमेश्वर भला हउवें। जब प्रचारक कहेलन, "परमेश्वर एगो भला परमेश्वर बानी," त हम सब सहमति में सिर हिलावत बानी आ "आमीन!" कहत बानी। लेकिन ओही पल के बाद हम सुनेनी कि लोग कहेला कि परमेश्वर उनका दोस्त के कार दुर्घटना होखे दिहलन ताकि ओकरा सबक सिखावल जा सके, भा परमेश्वर उनका प्रियजन के बीमारी दे दिहलन ताकि ऊ आदमी नम्र बन सके।

खुद से पूछीं, "का कार दुर्घटना भली होला?"

"का बीमारी भली होला?"

रोजमर्रा के बातचीत में जब "भला" शब्द के इस्तेमाल होला, त ओकर मतलब होला कउनो अइसन अनुभव जे लाभदायक, सहायक भा सुखद होखे। लेकिन जब "भला" शब्द के इस्तेमाल परमेश्वर के संदर्भ में कइल जाला, त अक्सर हमार सोच बदल जाला। कुछ बुरा घटेला आ हम कह देनी कि ई भला बा, काहे कि हम मानी लेनी कि परमेश्वर एकरा अनुमति दिहलन, एकरा स्वीकार कइलन, भा कउनो ना कउनो तरीका से एह के पीछे ऊ खुद बानी। चाहे हम आपन हालत के भला ना मानीं, तइयो हम तर्क करेला कि चूँकि ई हालत परमेश्वर के हाथ से आइल बा, एह से ई जरूर भला होई, काहे कि ऊ सबसे बढ़िया जानेलन।

लेकिन इहाँ ऊ सवाल बा, जवना के जवाब हमनी के खोजे के बा: जब बाइबल कहेला कि परमेश्वर भला हउवें, त ओकर मतलब का होला? कई बरिस पहिले हम एह बात के पता

लगावे के फैसला कइनी। बाइबल में "भला" शब्द 655 पदन में आवेला। हम हर पद पढ़नी आ एगो अद्भुत खोज भइल। हर बेर जब शास्त्र में "भला" शब्द इस्तेमाल भइल बा, ओकर मतलब सचमुच भला ही बा। ओकर मतलब ऊहे बा, जवन मतलब रउआ आ हम रोजमर्रा के बातचीत में समझत बानी।

हमनी भ्रमित काहे बानी?

परमेश्वर आ "भला" शब्द के बारे में हम जवन कुछ मानत बानी, ओकर ज्यादातर हिस्सा हमनी के आपन अनुभव भा दूसरन के अनुभव देख के, आ ई समझे के कोशिश करे से आवेला कि ई सब काहे भइल। उदाहरण खातिर, आंटी मैरी के कार दुर्घटना हो जाला, आ लोग मानी लेला कि परमेश्वर ई दुर्घटना एह से होखे दिहलन ताकि रास्ता में मैरी एम्बुलेंस कर्मियन के सुसमाचार बाँट सके। एह से कार दुर्घटना के भला मान लिहल जाला। लेकिन अगर धरती पर कउनो पिता आपन बच्चा के कार के ब्रेक लाइन काट दे ताकि ऊ पैरामेडिक्स के उपदेश दे सके, त हम ओकरा बुरा कही—आ हम सही होई। फिर भी, लोग नियमित रूप से एगो भला परमेश्वर के नकारात्मक आ विनाशकारी परिस्थितियन के श्रेय दे देला।

कुछ अउरी लोग आंटी मैरी के कार दुर्घटना के "छुपल आशीर्वाद" कह सकेला, काहे कि एह से कुछ भला भइल—एगो पैरामेडिक मसीह के स्वीकार कइलस। लेकिन परमेश्वर बुराई पैदा ना करेलन ताकि ओह से भलाई निकले। जब यीशु एगो अंधा आ गूंगा आदमी के चंगा कइलन आ ओकर भीतर से शैतान के निकाललन, त फरीसियन यीशु पर आरोप लगवलन कि ऊ शैतानन के शैतान के ताकत से निकालत बानी। यीशु जवाब दिहलन कि अगर शैतान शैतान के निकाले, त ओकर राज्य आपन आप में बँट जाई (मत्ती 12:24-26)। यीशु के अनुसार, शैतान आपन खिलाफ काम ना करेला। ठीक ओही तरह, परमेश्वर भी आपन खिलाफ काम ना करेलन। परमेश्वर खाली एह से हमनी के परेशानियाँ पैदा ना करेलन कि बाद में ओकरा दूर करे के मौका मिले।

असल में, बाइबल कहेला कि परमेश्वर हमनी के परेशानियन में हमनी के सांत्वना देलन।

"ऊही हमनी के सब परेशानियन में सांत्वना देलन, ताकि हम भी दूसरन के कउनो भी परेशानी में ऊहे सांत्वना दे सकीं, जवन हमनी के परमेश्वर से मिलल बा।" (2 कुरिन्थियों 1:4)

बाइबल ई भी कहेला कि परमेश्वर हमनी के सब संकट से छुटकारा देलन।

“धर्मी खातिर बहुत संकट होलें; लेकिन प्रभु ओकरा सब से निकाल देलन।” (भजन 34:19)

अगर परमेश्वर खाली एह से हमनी के जीवन में संकट भेजेलन कि ओह में हमनी के सांत्वना मिले, भा खाली एह से हमनी के कष्ट देलन कि बाद में मुक्ति दे सकें, त फेर ऊ घर आपन आप में बँट जाई आ ऊ आपन ही खिलाफ काम करत बानी।

हालाँकि परमेश्वर हमनी के जीवन में बुरी परिस्थितियाँ ना भेजेलन, बाइबल ई सिखावेला कि ऊ असली बुराई लेके ओह से असली भलाई पैदा कर सकेलन।

रोमियों 8:28 कहेला, “आ हम जानत बानी कि परमेश्वर हर चीज के मिलाके ओह लोगन खातिर भलाई में काम करावेलन, जे परमेश्वर से प्रेम रखेलें, जे उनका उद्देश्य के अनुसार बुलावल गइल बाड़ें।”

ईहे बात आंटी मैरी के साथ भइल। परमेश्वर ओकर कार दुर्घटना ना करवलन, लेकिन ऊ ओकर कठिनाई में असली बुराई से असली भलाई पैदा कइलन।

रउआ के एह के संदर्भ में पढ़े के पड़ी

परमेश्वर आ “भला” शब्द के बारे में बहुत गलत धारणाएँ ओह बाइबल पदन आ वाक्यन से आवेली, जवन संदर्भ से बाहर निकाल लिहल गइल बाड़ें। मान लीं कि रउआ हमके एगो पत्र लिखनी आ हम पूरा पत्र पढ़े के बजाय खाली एगो पंक्ति भा वाक्य पढ़ लीं। त हम आसानी से गलत समझ सकत बानी कि रउआ का कहे चाहत बानी, काहे कि हम रउआ के शब्दन के ओह संदर्भ से बाहर निकाल लिहनी, जहाँ रउआ ओह के लिखले रहनी। ओही तरह, हम बाइबल से खाली एगो पंक्ति भा वाक्य निकाल के ओकरा आपन निजी परिस्थितियन पर लागू ना कर सकत बानी। हमनी के बाइबल के ओकर संदर्भ में पढ़े के सीखल जरूरी बा।

जब हमनी के साथ कुछ बुरा होला, त हम अक्सर ओकर कारण खोजे के कोशिश करत बानी। हमनी के याद आवेला कि हम सुने बानी कि परमेश्वर लोगन के ताड़ना देलन।

“जिनकरा प्रभु प्रेम करेलन, उनका ऊ ताड़ना देलन, आ हर बेटा जवन ऊ स्वीकार करेलन, ओकरा सुधारेलन।” (इब्रानियों 12:6)

एह से हम फैसला कर लेनी कि हमार कठिन हालत परमेश्वर के हमनी के प्रति ताड़ना देवे के तरीका बा। लेकिन अगर हम इब्रानियों 12:6 के संदर्भ में पढ़ीं, त हमनी के पता चल जाला कि प्रभु हमनी के आपन वाणी—अर्थात शब्द—के द्वारा ताड़ना देलन, ना कि परेशानियन आ परीछन के द्वारा। एह पद पर हम अगिला अध्याय में अउरी विस्तार से चर्चा करब।

शायद रउआ ई कथन सुने होखब, “ऊ धर्मियन आ अधर्मियन—दूनों पर बरखा करेलन।” जब लोग एह वाक्य के इस्तेमाल करेला, त आमतौर पर ओकर मतलब होला कि परमेश्वर सबके जीवन में—भला आ बुरा लोगन के जीवन में—एक बराबर से बरखा, यानी बुरी चीज़ें, ले आवेलन। लेकिन ई शब्द ओह पद में आवेला, जवना के परमेश्वर द्वारा लोगन के जीवन में बुरी चीज़ें लावे भा अनुमति देवे से कउनो लेना-देना नइखे। पद कहेला:

“लेकिन हम रउआ से कहत बानी, आपन दुश्मनन से प्रेम रखीं, जे रउआ के श्राप देलें उनका आशीर्वाद दीं, जे रउआ से घृणा करेलन उनका भलाई करीं, आ जे रउआ पर अत्याचार करेलन आ सतावेलन, उनका खातिर प्रार्थना करीं; ताकि रउआ स्वर्ग में अपने पिता के संतान ठहरीं। काहे कि ऊ आपन सूरज बुरा आ भला—दूनों पर उगावेलन, आ धर्मियन आ अधर्मियन—दूनों पर बरखा भेजेलन।” (मत्ती 5:44-45)

एह पद के मुख्य उद्देश्य बा ओह लोगन के प्रति दयालु होखे के, जे हमनी के साथ अन्याय करेलें, काहे कि अइसन व्यवहार हमार स्वर्गीय पिता के बा। ऊ बुरा आ भला—दूनों के प्रति दयालु बानी। परमेश्वर दूनों के सूरज आ बरखा देलन ताकि ऊ लोग आपन जीवन चलावे खातिर जरूरी फसल उगा सकें। एह पद के लोगन के जीवन में बुरी चीज़ें लावे के संदर्भ से कउनो मतलब नइखे। सच पूछीं त एह पद के मतलब ठीक उल्टा बा।

जब परेशानी आवेला, त अक्सर लोग कहेला, “परमेश्वर रउआ के, रउआ के सहन शक्ति से जादे ना देलन।” लेकिन ई सोच भी एगो पद के हिस्सा पर आधारित बा, जवन संदर्भ से बाहर निकाल लिहल गइल बा। पद कहेला:

“परमेश्वर विश्वासयोग्य बानी; ऊ रउआ के ओह से जादे परीछा में ना डालीं, जवन रउआ सह सकेनी। बल्कि, जब रउआ परीछा में पड़ब, त ऊ बाहर निकले के रास्ता भी देलन, ताकि रउआ ओकर सामना कर सको।” (1 कुरिन्थियों 10:13)

एह पद के ध्यान पाप पर बा, ना कि परमेश्वर से आवे वाली परीछन पर। आईं, एह के अउरी नजदीक से देखीं।

1 कुरिन्थियों 10:7-11 में, प्रेरित पौलुस चार मुख्य पापन के सूची देलन, जवन इस्राएलियन मिस्र छोड़े घरी कइलन: मूर्तिपूजा, व्यभिचार, मसीह के परखे के कोशिश, आ बड़बड़ाना। पौलुस कुरिन्थियन के चेतावनी देलन कि ऊ लोग सावधान रहे कि ओह पापन में ना पड़े (पद 12)। आगे ऊ कहेलन कि हम सबके एह ही चीज़न से परीछा होला (पद 13)।

पौलुस ई बतावे चाहत बाड़ें कि परमेश्वर हमनी के कबहूँ ओह से जादे परीछा में ना डालीं, जवन हम सह सकेनी, काहे कि अगर हम चाहीं, त ऊ हमेशा पाप से बचे के रास्ता देलन। एह पद के हमनी के जीवन में परमेश्वर द्वारा लावल गइल परीछन आ क्लेशन से कउनो संबंध नइखे। एह के मतलब परमेश्वर द्वारा “हमनी के सहन शक्ति से जादे परेशानी ना देवे” से बिल्कुल भी जुड़ल नइखे।

परमेश्वर एक अच्छे भगवान बाड़ें। सवाल ई बा कि “अच्छा” शब्द के मतलब का होला?

बाइबल में जब-जब “अच्छा” शब्द के इस्तेमाल भइल बा, ओकर मतलब ओही बा जे आप आ हम समझत बानी। “अच्छा” के परिभाषा परमेश्वर के संदर्भ में बाइबल से ही होखे देवे के चाहीं—ना कि अपना अनुभव से, ना दोसरा के अनुभव से, आ ना ही बाइबल के पदन के संदर्भ से बाहर निकाल के।

यीशु हमनी के ई दिखावेलन कि परमेश्वर भला हउवें—आ "भला" के मतलब भला ही होला।

परमेश्वर के सही ढंग से देखे खातिर, आ उनका स्वभाव के एकदम सही तस्वीर पावे खातिर, हमनी के इ समझल बहुत जरूरी बा कि बाइबल के पढ़ल कइसे जाए। बाइबल परमेश्वर के बारे में जवन कुछ बतावेला, ओकरा के यीशु के रोशनी में पढ़ल आ समझल जाए के चाहीं। हमनी इ अध्ययन एह से शुरू ना करत बानी कि परमेश्वर लोगन से कइसे व्यवहार करत बाड़ें—जइसे अय्यूब के साथ, चाहे नूह के बाढ़ के समय, चाहे ऊ औरत जे मर गइल जबकि पूरी कलीसिया ओकर चंगे होखे खातिर प्रार्थना कर रहल रहे। हमनी आपन अध्ययन यीशु से शुरू करत बानी। इब्रानियों 1:1-2 में लिखल बा कि, "पहिले जमाना में परमेश्वर बाप-दादाओं से भविष्यवक्ताओं के द्वारा आ कई तरह से बात कइले, लेकिन इन आख़िरी दिनन में हमनी से अपने पुत्र के द्वारा बात कइले।" यीशु, जे वचन देहधारी बनल, उ परमेश्वर के ओर से हमनी के दिहल गइल संदेश बाड़ें।

जब चेलन में से एक यीशु से कहले कि पिता के दिखाईं, त यीशु जवाब दिहले, "जे मुझके देखले बा, उ पिता के देखले बा" (यूहन्ना 14:9)। यीशु उनकरा पिता के देखवले—एह से ना कि यीशु ही पिता बाड़ें, बल्कि एह से कि ऊ अपने पिता के वचन बोले, आ अपने भीतर पिता के सामर्थ से पिता के काम कइले। साँच बात त ई बा कि यीशु खुद कहले कि ऊ खाली ओही काम करत बाड़ें जे ऊ अपने पिता के करते देखले बाड़ें। "हम तोहरा से साँच-साँच कहत बानी, बेटा अपने से कुछो ना कर सकेला; ऊ वही करे ला जे ऊ अपने पिता के करत देखेला, काहे कि जे कुछ पिता करेलन, ओही काम बेटा भी करेला।"

(यूहन्ना 5:19)। अगर रउआ जानल चाहत बानी कि परमेश्वर कइसे बाड़ें, परमेश्वर का करत बाड़ें, आ लोगन से कइसे व्यवहार करत बाड़ें, त रउआ के यीशु के देखे के पड़ी, आ ऊ हमनी के परमेश्वर के बारे में जवन कुछ दिखावत बाड़ें, ओकरा के समझे के पड़ी।

बहुत लोग मानेला कि परमेश्वर हमनी के सिखावे, शुद्ध करे, सिद्ध करे, परखे आ ताड़ना देवे खातिर दुख-क्लेश भेजेला या होखे देला। लेकिन अगर परमेश्वर के बारे में हमनी के जानकारी के एकमात्र स्रोत उहे बा जवन यीशु हमनी के पिता के विषय में दिखावत बाड़ें, त हमनी कभी इ नतीजा पर ना पहुँच सकत बानी कि जिनगी के मुश्किलन के पीछे परमेश्वर के हाथ बा। सोच के देखीं कि जब यीशु धरती पर रहलें, त ऊ का कइलें। ऊ लोगन के चंगा कइलें। ऊ लोगन के बंधन से आज़ाद कइलें। ऊ लोगन के परमेश्वर के वचन सिखवलें। ऊ दुष्टात्मा निकालेन। ऊ मरे लोगन के जिंदा कइलें। ऊ भूखल लोगन के खाना खिलवले। ऊ लोगन के जरूरत पूरा कइलें। ऊ लोगन के हिम्मत दिहलें आ दिलासा दिहलें। ऊ लोगन पर दया कइलें।

अब ध्यान दीं कि यीशु का ना कइलें। ऊ किसी के बीमार ना कइलें, आ ना ही कबहूँ कवनो अइसन आदमी के चंगा करे से मना कइलें जे उनका लगे आइल। ऊ लोगन के परीक्षा लेवे खातिर हालत पैदा ना कइलें। ऊ लोगन के सिखावे खातिर दुख-परीक्षा ना भेजलें। ऊ आँधी-तूफान ना भेजलें, बल्कि ओकरा रोक दिहलें। ऊ जानवर-गाड़ी के दुर्घटना ना करवलें, आ ना ही कवनो छुपल आशीर्वाद भेजलें। यीशु ऊ सब कुछ ना कइलें जेकर दोष लोग अकसर परमेश्वर पर डाल देला।

पिछला अध्याय में हमनी इ सवाल पूछले रहीं: जब बाइबल में "भला" शब्द के इस्तेमाल परमेश्वर के संदर्भ में होला, त ओकर मतलब का होला? "भला" के परिभाषा ऊ सब काम बाड़ें जवन यीशु धरती पर रहत समय कइलें। प्रेरितों के काम 10:38 कहेला, "कैसे परमेश्वर यीशु नासरी के पवित्र आत्मा आ सामर्थ से अभिषेक कइलें; आ ऊ भलाई करत, आ उन सब के चंगा करत रहलें जे शैतान से सतावल जात रहलें, काहे कि परमेश्वर उनका साथ रहे।"

अपनी शिक्षा के द्वारा यीशु हमनी के परमेश्वर के एक भला सांसारिक पिता के रूप में समझे के मौका दिहलें। "तुम में से कउन आदमी अइसन बा कि अगर ओकर बेटा ओकरा से रोटी मांगे त ऊ ओकरा पत्थर दी? या अगर मछली मांगे त साँप दी? सो जब तुम बुरे होकर भी अपने बालकन के अच्छी चीज देवे जानत बानी, त तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने

मांगनेवालन के अच्छी चीज काहे ना दी?" (मत्ती 7:9-11)। यीशु बतावत बाड़ें कि हमनी के स्वर्गीय पिता धरती के सबसे बढ़िया पिता से भी कहीं बढ़िया बाड़ें। कउन भला सांसारिक पिता आपन बच्चा के अनुशासन सिखावे खातिर ओकरा बीमारी दी? कउन भला सांसारिक पिता आपन बेटा के घर जरा दी, सिर्फ ओकरा सबक सिखावे खातिर? यीशु जवन तरीका से हमनी के परमेश्वर के बारे में दिखावत आ बतावत बाड़ें, ओकर आधार पर हमनी पूरा भरोसा से कह सकत बानी कि अगर रउआ अपने बच्चा के जिनगी में, या कवनो अइसन आदमी के जिनगी में जेकरा से रउआ प्रेम करत बानी, विपत्ति ना लाईं, त परमेश्वर भी रउआ पर मुसीबत ना लाईं।

यीशु कहलें कि ऊ खाली उहे करत बाड़ें जवन ऊ अपने पिता के करते देखत बाड़ें। एकर मतलब ई बा कि अगर यीशु कुछ करत बाड़ें, त पिता भी उहे काम करत बाड़ें। आ एकर मतलब ई भी बा कि अगर यीशु कुछ ना करत बाड़ें, त परमेश्वर भी उ काम ना करत बाड़ें। यीशु हमनी के दिखावत आ बतावत बाड़ें कि जिनगी के परीक्षाएँ आ कठिनाइयाँ परमेश्वर के ओर से ना आवेली, काहे कि परमेश्वर भला बाड़ें... आ भला के मतलब सच में भला ही होला।

परीछा आ कठिनाइयाँ कहाँ से आवेलन?

उन सब "हाँ, लेकिन…?" सवालन से निपटे से पहिले, जवन अक्सर जिनगी के परीक्षाओं आ चुनौतियन पर चर्चा करत घड़ी उठेला, हमनी के पहिले ई जाँचल जरूरी बा कि धरती पर क्लेश आ मुसीबत आखिर बा काहे।

पाप से श्रापित धरती में जिनगी

जब परमेश्वर आपन सृजन के काम पूरा कइलें, त ऊ ओकरा के देखलें आ ओकरा बहुत भला घोषित कइलें। "आ परमेश्वर देखलन कि जे कुछ ऊ बनवले रहन, ऊ सब बहुत नीक रहल।"

(उत्पत्ति 1:31)। याद रखीं कि "भला" शब्द के मतलब का होला। ओकर मतलब भला ही होला। परमेश्वर के मूल सृष्टि में ना त बीमारी रहे, ना मौत; ना कवनो विनाशकारी आँधी रहे, ना कवनो भ्रष्टाचार; ना साँपन में जहर रहे, ना भूकंप, आ ना ही कवनो अउरी तरह के तबाही। सब कुछ बहुत भला रहे।

जब आदम आ हव्वा अदन के बगिया में परमेश्वर के आज्ञा के अवहेलना कइलें, त उनकर पाप के असर परमेश्वर के सृष्टि पर—मनुष्य जाति आ धरती दुनो पर—बहुत गहिरा पड़ल। आदम के पाप के कारण ही दुनिया में मौत आइल। "जइसे आदम पाप कइलें, ओही तरह पूरा मानव जाति में पाप घुस आइल, आ ओकर पाप के कारण मौत सगरी दुनिया में फैल गइल, आ सब कुछ बूढ़ा होखे आ मरे लागल" (रोमियों 5:12)। आदम के पाप के चलते धरती पर श्राप आइल। "तोहरे कारण भूमि शापित भइल बा; तोहरे जीवन भर तू ओकर मेहनत से

भोजन खइबू" (उत्पत्ति 3:17)। "ऊ तोहरे खातिर काँटा आ झाड़ी उगाई, आ तू खेत के साग खइबू। तू पसीना बहा के रोटी खइबू, जब तक तू माटी में वापस ना लउट जइबू, काहे कि तू माटी से बनल बाड़ू आ माटी में ही लउट जइबू" (उत्पत्ति 3:18-19)।

आज धरती पर जवन प्राकृतिक नियम काम करत बाड़ें, ऊ मुख्य रूप से आदम के पाप आ ओकर सृजन पर पड़ल असर के नतीजा हउवें। यीशु एकरा अइसन कहले बाड़ें, "अपने लिये धन पृथ्वी पर न जमा करो, जहाँ कीड़ा और जंग बिगाड़ देले, आ जहाँ चोर सेंध मार के चुरा लेले" (मत्ती 6:19)। आज हम अइसन धरती पर रहत बानी जहाँ कीड़ा कपड़ा खा जाला आ जंग लोहा चाट जाला। अगर रसोई के मेज पर टमाटर रख के छोड़ दीं, त ऊ सड़ जाई। ई एह से ना कि परमेश्वर टमाटर के सड़े खातिर बनवलें, बल्कि एह से कि मौत आ सड़न आदम के पाप के जरिए दुनिया में घुस आ गइल आ अब धरती में काम करत बा।

हर दिन हमनी के पाप के नतीजन आ ओकर धरती आ मानव जाति पर पड़ल असरन से सामना करे के पड़ेला। एकर मतलब ई बा कि विनाशकारी आँधियाँ, काँटा-झाड़ी, जंग, सड़न आ मौत अब धरती के बनावट के हिस्सा बन चुकल बा। हमनी के अइसन देह भी बा जवन नश्वर बा, आ बीमारी, बुढ़ापा आ मौत के अधीन बा। हमनी के अइसन लोगन से भी वास्ता पड़ेला जे बेवकूफी आ पापपूर्ण फैसला लेला, आ जे सीधा-सीधा हमार जिनगी पर असर डाले ला। आ हमार एगो दुश्मन भी बा—शैतान—जे हमनी के नाश करे के कोशिश करत बा। ई सब चीज मिल के ऊ कठिनाइयाँ आ समस्याएँ पैदा करे लीं जवन जिनगी में हमनी के झेले के पड़ेला। हाँ, एह संसार में दुख मौजूद बा, लेकिन ई परमेश्वर से ना आवेला। ई पाप से बदले गइल धरती में जिए के नतीजा बा।

शैतान आ परमेश्वर... दोस्त?

कुछ लोग कहेला, "ठीक बा, परमेश्वर खुद लोगन के साथ बुरा काम ना करत बाड़ें, लेकिन ऊ शैतान के करे देत बाड़ें। आखिर शैतान परमेश्वर के शैतान बा, आ प्रभु कबहूँ-कबहूँ ओकरा अनुमति देत बाड़ें कि ऊ हमनी के दुख दे, ताकि ऊ हमनी के परखे, सिखावे आ सिद्ध करे।" लेकिन परमेश्वर आ शैतान एके पक्ष में ना बाड़ें। ऊ दूनो साथ काम ना करत बाड़ें। बाइबल कहीं भी शैतान के परमेश्वर के सहयोगी, परमेश्वर के औजार, या परमेश्वर के शिक्षा के साधन

ना कहेला। शैतान के "दुश्मन" आ "विरोधी" कहल गइल बा। शैतान नाम के मतलब ही "विरोधी" होला। स्ट्रॉन्ग के कॉनकॉर्डेंस ओकरा "भलाई के मुख्य शत्रु" कहेला।

याकूब 4:7 कहेला, "एह से अपने आप के परमेश्वर के अधीन करा। शैतान के विरोध करा, त ऊ तोहरा लगे से भाग जाई।" अगर परमेश्वर शैतान के हमनी के सिखावे आ अनुशासन देवे खातिर भेजत बाड़ें, त ई वचन के मुताबिक हम शैतान के विरोध कइसे कर सकत बानी, आ फेर शैतान के जरिए परमेश्वर से शिक्षा, अनुशासन आ शुद्धि भी पावत बानी? ई हो ही ना सकेला। "हाँ," कुछ लोग कहेला, "लेकिन अय्यूब के बारे में का? का परमेश्वर शैतान के अय्यूब पर छोड़ ना दिहलें?" ना, परमेश्वर अय्यूब पर शैतान के ढीला ना कइलें। अय्यूब के कहानी पर हमनी अगिला अध्याय में चर्चा करब।

परीक्षाएँ, संकट, उत्पीड़न, क्लेश, कठिनाइयाँ आ दुख परमेश्वर के ओर से ना आवेली। यीशु बीजारोपक के दृष्टांत सुनवलें, जहाँ ऊ कहले कि वचन बोअल जाला, आ शैतान परीक्षाएँ, क्लेश आ उत्पीड़न ले आवेला ताकि लोगन के दिल से परमेश्वर के वचन चुरा ले। "बीज बोवे वाला वचन बोवेला। ई ऊ लोग हउवें जे राह किनारे बोवल गइल हउवें; जब ऊ सुनत हउवें, त शैतान तुरंते आवेला आ उनकर हृदय में बोवल वचन के छीने ले जाला। आ ई ऊ लोग हउवें जे पत्थरीली जमीन पर बोवल गइल हउवें; जब ऊ वचन सुनत हउवें, त तुरंते ओकरा के आनन्द से ग्रहण कर लेत हउवें; बाकिर उनकर भीतर जड़ ना बनेला, एह से ऊ बस थोड़े समय तक टिकत हउवें; फेर जब वचन के कारण क्लेश या सताव आवेला, त तुरंते ठोकर खा जात हउवें।" (मरकुस 4:14-17)। मत्ती के विवरण में लिखल बा, "ओकरा में जड़ ना होखे ला, बलुक ऊ बस थोड़े समय खातिर टिकेला; काहे कि जब वचन के कारण संकट या सताव आवेला, त ऊ तुरंते ठोकर खा जाला।" (मत्ती 13:21)।

शैतान जिनगी के कठिनाइयों के जरिए हमार दिल से परमेश्वर के वचन चुरावे के कोशिश करेला। ई अइसन होला। हम सब अइसन हालात में रहल बानी जहाँ लागेला कि परमेश्वर हमनी के भूल गइल बाड़ें, या ऊ हमसे प्रेम ना करत बाड़ें। हम सब पर अइसन परिस्थितियाँ आइल बाड़ी सनि जवन हमनी के यकीन दिलावे के कोशिश करे लीं कि हम सफल ना हो पइब। लेकिन परमेश्वर के मुताबिक, ऊ हमनी के भुलाइल नइखन। ऊ हमसे प्रेम करत बाड़ें आ वचन देत बाड़ें कि जब तक ऊ हमनी के बाहर ना निकाल लीं, तब तक ऊ हमनी के राह देखावत रहीहें। कठिन समय में हमनी के सामने ई चुनाव आवेला कि हम जवन देखत आ महसूस करत बानी, ओकरा से सहमत हो जाईं, कि फेर बाइबल में परमेश्वर जवन कहले बाड़ें,

ओकर मुताबिक चलें। शैतान के "प्रलोभक" कहल गइल बा (1 थिस्सलुनीकियों 3:5), आ हमार संकटन के बीच—संदेह आ निराशा के विचारन के जरिए—ऊ हमनी पर दबाव डाले ला कि हम परमेश्वर के वचन छोड़ दीं। अगर हम ऊ विचार स्वीकार कर लीं जवन कहेला कि परमेश्वर हमसे प्रेम ना करत बाड़ें, ऊ हमनी के भूल गइल बाड़ें, आ हम सफल ना होखब, त हम परमेश्वर के वचन छोड़ दिहनी। अइसन में शैतान सफल हो जाला, आ ऊ हमार दिल से वचन चुरा लेला।

जब रउआ जिनगी के कठिनाइयों से सामना करत बानी, त ई जानल बहुत जरूरी बा कि रउआ के परेशानी परमेश्वर के ओर से ना आवेली। कठिनाइयाँ, संकट, मुसीबतें आ परीक्षाएँ ओह जिनगी के हिस्सा बानी जवन पाप से श्रापित धरती में जी रहल बा। बुरी चीजें एह से होखेली कि ई पाप से श्रापित धरती में जिनगी के हकीकत बा। अगर रउआ जिनगी के चुनौतियन पर विजय पावल चाहत बानी, त रउआ के ई पक्का जानल चाहीं कि परमेश्वर कवनो तरीका से रउआ के परेशानियन के कारण ना बाड़ें।

परमेश्वर दुख आ कष्ट के अनुमति काहे देल जालें?

हालाँकि हम ई सच्चाई स्वीकार कर लेत बानी कि धरती पर दुःख आदम आ हव्वा के अवज्ञा के कारण आइल, तउहूँ बहुत लोग आजो ई सोचे ला कि एगो भला परमेश्वर दुःख के बने रहे काहे देत बाड़ें। एह जगह पर ई साफ समझल जरूरी बा कि हम "अनुमति देना" शब्द से का मतलब लेत बानी। जब लोग कहेला कि "परमेश्वर अनुमति देत बाड़ें," त अक्सर एह में ऊ मतलब छुपल होला जवन बाइबल के शिक्षा से आगे निकल जाला। आम तौर पर एह से ई संकेत दिहल जाला कि परमेश्वर हर परिस्थिति—चाहे ऊ अच्छी हो चाहे बुरी—हमार जिनगी में होखे के पक्ष में बाड़ें, काहे कि ऊ ओकरा होखे दिहलें। हम आपन मन में ई मान लेत बानी कि जिनगी में जवन कुछ भी घटे ला, ओकरा परमेश्वर के मंजूरी जरूर मिलल होई, काहे कि अगर परमेश्वर ऊ ना चाहतें, त ऊ ओकरा रोक देतें। लेकिन बाइबल साफ-साफ बतावेला कि परमेश्वर बहुत सी चीज़न के होखे से ना रोकत बाड़ें, भले ही ऊ ओह चीज़न के पक्ष में ना होखें। परमेश्वर लोगन के पाप करे के "अनुमति" देत बाड़ें, हालाँकि ऊ पाप से घृणा करत बाड़ें। ऊ लोगन के नरक जाए के भी "अनुमति" देत बाड़ें, हालाँकि 2 पतरस 3:9 कहेला कि परमेश्वर ई ना चाहत बाड़ें कि केहू नाश होखे, बल्कि ऊ चाहत बाड़ें कि सब मसीह में विश्वास करें।

मसीही लोगन के बीच एगो आम सोच ई बा कि हर चीज कवनो ना कवनो कारण से होखेला। एह सोच में ई बात छुपल बा कि आखिरकार जवन कुछ भी होखेला, ओकर पीछे परमेश्वर ही बाड़ें। लेकिन एह जिनगी में बहुत सी अइसन चीज़न घटेला जवन परमेश्वर के इच्छा ना हउवें। यीशु कहले बाड़ें कि कुछ चीज़ एह से होखेली कि शैतान चोरी करे, मारे आ नाश करे के कोशिश करत बा। दुनिया में जादातर बुराई मनुष्य के पापपूर्ण फैसलों के नतीजा बा—जवन आदम तक लउट जाला। एह से ई मतलब कतई ना बा कि रउआ के अभी के

परीक्षा रउआ के पाप के नतीजा बा। हो सकेला, लेकिन जादे संभावना ई बा कि ई बस पाप से श्रापित धरती में जिनगी जिए के परिणाम बा।

शायद रउआ अइसन सवालन से जूझ चुकल बानी:

“एगो भला परमेश्वर कइसे कवनो बच्चा के साथ होखेवाला अत्याचार के अनुमति दे सकेला आ हस्तक्षेप ना करे?”

“एगो भला परमेश्वर कइसे निर्दोष लोगन के दुःख सहन दे सकेला आ कुछो ना करे?”

सच्चाई ई बा कि दुःख के बारे में बहुत रहस्य बा, आ अस्तित्व के एह चरण में हमनी में से केहू भी हर एक दुःख के कारण पूरी तरह समझ नइखे सकत। लेकिन जवन चीज हम अभी तक समझ नइखे पावत, ओकरा एह बात के कमजोर करे देवे के ना चाहीं कि बाइबल परमेश्वर आ ओकर भलाई के बारे में जवन साफ-साफ बतावेली।

आइए, देखीं कि हम भला परमेश्वर आ दुःख के बारे में का-क्या जानत बानी:

• दुःख पाप के कारण एह दुनिया में बा, लेकिन ई हमेशा खातिर ना रही। जब यीशु धरती पर वापस अइहें, त हर तरह के पीड़ा आ दुःख हमेशा खातिर खत्म हो जाई (प्रकाशितवाक्य 21:4)।

• मानव इतिहास के 6,000 से 10,000 बरिस आ इंसानियत द्वारा सहल गइल सारा दुःख, अनंत काल के सामने बहुत छोट बा। आज स्वर्ग में केहू भी अपना धरती के जिनगी के कठिनाइयों पर रो नइखे रहल। एह से ई मतलब कतई ना बा कि लोगन के दुःख के हम हल्का समझत बानी। लेकिन अनंत काल के सही नजरिया जिनगी के बोझिल कठिनाइयों के हल्का कर सकेला (2 कुरिन्थियों 4:17-18)।

• जब एह पापग्रस्त धरती पर मानव इतिहास आखिरकार खत्म हो जाई, त ई अनंत काल खातिर एगो गवाही बनी कि का होखेला जब इंसान परमेश्वर से अलग होके जीए के चुनाव करेला (उत्पत्ति 2:17; रोमियों 6:23)।

• परमेश्वर, जो सर्वज्ञानी बाड़ें आ सर्वशक्तिमान बाड़ें, ऊ बुराई आ दुःख के भी अपना अनंत उद्देश्यों के सेवा में इस्तेमाल करे में सक्षम बाड़ें, आ ओकरा से महान भलाई पैदा कर सकेलें (रोमियों 8:28; इफिसियों 1:11)।

परमेश्वर सर्वोच्च सत्ता वाले बाड़ें

परमेश्वर कइसन बाड़ें आ ऊ लोगन के साथ कइसन व्यवहार करत बाड़ें, एह बारे में बहुत गलत धारणाएँ परमेश्वर के सर्वोच्चता के गलत समझ से पैदा होखेली। जब लोग जिनगी के परीक्षाओं के संदर्भ में कहेला कि "परमेश्वर सर्वोच्च बाड़ें," त अक्सर ओकर मतलब ई होला: "ई दुःखद परिस्थिति परमेश्वर के हाथ से आइल बा, आ ऊ जवन चाहे कर सकेलें, काहे कि ऊ सबसे अच्छा जानत बाड़ें।" लोग कबहूँ-कबहूँ ई भी कहेला कि परमेश्वर लोगन के बीमार कर सकेलें, केहू के चंगा करे से मना कर सकेलें, या कवनो प्रियजन के जान ले सकेलें, काहे कि ऊ सर्वोच्च बाड़ें। लेकिन "सर्वोच्च" के मतलब ई ना हवे। शब्दकोश में "सर्वोच्च" के मतलब बा—सबसे ऊँच शक्ति आ अधिकार। "परमेश्वर सर्वोच्च बाड़ें" कहे के मतलब ई बा कि ऊ ब्रह्मांड में सबसे ऊँच शक्ति बाड़ें। परमेश्वर "ओम्नी" बाड़ें—मतलब सब कुछ। ऊ सर्वशक्तिमान बाड़ें, सर्वज्ञानी बाड़ें, आ सर्वव्यापी बाड़ें।

एह से कि परमेश्वर सर्वोच्च आ सर्वशक्तिमान बाड़ें, ऊ हर चीज—अच्छी होखे चाहे बुरी—अपना उद्देश्यों के सेवा में ला सकेलें। इफिसियों 1:11 कहेला कि परमेश्वर "सब कुछ अपनी इच्छा के उद्देश्य के अनुसार काम में लगावेला।" परमेश्वर दुःखद परिस्थितियों के चलावेलन नइखन, लेकिन ऊ उनका इस्तेमाल जरूर करेले। दुःख आ बुराई के इस्तेमाल कर पावल ही असल में परमेश्वर के सर्वोच्चता के प्रमाण बा। परमेश्वर अतना शक्तिशाली बाड़ें कि पाप आ शैतान के कारण मौजूद असली बुराई से भी ऊ असली भलाई पैदा कर सकेलें।

परमेश्वर हर घटे वाली चीज़ के कारण नइखन, आ ना ही हर ऊ काम करत बाड़ें जवन लोग उनका सिर मढ़ देला। कुछ लोग पूछेला, "ई कइसे हो सकेला? अगर परमेश्वर सर्वोच्च आ सर्वशक्तिमान बाड़ें, त का हर चीज़ खातिर ऊ जिम्मेदार नइखन?" बाइबल बतावेली कि कुछ चीज़ अइसन बाड़ी सनि जवन परमेश्वर ना करत बाड़ें, आ कुछ चीज़ अइसन बाड़ी सनि जवन ऊ कर ही ना सकेलें।

परमेश्वर बदलत नइखन

मलाकी 3:6 कहेला, "काहे कि हम यहोवा हईं, हम बदलत ना हईं।" याकूब 1:17 कहेला, "हर अच्छी आ सिद्ध देन ऊपर से आवेला, स्वर्गीय ज्योतियन के पिता से, जे कबहूँ ना बदलें।" परमेश्वर के हाथ से जवन कुछ आवेला, ऊ भला ही होला आ ऊ बदलत नइखे। "सर्वोच्च" के मतलब बदल जाए वाला ना होखल।

परमेश्वर मनुष्य के स्वतंत्र इच्छा के उल्लंघन नइखन करत। परमेश्वर ई ना चाहत बाड़ें कि केहू मरे आ हमेशा खातिर उनसे अलग हो जाओ। तउहूँ लोग रोजाना परमेश्वर से आजादी चुनेला, उनका प्रभुत्व के ठुकरावेला, आ परमेश्वर उनका चुनाव के जबरदस्ती बदलत नइखन। यीशु, जवन अपने पिता के हृदय दिखवलें, जब ऊ धरती पर रहलें, त इस्राएल के अपने पास इकट्ठा करे चाहत रहलें, लेकिन लोगन अपना इच्छा से मना कर दिहल। "हे यरूशलेम, यरूशलेम... कतनी बेर हम चाहनी कि तोहार बच्चन के जुटा लीं, जइसे मुरगी अपने चूजा लोग के अपने पंख के नीचे जुटा लेवेली, बाकिर तू ना चाहल।" (मत्ती 23:37)। यीशु उनका चुनाव के उल्लंघन ना कइलें। तउहूँ परमेश्वर, अपनी सर्वोच्चता में, इस्राएल द्वारा मसीह के अस्वीकार के इस्तेमाल करके उद्धार के खुशखबरी सारा संसार तक पहुँचवले।

परमेश्वर झूठ बोले नइखन सकत

ऊ अपना ही सच्चा वचन के खिलाफ जाए नइखन सकत (इब्रानियों 6:18; तीतुस 1:2; यूहन्ना 17:17)। ऊ अपना आप के इनकार नइखन कर सकत। 2 तीमुथियुस 2:13 कहेला कि ऊ अपनी प्रकृति के इनकार नइखन कर सकत। परमेश्वर भले बाड़ें, एह से ऊ अपनी भलाई के खिलाफ काम नइखन कर सकत। सर्वोच्च के मतलब मनमाना या चरित्रहीन होखल ना हवे।

परमेश्वर जवन चाहें ऊ कर सकेलें

हमनी में से अधिकतर लोग शायद अपना जीवन के कवनो ना कवनो समय पर ई बात सुनले होखी कि परमेश्वर ऊ सब कर सकेलें जे ऊ चाहेलन, काहे कि ऊ सर्वोच्च हउवें। आइं, एक पल खातिर एह बात पर सोचल जाव।

अगर परमेश्वर सर्वोच्च हउवें आ ऊ जे चाहेलन ऊ कर सकेलें, त एक सहज सवाल उठेला — "असल में ऊ का चाहेलन?" जब हम बाइबल के अध्ययन करीलें, त हम देखीलें कि परमेश्वर एक परिवार चाहेलन। धरती के रचना से पहिले से ही परमेश्वर के योजना आ उद्देश्य ई रहल बा, आ आजो बा, कि उनकर बेटा-बेटी के एक परिवार होखे जे यीशु मसीह के स्वरूप के अनुरूप होखो (इफिसियों 1:4-5; रोमियों 8:29)। बाइबल हमनी के परमेश्वर के परिवार के चाह के कहानी बतावेला, आ ऊ हद के भी सुनावेला जहाँ तक ऊ अपने परिवार के पावे खातिर गइलें — यीशु मसीह के मृत्यु, दफ़न आ पुनरुत्थान के माध्यम से।

शास्त्र से ई साफ बा कि परमेस्सर मनुष्य के साथ संबंध चाहत बानी। हम ई विषय के उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक देख सकिला। परमेस्सर मनुष्य के अपना छवि में बनवलन, जेतना एगो सृष्टि अपन सृजनकर्ता के समान हो सके। काहे? ताकि संबंध संभव हो सके। जब परमेस्सर आदम के बनवलन, त उ एगो पुत्र बनवलन (लूक 3:38)। जब आदम आ हव्वा बगिचा में पाप कइलन, त परमेस्सर उ लोग के खोजलन, क्रोध में ना, बलुक मदद करे के इच्छा से। उ लोग के पाप ढके खातिर अस्थायी मदद के रूप में चमड़ा के चादर देहल गइल (उत्पत्ति 3:21) आ स्थायी मदद के पेशकश भी कइल गइल—एगो उद्धारकर्ता के वादा जे एगो दिन उनका पाप के दूर करी। (उत्पत्ति 3:15)

जइसे-जइसे हम पुरान नियम पढ़िला, हम परमेस्सर के मनुष्य के साथ संबंध के इच्छा के संकेत देखीला। हनोक एहन आदमी रहलें जे परमेस्सर के साथ अइसन चलते रहलें कि उ परमेस्सर के बहुत प्रिय रहलें, एह खातिर परमेस्सर उनका के शारीरिक मृत्यु के अनुभव कराए बिना स्वर्ग ले गइलें (उत्पत्ति 5:21-24; इब्रानियों 11:5)। परमेस्सर अब्राहम के पास अइले ताकि उ लोग से सदोम आ गोमोरा के विषय में बातचीत कर सको (उत्पत्ति 18:17)। बाइबल में तीन जगह अब्राहम के "परमेस्सर के मित्र" कहल गइल बा (याकूब 2:23; 2 इतिहास

20:7; यशायाह 41:8)। परमेस्सर मूसा से भी एही तरह बात कइले जइसन कि कोई आदमी अपन मित्र से करेला (निर्गमन 33:11)।

नया नियम में, यीशु—जे परमेस्सर हउवन आ हमरा के परमेस्सर देखावेलन—अपना शिष्यों से कहलन, "तू हमरा मित्र बा, अगर तू उ सब करेलु जे हम तोहरा आज्ञा देब" (यूहन्ना 15:14)। उ लोग ई भी कहलन, "जे कोई हमर स्वर्ग में रहनिहार पिता के इच्छा करेला, उ हमरा भाई, बहिन आ माता ह" (मत्ती 12:50)।

बाइबल कहेला कि जब यीशु के ई धरती पर लौटने के बाद पाप आ ओकर प्रभाव परमेस्सर के सृष्टि से हटा दीहल जाई, तबो हम परमेस्सर आ मनुष्य के बीच संबंध में रही। "फिर हम नया आकाश आ नई धरती देखनी, काहे कि पुरान आकाश आ धरती बीत गइल रहे। आ हम, यूहन्ना, पवित्र नगर, नई यरूशलेम, परमेस्सर के ओर से स्वर्ग से उतरते देखनी। ई एगो भव्य दृश्य रहल, दुल्हिन जइसन सुंदर। हम सिंहासन से जोरदार आवाज सुनीनी, 'देखा, अब परमेस्सर के घर मनुष्यों के बीच बा, आ उ लोगन के साथ रही, आ उ लोग उनकर लोग होखी; हाँ, परमेस्सर खुद उनका बीच रही। उ उनका सब आँसू पोछी, आ अब मृत्यु, दुःख, रोना, पीड़ा कुछो ना रही। ई सब हमेशा खातिर खतम हो गइल बा।' आ सिंहासन पर बइठल आदमी कहलन… 'जे कोई विजयी होई, उ ई सब आशीष के वारिस होई, आ हम ओकर परमेस्सर बनब, आ उ हमार पुत्र होई'" (प्रकाशितवाक्य 21:1-5,7)।

भविष्यवक्ता यशायाह भी अपने लेखन में ई समय के वर्णन कइले बाड़न। यशायाह के भविष्यवाणी से हम देखिला कि परमेस्सर अपन बेटा-बेटी के साथ एगो उत्सव खातिर काम कर रहल बानी। "एहिजा यरूशलेम के सियोन पर्वत पर, सेनाओं के प्रभु हर देस के लोग खातिर एगो अद्भुत भोज आयोजित करिहें—एगो स्वादिष्ट भोज, जे में उत्तम भोजन रही। उ समय उ पृथ्वी पर छाया डालत अंधकार आ मृत्यु के बादल हटा दीहें; उ मृत्यु के हमेशा खातिर निगल लीहें। प्रभु परमेस्सर सब आँसू पोछीहें आ अपन संसार आ लोग के खिलाफ सब अपमान आ उपहास हमेशा खातिर खतम कर दीहें। प्रभु कहलन—उ जरूर ई करीहें!" (यशायाह 25:6-8)।

परमेस्सर चाहत बानी कि सभे मनुष्य उनकर ओर आकर्षित होखे ताकि उनकर एगो परिवार बन सके। अपन बुद्धि, शक्ति आ दया के प्रदर्शन के रूप में, परमेस्सर यीशु के हमरा पाप

खातिर मरावे भेजले। परमेस्सर अपन सर्वोच्चता में मानवता के सबसे बड़ जरूरत—हमरा पाप से उद्धार—पूरा कइले, यीशु मसीह के मृत्यु, दफन आ पुनरुत्थान के माध्यम से। "लेकिन हमरा प्रति आपन महान प्रेम के कारण, परमेस्सर, जे दया में समृद्ध बा, हमरा के मसीह में जिन्दा कइले, जब हम तोहरा अपराध में मरल रहनी—तोहरा के अनुग्रह से उद्धार मिलल। आ परमेस्सर हमरा के मसीह में उठवलन आ हमरा के मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थान पर बइठवलन, ताकि आवे वाला युग में उ आपन अनमोल अनुग्रह के धन संपत्ति देखाईं, जे मसीह यीशु में हमरा प्रति उनकर दया में व्यक्त भइल बा" (इफिसियों 2:4-7)।

परमेस्सर मनुष्य के साथ संबंध चाहत बानी आ अपन परिवार बना रहल बानी। काहे कि उ सर्वोच्च बा, उ सब कुछ एह उद्देश्य खातिर उपयोग कर सकेलें—एह में ओह चीज भी शामिल बा जे उ जिम्मेदार ना ह। मसीह में विश्वास के माध्यम से परमेस्सर हमरा के अपन पुत्र बनावे के संदर्भ में, इफिसियों 1:9-11 कहता, "काहे कि परमेस्सर हमरा के अपन योजना के रहस्य जानलें के अनुमति देहलें, आ ई बा: उ अपन सर्वोच्च इच्छा में बहुत पहिले तय कइले कि सारा मानव इतिहास मसीह में पूरा होखी; जे कुछ स्वर्ग या धरती में बा, उ मसीह में अपन पूर्णता आ परिपूर्ति पाई। मसीह में हमरा के एगो विरासत दिहल गइल बा, काहे कि हम एकरा खातिर नियत रहनी, ओहि द्वारा जे अपन सब योजना आपन इच्छा अनुसार पूरा करेला।"

क्रूस परमेस्सर के सर्वोच्चता के एगो महान प्रदर्शन रहल। परमेस्सर, आपन सर्वज्ञता में जानत रहलें कि शैतान खराब लोग के प्रेरित करिहें ताकि उ परमेस्सर के निर्दोष पुत्र के क्रूस पर चढ़ा देवें (लूक 22:3; प्रेरितों के काम 2:23)। परमेस्सर उनका दुष्ट काम के उपयोग क के ब्रह्मांड के इतिहास में सबसे बड़ भलाई प्राप्त कइले। यीशु मानवता के पाप अपन ऊपर लेलें आ मानव जाति के उद्धार खरीदे। मसीह के क्रूस के माध्यम से परमेस्सर आपन परिवार पवलें। 1 कुरिन्थियों 2:8 कहेला कि अगर शैतान जानत कि परमेस्सर क्रूस के माध्यम से का करे वाला बा, त उ कभी भी महिमा के प्रभु के क्रूस पर ना चढ़ावत।

क्रूस खाली परमेस्सर के सर्वज्ञता के प्रदर्शन ना रहल, बल्कि ई उनकर सर्वशक्तिमत्ता के भव्य प्रदर्शन भी रहल। यीशु के पुनरुत्थान के विरोध अंधकार के सभ शक्ति कइलस। एह अत्यधिक विरोध के कारण, उनकर पुनरुत्थान परमेस्सर के शक्ति के अब तक के सबसे महान प्रदर्शन रहल, काहे कि परमेस्सर पाप, शैतान आ मृत्यु पर विजय प्राप्त कइले

(इफिसियों 1:19; कुलुस्सियों 2:15)। परमेस्सर शैतान के ओकरा ही खेल में हरवलें काहे कि उ सर्वोच्च बा।

कुछ लोग कहेलन कि काहे कि परमेस्सर सर्वोच्च बा, उ लोगन के साथ खराब कर सकत बानी काहे कि लंबी अवधि में ई सबसे बढ़िया बा। लेकिन सच उल्टा बा। परमेस्सर आपन सर्वोच्चता के उपयोग लोग के आशीष देवे आ उनकर प्रति दयालु रहे खातिर करेलन, नुकसान पहुँचावे खातिर ना। उ लोग मानवता के प्रति आपन अनुग्रह आ भलाई के प्रदर्शन खातिर आपन सर्वोच्चता के उपयोग करेलन। बाइबल कहेला कि परमेस्सर, जे ब्रह्मांड के सर्वोच्च प्रभु हउवन, उनकर पास आपन दया देखावे के अधिकार बा जइसन उ चाहेलन। "काहे कि परमेस्सर मूसा से कहलन, 'अगर हम केहु पर दया करे के चाहब त करब। आ जे पर हम दया करे के चाहब, ओकरा पर करब'" (रोमियों 9:15)। एह समय, परमेस्सर, जे सर्वशक्तिमान आ सर्वोच्च प्राधिकरण हउवन, सब कुछ—जे में मानव विकल्प भी बा—अपना उद्देश्य खातिर उपयोग कर रहल बानी ताकि उ अपना के अधिकतम महिमा दे सकें आ अधिकतम भलाई ज्यादा से ज्यादा लोग तक पहुँच सके, जब उ आपन परिवार इकट्ठा कर रहल बानी।

परमेश्वर कुम्हार बाड़ें

समस्यन के स्रोत के लेके भ्रम के एगो बड़ा कारण ई बा कि लोग परमेस्सर के सर्वोच्चता के बारे में शास्त्र के गलत इस्तेमाल करेला। एह के एगो प्रमुख उदाहरण रोमियों 9:20-22 में मिलेला:

"लेकिन हे मनुष्य, तू कौन हउआ कि परमेस्सर से वाद-विवाद कर? का उ जे बनावल गइल बा, उ निर्माता से ना कह सकेला, 'तू हमके अइसन काहे बनवल?' का कुम्हार के अधिकार नइखे कि उ ओही माटी के ढेर से कुछ के भव्य उद्देश्य खातिर बर्तन बनावस आ कुछ के सामान्य इस्तेमाल खातिर? का अगर परमेस्सर, आपन क्रोध देखावे आ आपन शक्ति प्रकट करे खातिर, आपन क्रोध के वस्तु सभ पर बड़ा धैर्य रखस—जे विनाश खातिर तय कइल गइल रहल?"

एह शास्त्र के आधार पर, लोग अक्सर अइसन कहेला: "परमेस्सर हमरा के दुर्घटना या कैंसर दे सकेलें ताकि हम सुधर जाईं। हमरा पास उनकर सर्वोच्चता पर सवाल उठावे के अधिकार

नइखे, काहे कि उ कुम्हार हउवन आ हम माटी हईं। उ जे चाहें कर सकेलें।" लेकिन रोमियों 9 के ई शास्त्र से ई निष्कर्ष निकाले के मतलब सीधे शास्त्र के शास्त्र से परिभाषित ना करे के परिणाम ह। एह आयतन के सही समझ खातिर, हमरा ई जानल जरूरी बा कि जब प्रेरित पौलुस परमेस्सर के कुम्हार कहले, त उनकर असली मतलब का रहल।

परमेस्सर के शास्त्र में सिर्फ कुछ ही बार कुम्हार के रूप में वर्णित कइल गइल बा (यशायाह 29:15-16; 45:9; 64:8; यिर्मयाह 18:1-10)। हर उदाहरण में, परमेस्सर राष्ट्र सभ से बात करत बाड़न, ना कि व्यक्तिगत व्यक्ति से। एह शास्त्र में परमेस्सर के कुम्हार के रूप में देखावल गइल बा ताकि ई बतावल जा सके कि जब इज़राइल के राष्ट्र उनका से बगावत करत आ झूठा देवता के पूजा करत रहल, त परमेस्सर उनकरा से कैसन संपर्क करेलें। ई शास्त्र इज़राइल द्वारा परमेस्सर के अस्वीकार करे के परिणाम बतावेला, आ ई देखावेला कि कुम्हार परमेस्सर के अधिकार बा कि अगर इज़राइल मूर्ति पूजा में अड़ गइल, त उनकर दुश्मन उन पर हावी हो जाईं। एह आयतन में व्यक्तिगत लोग के अनजान कारण से कठिनाई, हानि या बीमारी झेलल के बारे में ना बतावल गइल बा, जे केवल सर्वोच्च परमेस्सर ही जानत बाड़न।

परमेस्सर के कुम्हार के रूप में संदर्भित करे वाला एगो मात्र नया नियम के आयतन रोमियों 9:20-22 बा, आ ई वास्तव में यिर्मयाह 18 से उद्धृत बा। पौलुस ई उद्धरण के इस्तेमाल ई साबित करे खातिर करेलन कि परमेस्सर मसीह के अपन मसीहा के रूप में अस्वीकार करे के प्रकाश में यहूदी राष्ट्र के तुलना में गैर-यहूदियन के सुसमाचार देबे में अन्याय ना कइले।

रोमियों 9 में चर्चा के विषय परमेस्सर के इज़राइल राष्ट्र के साथ व्यवहार ह—ना कि व्यक्तिगत रूप से लोग के दैनिक जीवन के साथ। ई आयतन हमरा व्यक्तिगत जीवन में बुराई आ दुःख के व्याख्या नइखे करत। संदर्भ में, कुम्हार के रूप में परमेस्सर के छवि, जे माटी के बर्तन ढालत बाड़न, पुरान नियम में परमेस्सर के द्वारा इज़राइल के अपन विशेष लोग के रूप में चुने के आ नया नियम में चर्च के चुने के संदर्भ में बा। पौलुस के तर्क ई बा कि इज़राइल आ चर्च के चुनाव न्यायपूर्ण आ सही बा, काहे कि सर्वोच्च परमेस्सर के रूप में परमेस्सर के अधिकार बा कि जे पर चाहे आपन दया दिखा सके (रोमियों 9:15)।

का ई कहल गलत बा कि परमेस्सर कुम्हार बाड़न आ हम माटी हईं? ना, बशर्ते कि आप एह मुख्य बातन के समझीं। हाँ, परमेस्सर कुम्हार बाड़न आ हम माटी हईं, लेकिन जइसन हम

देखनी, एकर मतलब ई नइखे कि परमेस्सर आपन सर्वोच्चता के कारण आप के नुकसान पहुँचाई सकत बा या करीहें। परमेस्सर सचमुच हमरा के आकार देत बाड़न। लेकिन उ हमरा के अंदर से, आपन वचन आ आपन आत्मा के माध्यम से आकार देत बाड़न। "आ हम सभ, बिना परदा कइले, [काहे कि हम] परमेस्सर के वचन में जइसन दर्पण में प्रभु के महिमा देखत रहल, लगातार अपना छवि में बढ़ते जात रहल, एक महिमा से दोसरा महिमा तक रूपांतरित होत रहल; [काहे कि ई हो रहल] प्रभु से [जे] आत्मा हउवन" (2 कुरिन्थियों 3:18)।

कुम्हार परमेस्सर भी तोहरा पिता हउवन आ उ तोहरा एगो पिता जइसन—प्यार आ स्नेह से—ढालिहें आ आकार देहें। "लेकिन अब, हे प्रभु, तू हमरा पिता हउआ; हम माटी हईं आ तू हमरा कुम्हार हउआ; आ हम सभ तोहर हाथ के काम हईं" (यशायाह 64:8)।

बुराई आ दुःख एह संसार में पाप के कारण मौजूद बाड़ें, आ एकर शुरुआत आदम के पाप से भइल। लेकिन ई हालत हमेशा खातिर नइखे रहे वाली। परमेश्वर, आपन सर्वोच्चता में, असली बुराई के ले के ओकरा से असली भलाई पैदा करे में पूरी तरह सक्षम बाड़ें। आपन बुद्धि आ सामर्थ के द्वारा ऊ शैतान के ओकर ही खेल में हरा सकेलें आ हर चीज़ के आपन उद्देश्यों के सेवा में लगा सकेलें। परमेश्वर के इच्छा ई बा कि ऊ अपना खातिर अधिकतम महिमा आ जादा से जादा लोगन खातिर अधिकतम भलाई ले आवें, जब ऊ अपना परिवार के इकट्ठा करत बाड़ें।

अब, जब हम एह सच्चाई खातिर एगो मजबूत आधार रख चुकल बानी कि परमेश्वर भला बाड़ें आ "भला" के मतलब सचमुच भला ही बा, त आइए अब कुछ आम सवालन पर चर्चा

करीं, जवन अक्सर एह तरह से शुरू होखेला—"हाँ, लेकिन... ओह के, एह के, बात बारे में का?"

हाँ, लेकिन पुरान नियम के बारे में का?

अब ले हम जवन बात कही बानी, ओकर जवाब में लोगन के ओर से उठे वाला पहिला सवाल ई होला: "अगर परमेश्वर भला बाड़ें आ भला के मतलब सच में भला बा, त रउआ पुराने नियम में परमेश्वर के कामन के कइसे समझाइब? ऊ सब जगहन के का, जहाँ परमेश्वर लोगन के मारे, लोगन के बीमार बनवले, आ विनाश के ज़रिए दंड दिहलें?"

एह छोट पुस्तक में हम पुराने नियम के हर एक घटना पर बात त ना कर सकेनी, बाकिर हम कुछ बुनियादी सिद्धांत जरूर बताईं, जवन हमार पहिला "हाँ, लेकिन… एह बात के का?" सवाल के जवाब देई, आ पुराने नियम पढ़त घरी हमनी के सही दिशा दी।

परमेश्वर के भलाई, दया आ प्रेम पूरा पुराने नियम में मिलेला। "दया" शब्द किंग जेम्स बाइबल में 261 बेर आवेला, आ एह में से करीब 72 प्रतिशत बेर ई शब्द पुराने नियम में बा। "प्रेम" शब्द किंग जेम्स बाइबल में 322 बेर आवेला, आ ओह में से लगभगे आधा बेर पुराने नियम में मिलेला।

तथापि, पुराने नियम में परमेश्वर के दया आ प्रेम के देखे खातिर हमनी के थोड़ा गहराई में जाए के पड़ेला। बाइबल एगो प्रगतिशील प्रकाशन बा, मतलब ई कि परमेश्वर धीरे-धीरे शास्त्रन के पन्नन के माध्यम से मानव जाति के सामने खुद के प्रकट कइले बाड़ें। कई बातन के पुराने नियम में पूरा साफ-साफ ना देखाई देला। परमेश्वर के भलाई, दया आ प्रेम पुराने नियम में ओतना स्पष्ट ना देखाई देला, जतना नया नियम में देखाई देला।

पुराने नियम में हमनी के अबहीं ऊ पूरा तस्वीर नइखे मिलत, जवन नया नियम में यीशु मसीह के माध्यम से प्रकट भइल बा। इब्रानियों 1:3 कहेला कि यीशु परमेश्वर के स्पष्ट छवि बाड़ें। "स्पष्ट" शब्द के मतलब होला—छाप या मुहर, जवन ठीक-ठीक असल के जइसन होखे। यीशु पिता के सटीक प्रतिनिधित्व बाड़ें।

जइसे पहिले कहल गइल, अगर रउआ जानल चाहत बानी कि परमेश्वर लोगन से कइसे व्यवहार करत बाड़ें, त यीशु के देखीं। हम परमेश्वर के अध्ययन के शुरुआत पुराने नियम से ना करीलें। हम नया नियम से शुरू करीलें। हम ओह बात से शुरू करीलें जवन यीशु हमनी के परमेश्वर के बारे में दिखावत बाड़ें। जब नया नियम में यीशु में प्रकट परमेश्वर के साफ तस्वीर हमनी के मिल जाला, तब हम ओह तस्वीर के रोशनी में पुराने नियम के समझत बानी।

पुराने नियम के नया नियम के रोशनी में समझे के मतलब दू गो मुख्य बात बा।

पहिला, अगर नया नियम में 10 गो पद कवनो विचार या विषय के साफ समर्थन करत बा, आ पुराने नियम के एगो पद ओह 10 गो पद के उल्टा लागत बा, त रउआ ओह 10 नया नियम के पदन के छोड़ ना देब। बाइबल खुद से विरोध ना करेली। अगर कवनो पद दूसर शास्त्रन के खिलाफ लागत बा, त एकर मतलब ई बा कि रउआ अबहीं ओह पद के पूरा समझ नइखीं पवले। ओह पद के तब तक अलग रख दीं, जब तक रउआ ओकरा के बेहतर ढंग से ना समझ लीं।

दूसरा, पुराने नियम के नया नियम के रोशनी में समझे के मतलब ई भी बा कि हमनी के देखे के चाहीं कि नया नियम पुराने नियम के खास घटनन के बारे में का कहेला। उदाहरण खातिर, अय्यूब के पुस्तक कई लोगन के डरावेली। बाकिर नया नियम हमनी के बतावेला कि अय्यूब के पुस्तक पढ़ के हमनी के का सीखल चाहीं। याकूब 5:11 बतावेला कि अय्यूब हमनी के सिखावत बाड़ें कि परमेश्वर दयालु बाड़ें आ अपना लोगन के बंधन से छुड़ावे वाला बाड़ें। अगर अय्यूब के पुस्तक से रउआ के परमेश्वर के अइसन छवि ना मिलत बा, त रउआ ओह पुस्तक के सही संदर्भ में नइखीं पढ़त। अगिला अध्याय में हम अय्यूब के पुस्तक पर अउरी विस्तार से बात करब।

पुराने नियम पढ़े के कुंजी — संदर्भ के समझल

पुराने नियम के सही ढंग से समझे खातिर, हमनी के संदर्भ में पढ़े के सीखल जरूरी बा। बाइबल में हर चीज कवनो ना कवनो आदमी, कवनो आदमी खातिर, कवनो खास विषय पर लिखल गइल बा। जब भी हम बाइबल पढ़त बानी, त हमनी के ई जानल जरूरी बा कि बोले वाला केहू बा, संदेश केहू खातिर बा, आ विषय का बा—ताकि पद के सही मतलब समझ में आवे।

एकर मतलब ई नइखे कि बाइबल मनुष्य के शब्द बा, परमेश्वर के ना। एकर मतलब बस ई बा कि परमेश्वर कुछ लोगन के प्रेरित कइले, ताकि ऊ दूसर लोगन खातिर खास मुद्दन पर लिख सकें। उदाहरण खातिर, परमेश्वर प्रेरित पौलुस के इस्तेमाल कइले ताकि ऊ तिमुथियुस नाम के आदमी के दू गो पत्र लिखें, जेह से तिमुथियुस ऊ कलीसियन के सही अगुवाई कर सके। ई जानकारी बिना जाने, ओह पत्रन के पूरा मतलब समझ में ना आई।

पुराने नियम पढ़े के एगो अउरी जरूरी कुंजी बा—ओकर ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक संदर्भ के समझल। पुराने नियम मुख्य रूप से इस्राएल के इतिहास से जुड़ल बा। एह राष्ट्र के इतिहास कई बेर दुखद आ अंधकारमय रहल बा, काहे कि इस्राएली लोग बार-बार आसपास के राष्ट्रन के मूर्तियन आ झूठे देवतान के पूजा कइलें, आ उनकर अनैतिक जीवनशैली अपनइलें। इस्राएल के इतिहास में कई समय अइसन आइल जब इब्रानी लोग बहुत गंभीर पाप कइलें। ऊ यरूशलेम में परमेश्वर के मंदिर में मूर्तियन के पूजा कइलें, अपना बेटा-बेटियन के मूर्तियन खातिर बलि देके जरा दिहलें, आ लकड़ी-पत्थर के मूर्तियन के अपना सृष्टिकर्ता मान लिहलें।

परमेश्वर भविष्यद्वक्तन के भेज के इस्राएल के चेतावनी दिहलें कि अगर ऊ लोग पश्चाताप ना करी, त दुश्मनन के हाथ से विनाश आई। बाकिर इस्राएल परमेश्वर के चेतावनी के ठुकरा दिहलें, आ आपन भयानक पापन के नतीजा भोगलें।

संदर्भ के कमी के चलते, लोग अक्सर पुराने नियम के ओह पदन के—जवन मूर्तिपूजा करे वाला राष्ट्र खातिर लिखल गइल रहल—आज के विश्वासियन पर लागू कर देला। एह से कई मसीही लोग परमेश्वर के सजा के बेकार डर में जीए लागेला।

भाषा के समझल

हमनी के ई भी समझे के चाहीं कि जब पुराने नियम में कहल गइल बा कि "परमेश्वर बीमारी लइलें," त ओकर मतलब ओह समय के पाठकन खातिर कुछ अउर रहल, आ आज हमनी खातिर कुछ अउर लागेला। पुराने नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखल गइल रहल। इब्रानी भाषा में ई आम बात रहल कि जब अनुमति देवे के मतलब होखे, तब भी कारण बतावे वाला क्रिया इस्तेमाल कइल जाला। मतलब, परमेश्वर के करने वाला कहल जाला, जबकि असल में ऊ अनुमति देले बाड़ें।

एह से, जब बाइबल में लिखल मिलेला कि "परमेश्वर बीमारी भेजलें," त इस्राएलियन खातिर एकर मतलब रहल—"परमेश्वर बीमारी के अनुमति दिहलें।"

अगर हमनी के इब्रानी भाषा ना आवे, त हम कइसे जानेब कि कवनो पद में "परमेश्वर कइलें" मतलब बा, कि "परमेश्वर अनुमति दिहलें"? कई बेर संदर्भ से ई साफ हो जाला। 1 इतिहास 10:14 कहेला कि प्रभु राजा शाऊल के मार दिहलें। बाकिर पूरा अध्याय पढ़े पर पता चल जाला कि शाऊल अपना हथियार उठावे वाला से कहलें कि ऊ ओकरा के मार दे, आ जब ऊ मना कइलस, त शाऊल खुद तलवार पर गिर के जान दे दिहलस। प्रभु शाऊल के ना मारलें; प्रभु शाऊल के खुद के जान लेवे के अनुमति दिहलें।

निर्गमन 15:26 में परमेश्वर इस्राएल से कहलें कि अगर ऊ लोग आज्ञा मानी, त "मैं मिस्र पर लाई गई कवनो बीमारी तुम पर ना डालब।" एकर सही मतलब ई बा कि "मैं मिस्र के कवनो बीमारी तुम पर आवे के अनुमति ना देब।"

"तुम्हारा स्वास्थ्यदाता प्रभु" इब्रानी में यहोवा राफा ह, जेकर मतलब बा—प्रभु तुम्हारा चिकित्सक। परमेश्वर लोगन के बीमार बना के बाद में ठीक करे खातिर बीमारी ना देला। ई त बंटल घर जइसन हो जाई। (याद करीं, मत्ती 12:24–26 में यीशु बंटल घर के बारे में का कहलें।)

जहाँ बाइबल से साफ ना होखे कि परमेश्वर "कइलें" कि "अनुमति दिहलें," ओह जगह हमनी के ओह पद के नया नियम के रोशनी में देखे के चाहीं। अगर कवनो पद परमेश्वर के "कइल" बतावत बा, आ ऊ यीशु मसीह में प्रकट परमेश्वर के स्वभाव के खिलाफ बा, त हम जान जानी कि ओह पद के सही मतलब "अनुमति दिहल" ही बा।

एकमात्र परमेश्वर — सर्वशक्तिमान परमेश्वर

जब मूसा के अगुवाई में परमेश्वर इस्राएल के मिस्र के गुलामी से बाहर निकालले, ओह समय पूरी दुनिया बहुदेववादी रहल—मतलब कई देवतान के पूजा करे वाली। बस इस्राएल एकेश्वरवादी रहल, आ ऊ भी मुश्किल से। मिस्र में कई इब्रानी लोग मूर्तिपूजा में फँस गइल रहलें, आ जंगल में भटकत घरी फेरु ओह में लौट गइलें। कनान में पहुँचला के बाद भी ऊ बार-बार झूठे देवतान के पूजा में पड़ जात रहलें।

इस्राएल के आसपास के राष्ट्रन में उजाला के देवता, अंधकार के देवता, दिन के देवता, रात के देवता, भलाई करे वाला देवता, बुराई करे वाला देवता—अइसन कई देवता रहलें। पुराने नियम में परमेश्वर के एगो मुख्य उद्देश्य ई रहल कि ऊ अपना लोगन आ आसपास के राष्ट्रन के सामने खुद के सर्वशक्तिमान, एकमात्र परमेश्वर के रूप में प्रकट करें। एह से हमनी के पुराने नियम में उनकर सामर्थ के कई भयंकर प्रदर्शन देखे के मिलेला।

पुराने नियम के लेखक, पवित्र आत्मा के प्रेरणा में, कई विनाशकारी घटनन के परमेश्वर से जोड़लें। ई एह से ना कि विनाश के पीछे परमेश्वर रहलें, बल्कि एह से कि इस्राएल समझ सके कि आपदा काहे आई—ना कि आग के देवता नाराज़ रहलें, ना कि फसल के देवता के मनावे के जरूरत रहल—बल्कि एह से कि ऊ लोग मूर्तिपूजा के चलते सर्वशक्तिमान परमेश्वर से सही रिश्ता में ना रहलें।

परमेश्वर चाहत रहलें कि मानव चेतना में ई बात गहरे बस जाव कि उनकर लोगन के एकमात्र, सर्वशक्तिमान परमेश्वर के साथ सही संबंध में रहना जरूरी बा—पहिले व्यवस्था आ बलिदान के माध्यम से, आ आखिरकार यीशु मसीह के माध्यम से।

बाइबल कहेला कि परमेश्वर भला बाड़ें आ परमेश्वर प्रेम हउवें।

तथापि, ई विषय पुराने नियम में ओतना प्रमुख ना बा। अगर परमेश्वर ओह बहुदेववादी दुनिया में खुद के साफ-साफ प्रेम करे वाला पिता के रूप में प्रकट कइले होतें, त इस्राएल आ आसपास के राष्ट्र शायद परमेश्वर के "प्रेम के देवता"—कई देवतान में से बस एगो—समझ

लेतें। एह कारण पुराने नियम में त्रिएक परमेश्वर—पिता, पुत्र आ पवित्र आत्मा—के उल्लेख बहुत कम मिलेला।

आइए हम कुछ उदाहरणन पर ध्यान दीं कि कइसे पुराने नियम के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के समझ हमनी के उन पदन के सही व्याख्या करे में मदद करेला, जे ऊपर-ऊपर देखे में एइसन लागेला मानो ऊ परमेश्वर पर बुराई या दुष्टता के आरोप लगावत होखस।

निर्गमन 20:5 में परमेश्वर कहेलन:

“तू उनका दण्डवत न करिह, आ न उनकी उपासना करिह; काहेकि मैं तोहार परमेश्वर यहोवा जलन रखे वाला परमेश्वर हईं, आ जे हमसे बैर रखेलन, उनका पितरन के अधर्म के दण्ड उनका बेटा, पोता आ परपोता तक देत हईं।”

कई लोग ई पद के हमरा सामने ई सबूत के रूप में रखले बाड़े कि परमेश्वर लोगन के साथ बुरा करेलन। ऊ कहेलन, “आखिरकार, परमेश्वर त पितरन के पाप बेटा पर डाल देलें।” लेकिन हमनी के हमेशा ई याद रखे के चाहीं कि पवित्रशास्त्र के ओकर संदर्भ में पढ़ल जरूरी बा।

परमेश्वर ई शब्द मूसा से ओह समय कहलन जब इस्राएल प्रतिज्ञा कइल देश की ओर जात रहे। परमेश्वर अभी-अभी मूसा के माध्यम से दस आज्ञा के पहिला भाग दिहले रहलन: इस्राएल के किसी दोसरा देवता के ना माने के रहे, आ न कोई मूर्ति बनावे के रहे, आ न उनका दण्डवत करे के रहे। एही के तुरंत बाद परमेश्वर पितरन के पाप के कारण बच्चन के दण्ड मिले के बात कहलन।

इस्राएल के असल में कनान देश में घुसे से पहिले परमेश्वर चेतावनी दिहले रहलन कि अगर ऊ कनानियन के देवता के पूजिहें, त ऊ उनका दुश्मनन के उन पर जीत हासिल करे देबें आ उनका देश से निकाल देबें (व्यवस्थाविवरण 4:25-28)। इस्राएल परमेश्वर के आज्ञा के पालन ना कइलस। ऊ बार-बार आसपास के जातियन के देवता के पूजत रहल, आ जइसन परमेश्वर पहिले चेतावनी दिहले रहलन, वैसने ऊ अपने दुश्मनन से रौंदाइल आ तितर-बितर हो गइले—पहिले अश्शूरियन के द्वारा आ फेर बाबुलियन के द्वारा।

586 ईसा-पूर्व में बाबुलियन इस्राएल के बंदी बना के बाबुल ले गइले, जहाँ ऊ सत्तर बरिस तक रहलें। जे बात परमेश्वर निर्गमन 20:5 में कहलन रहे, ऊ पूरा हो के दिखाई दिहल। इस्राएल के उनके पितरन के पाप—मतलब बार-बार कइल मूर्तिपूजा—के कारण बाबुल ले जाइल गइल। परिणामस्वरूप उनका बच्चा बाबुल में पैदा भइल आ सत्तर बरिस तक दासत्व में जीए के पड़ल—तीसरी आ चौथी पीढ़ी तक, यानी पोता आ परपोता के समय तक।

निर्गमन 20:5 में परमेश्वर के कथन ई घोषणा ना रहे कि ऊ लोगन के उनके पाप के कारण उनकी संतान के चौथी पीढ़ी तक दण्ड दे के सज़ा देवे के योजना बनावत रहलन। बल्कि ई इस्राएल खातिर चेतावनी रहे कि अगर ऊ प्रतिज्ञा कइल देश में मूर्तियन के पूजिहें, त उनका ओकर परिणाम भोगे के पड़ी।

यशायाह 45:7 में परमेश्वर कहेलन:

"उजियाला के रचयिता मैं हईं, आ अंधकार के सृजन करे वाला भी; मैं शांति करत हईं आ विपत्ति उत्पन्न करत हईं; मैं यहोवा ई सब काम करत हईं।"

बहुत लोग ई पद पढ़ के सोचेला, "देख! परमेश्वर त लोगन के साथ बुराई भी करेला। आखिरकार ऊ सर्वाधिकार सम्पन्न हउवें आ वही सबसे अच्छा जानेलन।" एक बेर फेर, ई समझे खातिर कि ए पद में परमेश्वर का कह रहल बाड़ें, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि जानल बहुत जरूरी बा।

539 ईसा-पूर्व में महान राजा कुस्रू (साइरस) के राज में फारस बाबुली साम्राज्य पर जीत हासिल कइलस। अगिला बरिस राजा कुस्रू उन इब्रानी लोगन के, जे सत्तर बरिस से बाबुल में बंदी रहलें, अपना देश लौटे के अनुमति दे दिहलन। कुस्रू के सत्ता में आना आ इस्राएल के कनान लौटे देवे के ओकर फैसला, यशायाह की पुस्तक में लिखल भविष्यवाणी के पूर्ति रहे।

भविष्यवक्ता यशायाह के द्वारा, कुस्रू के जनम से लगभग डेढ़ सौ बरिस पहिले ही परमेश्वर ओकर नाम ले के जिक्र कइले रहलन आ ओकरा के ऊ साधन बतवले रहलन, जेकरा से ऊ अपने लोगन के फेर प्रतिज्ञा कइल देश में लौटइहें (यशायाह 44:28–45:4)।

ए भविष्यवाणी के बाद एक लंबा अंश आवेला, जहाँ परमेश्वर साफ-साफ घोषणा करेलन कि उनका सिवा कोई परमेश्वर ना ह। राजा कुस्रू से बात करत परमेश्वर कहेलन:

“मैं यहोवा हईं, आ मेरे सिवा कोई दूसरा ना ह; कोई आउर परमेश्वर ना। चाहे तू हमके ना जानत बाड़ू, फिर भी हम तोहके सामर्थ्य से तैयार कइनी ताकि सूरज उगला से लेके अस्त होखे तक सारी धरती जान ले कि मेरे सिवा कोई परमेश्वर ना ह। मैं यहोवा हईं, आ कोई दूसरा ना” (यशायाह 45:5-6)।

एह के बाद पद 7 में ई कथन आवेला:

“मैं उजियाला रचत हईं, आ अंधकार उत्पन्न करत हईं; मैं शांति करत हईं, आ विपत्ति उत्पन्न करत हईं; मैं यहोवा ई सब काम करत हईं।”

एहिजा भी परमेश्वर राजा कुस्रू से ही बात करत बाड़ें। कुस्रू आ फारसी लोग मानत रहे कि एक भलाई के देवता बा आ एक बुराई के देवता बा। उनका हिसाब से भलाई के देवता उजाला के देवता रहे आ बुराई के देवता अंधकार के। पद 7 के अपने कथन से परमेश्वर साफ बतावत बाड़ें:

“प्रकाश आ अंधकार के, भलाई आ बुराई के अलग-अलग कोई देवता ना ह। आखिर हर बात पर अधिकार मेरा ही बा—प्रकाश पर भी, अंधकार पर भी, भलाई पर भी, बुराई पर भी, आ तोहरे पर भी—काहेकि मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हईं। मेरे सिवा कोई आउर देवता ना ह।”

ई सच्चाई कि परमेश्वर आखिर हर बात पर अधिकार रखेलन, एह के मतलब ई ना कि ऊ हर घटना खुद करेलन या हर बात के मंजूरी देलन। एह के मतलब बस ई बा कि कुछो उनकरा के चकित ना करेला, आ एइसन कुछो ना होखेला जवन ऊ अपने उद्देश्य पूरा करे खातिर इस्तेमाल ना कर सकेलें।

ए अंश में परमेश्वर ई ना कहत बाड़ें कि ऊ लोगन के साथ बुरा करेलन। ऊ कुसू आ फारसियन के सामने अपनी सर्वशक्तिमानता के घोषणा करत बाड़ें, ताकि ऊ लोग अपने झूठे देवतन से फिरे आ उनहीं के एकमात्र सच्चा परमेश्वर माने।

एही अध्याय में कुछ पद बाद परमेश्वर कहेलन:

“मेरे सिवा कोई आउर परमेश्वर ना ह—धर्मी आ उद्धार करे वाला परमेश्वर; मेरे सिवा कोई ना। हे धरती के सब छोर के लोग हो, मेरी ओर फिरो आ उद्धार पाओ; काहेकि मैं ही परमेश्वर हईं, आ कोई दूसरा ना” (यशायाह 45:21-22)।

जब हम यशायाह 45:7 के ओकर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में समझीले, तब देखीले कि ई ए बात के घोषणा ना ह कि परमेश्वर किसी रहस्यमय या सार्वभौमिक उद्देश्य से तोहार जीवन में विपत्ति लावे के इरादा रखेलन। बल्कि ई परमेश्वर की भलाई के एक कथन ह, जेकरा द्वारा ऊ कुसू आ फारसियन के अपनी ओर खींचे चाहत बाड़ें—उनका ई दिखावत कि सिर्फ वही परमेश्वर हउवें।

एक भला परमेश्वर आ महामारियाँ

एक आउर सामान्य सवाल जे हमके अक्सर पूछल जाला, ई बा:

“एक भला परमेश्वर मिस्रियन पर महामारियाँ कइसे भेज सकेला?”

मिस्र देश इस्राएल के चार सौ बरिस तक दासत्व में जकड़ के रखले रहे। एह बन्धन के समय के अंत की ओर, मूसा नाम के एक आदमी, परमेश्वर के आज्ञा से, फिरौन के लगे यहोवा के संदेश लेके गइल: "मेरे लोगन के जाने दे, ताकि ऊ मेरी सेवा करें।"

फिरौन मना कर दिहलस, आ ओकर परिणाम स्वरूप मिस्रियन पर एक के बाद एक कई महामारियाँ आईं, जवन परमेश्वर की ओर से बताई गईं। वास्तव में, हर महामारी परमेश्वर की सामर्थ्य के एक प्रदर्शन रहे आ मिस्र के देवतन के खातिर एक खुला चुनौती रहे।

उदाहरण खातिर, मिस्री लोग नील नदी के अपना जीवन के स्रोत मानत रहे। हर साल ऊ नील नदी के प्रसन्न करे खातिर एक लड़का आ एक लड़की के बलि चढ़ावत रहे। जब परमेश्वर नील नदी के पानी के लहू में बदल दिहलन, त ऊ ई प्रकट कइलन कि ऊ नील से बड़ा बाड़ें—वही असली जीवन के स्रोत हउवें; वही नील के बनवले बाड़ें; आ वही नील पर अधिकार रखत बाड़ें।

मिस्र की देवी हेकेत के मेंढक के रूप में दिखावल जाला। मेंढकन की महामारी के द्वारा परमेश्वर मिस्रियन के ई दिखवलन कि मेंढक देवता ना हउवें। ऊ साफ कइलन कि वही—एकमात्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर—मेंढकन पर भी अधिकार रखत बाड़ें।

इन महामारियन के उद्देश्य ई दिखावल रहे कि मिस्रियन की मूर्तियाँ असल में देवता ना हउवें। इनकर उद्देश्य ई प्रकट कइल रहे कि परमेश्वर ही सच्चा परमेश्वर हउवें, वही एकमात्र परमेश्वर हउवें, ताकि मिस्री लोग उन पर विश्वास करे।

ई महामारियाँ लगभग नौ महीना के अवधि में भइल। आखिरी महामारी तक, ई विपत्तियाँ सिर्फ कष्टदायक रहीं, घातक ना रहीं। सामूहिक रूप से, अगर फिरौन इस्राएल के दासत्व से मुक्त कर देत, त मिस्री लोग इन सामर्थ्य-प्रदर्शनों से बच सकेत रहे। आ व्यक्तिगत रूप से, मिस्री लोग इस्राएल के साथ जुड़ के इन विपत्तियन से बच सकेत रहे, काहेकि इस्राएल—एकमात्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर के लोग—इन महामारियन से प्रभावित ना भइल रहे (निर्गमन 8:22-23; 9:4, 26)।

इन सामर्थ्य-प्रदर्शनों के अपेक्षित असर भइल। महामारियन के द्वारा, बहुत मिस्री मान लिहलन कि इब्रानियन के परमेश्वर, यहोवा, ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर हउवें (निर्गमन 8:19; 9:19-21)। पवित्रशास्त्र बतावेला कि जब इस्राएल आखिरकार मिस्र से निकलल, त उनके साथ एक "मिली-जुली भीड़" भी गइल (निर्गमन 12:38)। ओह भीड़ में मिस्री लोग भी रहे, जे परमेश्वर पर विश्वास करे लागल रहे।

अब आखिरी महामारी के बारे में का कहल जाए—मिस्रियन के पहिलौठन की मृत्यु, जवन मनुष्य आ पशु दुनों में भइल? निर्गमन 12:12 कहेला: "काहे कि आज रात हम मिस्र देश के बीच से गुजरब, आ मिस्र देश के सब पहिलौठा के — चाहे मनई होखे चाहे जानवर — मार डालीं; आ मिस्र के सब देवता लोग पर दण्ड देब; हम यहोवा हईं।"

एक भला परमेश्वर एइसन कइसे कर सकेला?

इन बातन पर विचार करीं: जवन रात ऊ मृत्यु-दण्ड के घटना निश्चित रहे, ओही रात परमेश्वर अपने लोगन से कहलन कि ऊ एक मेमना के लहू अपने घर के द्वार के चौखट पर लगाईं, आ ऊ सुरक्षित रहीहें। "क्योंकि यहोवा मिस्रियन के मार करे खातिर जाई; आ जब ऊ चौखट आ दुनो बाजू पर लहू देखी, तब यहोवा ओह द्वार के छोड़ दी, आ नाश करे वाला के तोहरे घर में घुस के मार करे न दी" (निर्गमन 12:23)।

परमेश्वर मिस्रियन के ना मारलन। हम ई कइसे जानत बानी?

पहिला, एइसन काम यीशु मसीह के द्वारा हमके मिलल परमेश्वर के प्रकटीकरण के बिल्कुल विरोध में होईत। यीशु के जीवन आ शिक्षा में हम परमेश्वर के स्वभाव साफ देखीले—एक एइसन परमेश्वर जे जीवन देला, उद्धार करेला आ नाश ना करेला।

दूसरा, खुद निर्गमन 12:23 साफ बतावेला कि ई विनाश "नाश करे वाला" के द्वारा भइल। यीशु शैतान के ओह व्यक्ति के रूप में पहचान कइलन जे मारेला आ नाश करेला। नया नियम बतावेला कि मृत्यु पर अधिकार शैतान के पास बा—"जेकरे पास मृत्यु के अधिकार रहे, अर्थात् शैतान" (इब्रानियों 2:14)।

ए तरह पवित्रशास्त्र साफ करेला कि ओह रात जे मृत्यु भइल, ऊ परमेश्वर के सीधा काम ना रहे, बल्कि नाश करे वाला के द्वारा भइल, जेकरे से परमेश्वर अपने लोगन के मेमना के लहू के द्वारा सुरक्षित रखलन।

एसे पहिले, परमेश्वर फिरौन से कहलन रहे कि अपनी सार्वभौमिक करुणा आ भलाई के कारण ही फिरौन आ मिस्री लोग पहिले के समय में नाश करे वाला से नष्ट ना भइल रहे। "अब तक त मैं अपना हाथ बढ़ा के तोहके आ तोहरे लोगन के महामारी से मार डालत, आ तू पृथ्वी से मिट जात। लेकिन मैं तोहके एही खातिर जीवित रखनी कि तोहरे में अपनी सामर्थ्य दिखाईं, आ मेरा नाम सारी पृथ्वी पर प्रसिद्ध हो" (निर्गमन 9:15-16)।

"एह जगह मूल इब्रानी भाषा में 'मैंने तुझे जीवित रहने दिया' के अर्थ ई बा — 'हम तोहके खड़ा रहने दिहनी' या 'हम तोहके बने रहने दिहनी।'"

ए बिन्दु तक परमेश्वर मिस्रियन के पहिले के विपत्तियन से नाश होखे से बचवले रहलन, ताकि ऊ बार-बार ई दिखा सकें कि वही—यहोवा—एकमात्र सच्चा परमेश्वर हउवें। फिर भी, अपनी सामर्थ्य के इन सब प्रदर्शनों के दौरान, मिस्र बार-बार परमेश्वर की भलाई आ करुणा के ठुकरावत रहल।

आखिर में, ओह रात परमेश्वर मिस्रियन के ई अनुमति दिहलन कि ऊ अपने इनकार के फल भोगें, आ नाश करे वाला उनका सब पहिलौठन के नाश कइलस।

जब मूसा पहली बार फिरौन से बात कइलन, ओही समय ऊ चेतावनी दे दिहलन कि अगर इस्राएल के आज़ाद ना कइल गइल, त मिस्र के पहिलौठा पुत्र मरिहें (निर्गमन 4:22-23)।

अगिला नौ महीना में मूसा के हर बात पूरा हो के सामने आ गइल। फिरौन के लगे शुरू के चेतावनी पर ध्यान देवे खातिर पूरा समय रहे—यहाँ तक कि आखिरी महामारी से ठीक पहिले मूसा एक अंतिम चेतावनी लेके फिर से गइल (निर्गमन 11:4-7)। ओह रात किसी के भी मरे के जरूरत ना रहे।

परमेश्वर के उद्देश्य सदा उद्धारकारी बाड़ें।

परमेश्वर के उद्देश्य हमेशा उद्धारकारी होखेला। एह बात के मतलब ई ह कि उनकर लक्ष्य जेतना हो सके उतना अधिक लोगन के बचावल ह, ना कि अधिक से अधिक लोगन के नाश करना।

आइए नूह आ जलप्रलय के संदर्भ में परमेश्वर के उद्धारकारी स्वभाव के देखीं। नूह के समय धरती पर बहुत भारी दुष्टता फैल चुकल रहे। बाइबल बतावेला कि ओह समय खाली नूह ही एइसन आदमी रहे जे यहोवा की सेवा करत रहे। एह के जवाब में परमेश्वर धरती की पूरी जनसंख्या के नष्ट करे के निर्णय कइलन। सवाल स्वाभाविक बा—एक भला परमेश्वर एइसन कइसे कर सकेला?

ए सवाल के जवाब खातिर हमके अदन की वाटिका में घटल एक घटना की ओर लौटे के पड़ी, जे आदम आ हव्वा के पाप करे के कुछ समय बाद भइल रहे। ओह समय परमेश्वर उनकरा से ई प्रतिज्ञा कइलन कि ऊ उनका पाप से भइल नुकसान के ठीक करे खातिर यीशु के भेजिहें। परमेश्वर सर्प (शैतान) से कहलन: "आ मैं तोहरे आ स्त्री के बीच, आ तोहरे वंश आ ओकर वंश (यीशु) के बीच बैर पैदा करब; ऊ तोहरे सिर के कुचल दी, आ तू ओकर एड़ी के डँसिह" (उत्पत्ति 3:15)।

ई बाइबल में प्रभु यीशु मसीह आ उनके क्रूस पर मरण के पहिला संकेत ह। ध्यान दीं कि परमेश्वर ओह स्त्री के जिक्र कइलन, जेकरा द्वारा ऊ वंश आवे वाला रहे (मरियम)। परमेश्वर पहिले से ऊ पारिवारिक वंश तय कर चुकल रहलन, जेकरा द्वारा आखिरकार मानवजाति के उद्धारकर्ता जन्म लेवे वाला रहे। लूका 3:38 बतावेला कि ऊ धर्मी वंश, जेकरा द्वारा यीशु आवे वाला रहलन, आदम आ हव्वा के तीसरा बेटा शेत के द्वारा आगे बढ़े वाला रहे।

नूह के समय तक शेत के वंशज पाप के कारण मिटे के कगार पर पहुँच चुकल रहे। ऊ कैन के वंशज के साथ विवाह करत रहलन आ उनके द्वारा भ्रष्ट हो रहल रहलन। (कैन आदम के पहिलौठा बेटा रहे, जे अपने भाई हाबिल—आदम के दूसरा बेटा—के हत्या कइले रहे।) खाली नूह, जे शेत के वंशज रहे, आ उनका परिवार ही परमेश्वर की सेवा करत रहल।

अगर शेत की पूरी वंश-रेखा पाप आ भ्रष्टता से नष्ट हो जात, त परमेश्वर की ऊ प्रतिज्ञा—कि एक वंश (यीशु मसीह) आई जे सर्प के सिर कुचल दी—पूरी ना हो पात। एह खातिर परमेश्वर के जरूरी रहे कि ऊ धर्मी वंश के सुरक्षित रखस, जेकरा द्वारा उद्धारकर्ता आवे वाला रहे। एह के मतलब रहे कि धरती से ऊ भ्रष्टता हटावे के पड़ी, जे आखिरकार नूह—शेत के वंश-रेखा में बचल एकमात्र धर्मी आदमी—के भी प्रभावित कर सकेत रहे।

बहुत लोग जब जलप्रलय की कहानी पढ़ेला, त उनका मन में एक क्रोधित आ अस्थिर परमेश्वर की छवि बन जाला, जे झुँझलाहट में आके मानवजाति के मिटा देवे के फैसला कर लिहलन। लेकिन सच्चाई ई ह कि परमेश्वर के एह हालत पर दुख भइल। ऊ मनुष्य के ए दयनीय दशा खातिर ना बनवले रहलन। "जब यहोवा देखलन कि मनुष्यन की दुष्टता धरती पर बहुत बढ़ गइल बा, आ उनके हृदय के विचार सदा बुराई ही ओर झुकल रहेला, तब यहोवा के दुख भइल कि ऊ मनुष्य के धरती पर बनवले रहलन, आ उनके हृदय में पीड़ा पहुँचल" (उत्पत्ति 6:5-6)।

जब हम जलप्रलय के विवरण ध्यान से देखीले, त परमेश्वर के महान धैर्य दिखाई देला। ऊ पूरी धरती की जनसंख्या के अपने पास लौटे खातिर 120 बरिस दिहलन। "मेरा आत्मा मनुष्य से सदा विवाद ना करिहे, काहेकि ऊ देह ही ह; मैं ओकरा 120 बरिस के समय देब" (उत्पत्ति 6:3)।

ओह समय के दौरान परमेश्वर लोगन के पश्चाताप की ओर खींचे खातिर भविष्यद्वक्ता भेजलन, जे उनसे विनती करत आ चेतावनी देत रहलन कि पाप से फिर के उनका पास लौट आवस। एक भविष्यद्वक्ता हनोक एही समय प्रभु के पृथ्वी पर आवे आ पाप से निपटे के बारे में प्रचार कइलन (यहूदा 14)। हनोक अपना बेटा के नाम मथूशेलह रखलन, जेकर अर्थ

ह—"उसके बाद जलप्रलय"—आ ई आने वाली विपत्ति के चेतावनी रहे अगर लोग पश्चाताप ना करे।

मथूशेलह 969 बरिस तक जीवित रहल—बाइबल में सबसे लंबा जीवन—जे ई दिखावेला कि परमेश्वर लोगन के भरपूर मौका देवे के चाहत रहलन कि ऊ दुष्टता से फिर के उनका पास आ जास।

लोग नूह के 120 बरिस तक जहाज़ बनावत देखलन, आ पूरा समय नूह उनका परमेश्वर के साथ सही संबंध में आवे के प्रचार करत रहल (2 पतरस 2:5)। नूह के जीवनकाल में एइसन लोग भी जीवित रहल जे सचमुच आदम आ हव्वा के जानत रहल। नूह के दादा मथूशेलह आदम के जीवन के आखिरी 243 बरिस तक जीवित रहलन। नूह के पिता लेमेक आदम के आखिरी 50 बरिस तक जीवित रहलन। आदम के पौत्र एनोश तब मरे जब नूह 98 बरिस के रहल।

इन सब लोग आदम से खुद परमेश्वर आ अदन की वाटिका के बारे में सुनले होइहें। एह के मतलब ई ह कि जलप्रलय से पहिले के लोगन के पास आदम आ हव्वा—ओह दू मनुष्य के जीवित गवाही रहे—जे खुद परमेश्वर के साथ संगति में रहलन।

जलप्रलय के ध्यान से अध्ययन बतावेला कि परमेश्वर के उद्देश्य उद्धारकारी रहे। परमेश्वर जेतना संभव रहे उतना अधिक लोगन के बचावे के कोशिश कइलन।

राहाब के उद्धार

अब परमेश्वर के उद्धारकारी उद्देश्य के एक आउर अद्भुत उदाहरण देखीं—ए बार यरीहो नगर के विनाश के बीच। यरीहो पहिला नगर रहे जहाँ इस्राएली प्रतिज्ञा कइल देश में घुसे के बाद पहुँचलन। आक्रमण से पहिले इब्रानियन के नया अगुवा यहोशू देश की हालत जाने खातिर दू भेदी भेजलन। किसी राजा के खबर दे दिहलस कि ऊ आदमी नगर में घुसल बाड़ें।

परमेश्वर एक मूर्तिपूजा करे वाली वेश्या राहाब के इस्तेमाल कइलन ताकि ऊ भेदियन के छिपा सके आ सुरक्षित निकाल सके।

जब भेदियन राहाब से बात कइलन, ऊ बतवलस कि ऊ मदद करे खातिर काहे तैयार बाड़ी। ऊ कहली: "हम जानत बानी कि यहोवा ई देश तोहरा लोग के दे दिहलन बा, आ तोहार डर हम पर छा गइल बा... काहेकि यहोवा तोहार परमेश्वर स्वर्ग में ऊपर आ धरती पर नीचे परमेश्वर हउवें" (यहोशू 2:9-11)।

राहाब ई बात तब कहत बाड़ी जब परमेश्वर इस्राएल के मिस्र से छुड़वले 40 बरिस बीत चुकल रहे। एतना समय बाद भी लोग परमेश्वर के काम के चर्चा करत रहल। मिस्र में परमेश्वर के सामर्थ्य-प्रदर्शन अपना उद्देश्य पूरा कइल—दुनिया के दिखा दिहल कि वही एकमात्र परमेश्वर हउवें।

राहाब दया माँगली। भेदियन ऊके बचावे के वादा कइलन आ एक लाल डोरी दिहलन जे खिड़की में बाँधे के रहे। वादा के मुताबिक इस्राएल राहाब आ ओकर परिवार के बचा लिहलन (यहोशू 2:18-21; 6:22-23)।

सवाल उठ सकेला: "खाली राहाब ही काहे बचल? बाकी लोग?" सोचीं—इस्राएली सात दिन तक नगर के चक्कर लगावत रहलन। कोई भी बाहर निकल के दया माँग सकेत रहे। अंदर से भी पुकार सकेत रहे। परमेश्वर हमेशा ऊ लोग के स्वीकार करेलन जे सच्चा पश्चाताप आ विश्वास से आवेला।

एक अंतिम विचार

जइसन हम शुरुआत में कहनी, ई छोट किताब में हर उलझन भरी घटना के विस्तार से समझावल संभव ना ह। लेकिन कुछ जरूरी सिद्धांत देखनी:

• संदर्भ आ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बहुत जरूरी बा।

• "'परमेश्वर ने कइल' अक्सर ई मतलब देला — 'परमेश्वर अनुमति दिहलन।'"

• पुराने नियम में परमेश्वर के एक बड़ा उद्देश्य रहे—दुनिया के दिखावल कि वही एकमात्र परमेश्वर हउवें।

अगर पुराने नियम में कुछ परेशान करे, त यीशु से प्रकट परमेश्वर की भलाई पर शक मत करीं। बेहतर बा मान लीं कि अभी समझ अधूरा बा। पवित्र आत्मा से प्रार्थना करीं कि ऊ पूरा बाइबल के रोशनी में समझ देस।

परमेश्वर के उद्देश्य हमेशा उद्धारकारी हउवें। पुराना आ नया नियम एके परमेश्वर के प्रकट करेला—कोई विरोधाभास ना ह। बात सिर्फ सही तरह पढ़े आ समझे के ह।

परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला... पुराना नियम में भी, नया नियम में भी।

हाँ, लेकिन अय्यूब के बारे में क्या?

“ई एक अउर आम सवाल ह, जे लोग हमसे तब पूछेला जब ऊ सुनत हउवें कि परमेश्वर अपने बच्चन के हानि ना पहुँचावेलें। लोग जानल चाहेला:”

“अगर परमेश्वर भला बाड़ें, आ भला के मतलब सचमुच भला ही ह, त अय्यूब के साथ जवन कुछ भइल, ओकर समझ कैसे कइल जाए?”

फिर लोग ई भी कहे ला:

“हो सके ला कि परमेश्वर खुद अय्यूब के ना छुअले होखस, बाकिर ई त साफ देखाई देला कि ऊ शैतान के अय्यूब पर हमला करे के इजाजत दे दिहलें। बाकिर अय्यूब के किताब ई भी त नइखे कहत कि परमेश्वर सीधे चाहे परोक्ष रूप से अय्यूब के दुख दिहलें, काहेकि ई त ओह तरीका के बिलकुल उलट बा, जइसन तरीका से यीशु धरती पर रहत घरी लोगन से व्यवहार कइले रहलें। त ई देखाई देत विरोधाभास के हल हम कइसे निकालें?”

काहेकि अय्यूब के किताब पुरान नियम में बा, एह से पिछला अध्याय में बतावल कुछ सिद्धांतन के इहवाँ इस्तेमाल करे के पड़ी। हमनी के अय्यूब के नए नियम के उजाला में पढ़े के पड़ी, आ ई भी देखे के पड़ी कि यीशु हमनी के परमेश्वर के बारे में का दिखावेलन। एकरे साथे ई भी सोचे के पड़ी कि अय्यूब के किताब के लेखक कौन रहलें, ऊ एकरा काहे लिखलें, आ ई किताब किन लोगन खातिर लिखल गइल रहल।

अगर हमनी ई सिद्धांतन के सही ढंग से लागू करीं, त साफ देखाई दी कि अय्यूब के किताब ई बात के खंडन ना करे कि परमेश्वर भला बाड़ें आ भला के मतलब सचमुच भला ही ह। सच पूछीं त, ई किताब खुद परमेश्वर के भलाई के बहुत साफ ढंग से प्रकट करे ली।

आइए, जरा संक्षेप में अय्यूब के कहानी पर नजर डालल जाव।

किताब के शुरुआत में अय्यूब के पहचान एगो सिद्ध, सच्चा आ खरापन रखे वाला आदमी के रूप में करावल गइल बा, जवन परमेश्वर से डरे ला आ बुराई से दूर रहे ला। ओकर एगो बड़ा परिवार रहे आ ओकरा लगे बहुत धन-दौलत रहे। अय्यूब आ ओकर लइकन के छोट परिचय देवे के बाद, बाइबल परमेश्वर आ शैतान के बीच अय्यूब के बारे में भइल दू गो बातचीत दर्ज करे ली।

ओह बातचीतन के बाद, शैतान अय्यूब के संपत्ति नाश कर दिहलस, ओकर लइकन के मार डाललस, आ ओकरा एगो बहुत भयानक चमड़ी के बीमारी से ग्रसित कर दिहलस। लेखन बतावे ला कि शैतान के मकसद ई साबित करे के रहे कि अय्यूब खाली एहसे परमेश्वर के सेवा करे ला काहेकि ओकर जिनगी में सब कुछ ठीक बा, आ अगर ई सब छीने लीहल जाई, त ऊ परमेश्वर के छोड़ दी।

अय्यूब के तीन गो दोस्त ओकरा ढाढ़स देवे खातिर आइलें। किताब के ज्यादातर हिस्सा अय्यूब आ ओकर दोस्तन के बीच भइल बातचीत से भरल बा, जहाँ ऊ लोग ई समझे के कोशिश करे ला कि अय्यूब पर एतना भारी विपत्ति काहे आइल। ओकर दोस्तन के मानना रहे कि अय्यूब जरूर कोई बहुत बड़ा पाप कइले होई, तभिए ओकरा पर अइसन दुख आइल बा। बाकिर अय्यूब मजबूती से कहत रहल कि ऊ अइसन कुछ भी ना कइले बा, जवना से ऊ एह त्रासदी के लायक बनो।

आखिर में एलीहू नाम के एगो आदमी सामने आवेला आ परमेश्वर के न्याय आ ओकर दया के बारे में बात करे ला। ओकर बाद खुद परमेश्वर आँधी में से अय्यूब से बोले लें आ अय्यूब आ ओकर दोस्तन के डाँटे लें।

अंत में, अय्यूब ओह बातन खातिर पश्चाताप करे ला, जवन ऊ बिना समझे बोल दिहलस। ऊ आपन दोस्तन खातिर प्रार्थना करे ला, आ परमेश्वर ओकरा सब कुछ वापस दे देलें—बल्कि ओहसे भी दुगुना—जवन कुछ ओकर दुख शुरू होखे से पहिले ओकर लगे रहे।

अय्यूब के किताब के उद्देश्य

बहुत लोग अय्यूब के किताब के असली उद्देश्य सही से ना समझे, आ एह चलते अय्यूब के कहानी के गलत मतलब निकाल ले। आम तौर पर लोग ई माने ला कि ई किताब एह खातिर लिखल गइल कि ई समझावल जा सके कि जिनगी में बेगुनाह लोग के एतना दुख काहे सहन करे के पड़े ला। लोग नतीजा निकाले ला कि पर्दा के पीछे परमेश्वर आ शैतान दुनो काम करत बाड़ें—कभी-कभी परमेश्वर आपन कुछ खास उद्देश्यों खातिर शैतान के इंसानन के दुख देवे के इजाजत दे देलें, आ हमनी के बस ओकर बुद्धि पर भरोसा करे के चाहीं।

बाकिर अय्यूब के किताब इंसान के दुख के कारण समझावे खातिर लिखल गइल ही ना रहल।

अय्यूब आ ओकर तीनों दोस्त बार-बार अंदाजा लगावत रहलें कि अय्यूब के एतना दुख काहे सहन करे के पड़ल। खुद अय्यूब "काहे?" वाला सवाल कम से कम बीस बेर पूछलस। ओह सभे लोग के नतीजा गलत रहे, आ सभे के परमेश्वर डाँटलें। ई किताब अय्यूब के जिनगी में संकट काहे आइल, ई समझावे के कोशिश ना करे—सिवाय एह साधारण जानकारी के कि ओकर दुख के स्रोत शैतान रहल।

त फिर अय्यूब के किताब के असली उद्देश्य का बा?

एह सवाल के जवाब खातिर ई समझल जरूरी बा कि अय्यूब के कहानी ओह लोगन खातिर का मतलब रखे ली, जवन लोग एह किताब के सबसे पहिले सुनले रहल। याद रखीं, बाइबल में जवन कुछ लिखल बा, ऊ किसी के द्वारा, किसी खातिर, किसी विषय पर लिखल गइल बा। अय्यूब के किताब के आज हमनी खातिर अइसन कोई मतलब हो ही ना सके, जवन ओह लोगन खातिर बेकार रहल हो, जवन एकरा सबसे पहिले सुनले रहल।

ज्यादातर बाइबल विद्वान माने लें कि अय्यूब बाइबल के सबसे पहिली लिखल किताब ह। ई किताब मूसा ओह चालीस सालन में लिखलें, जब ऊ मिद्यान के जंगल में रहत रहलें—ओही समय जब ऊ मिस्र से भाग गइल रहलें, इस्राएल के मिस्र से निकाले से पहिले एगो मिस्री के मार देवे के बाद। मिद्यान, ऊज़ देश के पास रहे, जहाँ अय्यूब रहत रहल।

हालाँकि अय्यूब के कहानी के घटना मूसा के जिनगी से बहुत पहिले भइल रहल (संभव बा कि अब्राहम के समय में), फिरो मूसा अय्यूब के कहानी सुनले रहलें आ पवित्र आत्मा के प्रेरणा से एकरा लिखित रूप देलें। जब मूसा अय्यूब के किताब लिखलें, ओह समय इस्राएली मिस्र में गुलामी में रहलें—चार सौ साल से जादे समय से—आ ओह लोगन के निकलला के कोई राह नजर ना आवत रहे।

मूसा अय्यूब के कहानी इस्राएल के आशा देवे खातिर लिखलें, ताकि ऊ लोग के हिम्मत मिले कि परमेश्वर ओह लोगन के छुड़ावेलन, जवन दर्दनाक गुलामी में दबाइल बाड़ें।

ई समझ नए नियम से पूरा मेल खाले।

रोमियों 15:4 बतावे ला कि पुरान नियम आंशिक रूप से एह खातिर लिखल गइल कि ऊ लोगन के आशा दे—यानी आगे आवे वाला भलाई के उम्मीद।

“काहेकि जवन बात पहिले लिखल गइल रहल, ऊ हमनी के शिक्षा खातिर लिखल गइल, ताकि धीरज आ पवित्रशास्त्र से मिले वाला ढाढ़स के द्वारा हमनी आशा रखीं।”

याकूब 5:11—नए नियम में अय्यूब के सीधे जिक्र वाला इकलौता पद—अय्यूब के धीरज के तारीफ करे ला आ हमनी के ध्यान ओकर कहानी के अंत पर ले जाला:

“तुम अय्यूब के धीरज के बारे में सुन चुकल बाड़, आ ई भी देख चुकल बाड़ कि आखिर में प्रभु ओकर साथ का कइले; एहसे ई साफ हो जाला कि प्रभु बहुत करुणामय आ दया से भरपूर बाड़ें।”

हम अय्यूब के किताब पढ़ के पूछतानी, “ई सब काहे भइल?”

बाकिर पवित्र आत्मा, याकूब के द्वारा, एह बात पर जोर देत बाड़ें कि अय्यूब के कहानी के नतीजा का भइल।

“आ यहोवा अय्यूब के हालत बदल दिहलें, जब ऊ आपन दोस्तन खातिर प्रार्थना कइलस; आ यहोवा अय्यूब के पहिले से दुगुना दे दिहलें” (अय्यूब 42:10)।

अय्यूब के किताब में हम देखतानी कि परमेश्वर एगो अइसन आदमी के बंधन से छुड़ावेलन, जवन बहुत भारी हालात में भी ओकरा पर भरोसा बनवले रखलस। परमेश्वर के ओर से आपन लोगन खातिर लिखल गइल सबसे पहिली प्रकटता के उद्देश्य ई रहल कि ऊ लोगन के आशा दे, ई दिखावत कि परमेश्वर कइसे आपन भलाई आ करुणा के द्वारा विश्वासयोग्य अय्यूब के बचावेलन आ छुड़ावेलन।

अय्यूब के किताब इस्राएल के ई भी दिखावे खातिर लिखल गइल कि धरती पर एगो विरोधी, एगो दुश्मन काम करत बा, जवन परमेश्वर के चुनौती देला आ इंसानन के परमेश्वर के खिलाफ बगावत में फँसावे के कोशिश करे ला।

पुरान नियम में “शैतान” शब्द कुल 19 बेर आवेला। एह में से 14 बेर खाली अय्यूब के किताब में ही बा। एह पर भी ध्यान देवे लायक बा कि अय्यूब के किताब में परमेश्वर के “सर्वशक्तिमान” या “शद्दै” 31 बेर कहल गइल बा—जवन पुरान नियम के बाकी सभे किताबन से जादे बा।

“शद्दै” के मतलब ह—बलवान, आ ई परमेश्वर के सामर्थ्य आ सार्वभौमिक अधिकार पर जोर देला।

कुछ लोग गलती से ई नतीजा निकाल लेला कि अय्यूब के हालात ई साबित करे लें कि काहेकि परमेश्वर सर्वशक्तिमान बाड़ें, एह से ऊ कभी-कभी खास मकसद खातिर शैतान के इस्तेमाल करके लोगन के दुख देलें। बाकिर ई समझ गलत बा, काहेकि जवन लोग अय्यूब के किताब सबसे पहिले सुनले रहल, ऊ एह संदेश के अइसन ना समझले रहल।

आइए, ओह संदर्भ पर ध्यान दीं, जवन समय इस्राएल अय्यूब के किताब पहली बेर पवलस। अय्यूब के किताब लिखल जाए तक, परमेश्वर के प्रकटताएँ ओकर लोगन के सीधे आवाज आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलत आइल मौखिक परंपरा के जरिए मिलत रहल।

जब परमेश्वर पहली बेर अब्राहम के कनान देश में जाए खातिर बोलवलें, तब ऊ सीधे अब्राहम से बात कइलें आ ओह देश के ओकरा आ ओकर वंश के देवे के प्रतिज्ञा कइलें। परमेश्वर अब्राहम से कहलें:

“ई निश्चय जान रख कि तोहार वंशज परदेस में परदेसी बनके रहिहें, आ ओह लोगन के दास बनावल जाई, आ ऊ लोग चार सौ साल तक दुख उठाइहें। बाकिर जवन जाति के ऊ लोग दास बनिहें, ओकरा पर हम न्याय करीं, आ ओकर बाद ऊ लोग बहुत धन-दौलत लेके निकलिहें।”

अब्राहम ई बात आपन संतानन के बतवलें। बहुत साल बाद, जब अब्राहम के पोता याकूब आपन परिवार लेके मिस्र में रहे गइल, त परमेश्वर याकूब से कहलें कि ऊ ओकरा फिर से कनान देश में वापस ले आइहें। याकूब ई संदेश आपन बेटा यूसुफ के देलें, आ यूसुफ आपन बेटन के कहलें कि जब ऊ लोग कनान लउटे, त ओकर हड्डी भी साथे ले जाए।

बाकिर यूसुफ के मरला के बाद, मिस्र इस्राएल के गुलाम बना लिहलस। जइसे-जइसे गुलामी के साल बढ़त गइल, इब्रानी लोग जरूर सोचत होइहन कि ऊ लोग गुलामी में कइसे फँस गइनी, आ का ऊ लोग कभी ओह देश में आजाद होके लौट पइहें, जवना के वादा परमेश्वर अब्राहम से कइले रहलें। अय्यूब के कहानी ई बात खोल के बतावत रहे कि एगो विरोधी बा, जवन सच में इंसानन के बंधन में ले जाला। इस्राएल के मामला में, मूर्ति पूजा करे वाला, शैतान से प्रेरित गैर-यहूदी लोग—जवन जलन आ डर से चलत रहे—उहें गुलाम बनवले रहे।

बाकिर अय्यूब के कहानी ऊ लोगन के ई भी ढाढ़स देत रहे कि परमेश्वर लगे ओकरा लोगन के छुड़ावे के एगो योजना बा, ठीक ओही तरह जइसे ऊ अय्यूब के छुड़वलें।

परमेश्वर के सामर्थ्य आ शैतान के काम के बारे में जे प्रकाशन मिलेला, ओकर उद्देश्य ई ना रहल कि इस्राएल से कहल जाव कि परमेश्वर कबो-कबो अइसन कारण से—जवन खाली उहाँ

के ही मालूम बा—आपन लोगन के दुःख देवे खातिर शैतान के इस्तेमाल करेला। बल्कि एकर असली उद्देश्य ई रहल कि इस्राएल के पूरा भरोसा दिलावल जाव:

"शैतान अइसन कुछो ना कर सकेला जवन हमरा अचंभा में डाल दे, आ ना ही अइसन कुछ कर सकेला जवन हमरा नियंत्रण से बाहर हो। शैतान के कामन के चलते तोहनी के जिनगी में जवन कुछो आई, ओकर बावजूद हम तोहनी के ओह दासत्व से छुड़ाइब, जवना में तोहनी के डालल गइल बा, आ जवन कुछो तोहनी खो देले बाड़, ऊ सब हम तोहनी के वापस देइब।"

अइसने इस्राएल अय्यूब के पुस्तक में दिहल गइल परमेश्वर के संदेश के समझले होइहन।

अय्यूब के पुस्तक परमेश्वर के सार्वभौमिकता एह बात से ना देखावेला कि उहाँ "शैतान के अनुमति देले" कि ऊ अय्यूब के दुःख दे, बल्कि एह बात से देखावेला कि परमेश्वर ओह सगरी बुराई पर जय पा लिहले, जवन अय्यूब के खिलाफ आइल रहल।

शैतान के सबसे बड़ा हथियार—चोरी, विनाश आ मृत्यु (जे सब पाप से शापित धरती पर जिनगी के हिस्सा हवे)—अय्यूब के हालत में परमेश्वर के हाथों पूरा तरह से पलट दिहल गइल।

ईहे ओ दृष्टिकोण हवे, जवना से अय्यूब के कहानी के ओकर मूल पाठक समझले होइहन।

अय्यूब: उद्धार के एगो कहानी

बाइबल अलग-अलग, आपस में असंबंधित पदन के खाली एगो संग्रह ना हवे। ई एक ही विषय वाली किताब हवे—परमेश्वर के एगो परिवार के चाह आ ओह परिवार के यीशु के द्वारा पावे खातिर उहाँ कतना दूर जाए के फैसला कइले। बाइबल के हर बात, अय्यूब के पुस्तक समेत, ओही कहानी के धारा से जुड़ल बा आ ओकरा आगे बढ़ावेला।

अय्यूब के सही मतलब समझे खातिर आ ई जाने खातिर कि ई किताब हमनी के परमेश्वर के बारे में का देखावेला, हमनी के एकरा बाइबल के मुख्य विषय के संदर्भ में देखे के पड़ी।

बाइबल के शुरुआत परमेश्वर द्वारा धरती के रचना से होखेला—आपन परिवार खातिर एगो घर के रूप में। जब परमेश्वर आदम के बनवले, त आदम में उहाँ एगो बेटा आ बेटन के पूरी जाति बना दिहले

(यशायाह 45:18; लूका 3:38; उत्पत्ति 5:1)।

बाकिर जब आदम पाप कइलन, त पूरा मानवजाति आ खुद धरती पाप, मृत्यु आ शैतान के अधीन बंधन में चल गइल।

फिरो परमेश्वर तुरन्त एगो प्रतिज्ञा दिहले—अइसन एगो व्यक्ति (यीशु मसीह) के आवे के, जवन आदम के पाप से भइल नुकसान के ठीक करी आ मनुषियन के बंधन से छुड़ा के उद्धार देई, ताकि परमेश्वर के आपन परिवार दोबारा मिल सके

(उत्पत्ति 3:15)।

ई उद्धार के प्रतिज्ञा मूसा के समय तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी मुँहजबानी चलत रहल, आ बाद में मूसा एकरा लिखित रूप दिहले—जे आगे चल के पुरान नियम के हिस्सा बनल—ओह समय जब इस्राएल चालीस बरिस जंगल में भटक रहल रहे।

पुरान नियम में परमेश्वर बार-बार एगो उद्धारकर्ता के प्रतिज्ञा करेलन, जवन मनुषियन के पाप आ ओकर परिणाम के दासत्व से छुड़ाई।

पुरान नियम के घटनाएँ आ व्यक्ति—दूनो—मसीह के व्यक्तित्व (उद्धारकर्ता) आ मसीह के काम (उद्धार) के छाया पेश करेला।

परमेश्वर द्वारा इस्राएल के मिस्र के दासता से छुड़ा के प्रतिज्ञा कइल देश के आशीष में पहुँचावल, पवित्रशास्त्र में बार-बार "उद्धार" कहल गइल बा, काहेकि ई मसीह में हमनी के उद्धार के चित्र हवे

(निर्गमन 6:6; 15:13; भजन 106:10)।

अय्यूब के पुस्तक बाइबल के उद्धार के विषय से पूरा तरह मेल खाएले, काहेकि ई उद्धार के एगो "छोटी" कहानी हवे—परमेश्वर एगो अइसन आदमी के छुड़वले, जवन शैतान के कामन के अधीन बंधन में चल गइल रहे।

अय्यूब के पुस्तक आवे वाला महान उद्धार के कहानी के भी आगे बढ़ावेली।

ई बाइबल में पहिला जगह हवे, जहँवा "उद्धारकर्ता" शब्द के जिक्र मिलेला:

"मुझे पूरा भरोसा बा कि हमार उद्धारकर्ता जियत बा,

आ आखिरी में ऊ धरती पर खड़ा होई।

आ ई देह नाश हो जाए के बादो,

हम अपना देह में परमेश्वर के देखब।"

(अय्यूब 19:25-26)

पूरी किताब के अधिकतर हिस्सा में अय्यूब ई बात पर अडिग रहल कि ऊ अइसन कुछो ना कइले रहे, जवना से ओकर जिनगी पर एतना भयानक विपत्तियाँ आइल। हालाँकि अय्यूब बार-बार अपने के निर्दोष बतावत रहल, फिरो ऊ ई जानत रहे कि पाप आ ओकर विनाशकारी परिणामन के सामने ऊ खुद पूरा तरह असहाय बा। अय्यूब अइसन किसी के पुकार करेला, जवन ओकर पाप के समस्या के समाधान कर सके। अइसन करत ऊ यीशु आ उहाँ के उद्धार के काम के चित्र पेश करेला।

ई पदन पर ध्यान दीं:

"हे सब मनुषियन के देखने वाले,

मैं तोहार का बिगाड़ले बानी?

तू हमके आपन निशाना काहे बना लिहल ? ...

तू हमार पाप काहे ना माफ कर देताड़,

आ हमार दोष काहे ना उठा लेताड़?"

(अय्यूब 7:20-21)

"पर मनुष्य परमेश्वर के नजर में धर्मी कइसे ठहर सकेला?

काश, हमनी के बीच कोई मध्यस्थ होखे,

जवन हम दुनो पर हाथ रख के हमनी के मिलावे।

बाकिर अइसन कोई ना बा।

अगर कोई मध्यस्थ होखे,

त ऊ परमेश्वर के हमके मार देवे से रोक सके,

आ तब हम ओकर दंड से डरब ना।

तब हम बिना डर के उहाँ से बात कर सकब,

बाकिर आपन सामर्थ्य से हम अइसन ना कर सकत बानी।"

(अय्यूब 9:2, 33-35)

"अबहियो हमार साक्षी स्वर्ग में बा,

आ हमार पक्ष लेने वाला ऊँच जगह पर बा।

हमार मध्यस्थ हमार मित्र हवे,

जब हमार आँख परमेश्वर के सामने आँसू बहावेली;

ऊ मनुष्य के पक्ष में परमेश्वर से बिनती करेला,

जइसे कोई आदमी आपन दोस्त खातिर बिनती करेला।"

(अय्यूब 16:19-21)

अय्यूब ई ना समझ पवलस कि ओकर दुःख के पीछे परमेश्वर ना रहल, बाकिर ऊ ई जरूर पहचान लिहलस कि एगो पवित्र परमेश्वर के सामने ऊ पापी के रूप में पूरा तरह असहाय बा। अय्यूब जानत रहे कि आपन पाप के कारण ओकर परमेश्वर तक सीधा पहुँचे के कोई रास्ता नइखे। मदद के पुकार में, अय्यूब यीशु मसीह के पूर्वाभास देला—जवन परमेश्वर आ मनुष्य के बीच मध्यस्थ हवन। यीशु क्रूस पर गइलन ताकि ऊ पाप के दंड आपन ऊपर ले लें, पाप के दूर करें, आ परमेश्वर आ मनुष्य के दोबारा एक कर दें

(1 तीमुथियुस 2:5; इब्रानियों 9:26; 1 पतरस 3:18)।

आज यीशु स्वर्ग में हमार पक्ष लेने वाला (अधिवक्ता) हवन, आ ऊ सदा जियत बाड़न कि हमनी खातिर बिनती करत रहन

(1 यूहन्ना 2:1; इब्रानियों 7:25)।

पुस्तक के अंत के लगे एलीहू बोलल शुरू करेला। ओह समय तक ऊ चुपचाप सुनत रहल रहे, जब अय्यूब अइसन किसी के पुकार करत रहल जवन ओकर तरफ से परमेश्वर के पास जा सके।

एलीहू अय्यूब से कहेला—हालाँकि मैं भी तोहरे जइसन ही मिट्टी से बनल मनुष्य बानी—

“देख, मैं ही ऊ आदमी बानी जवना के तू चाहत रहल —

अइसन जे तोहरे आ परमेश्वर के बीच खड़ा हो सके,

आ तोहारो प्रतिनिधि बने आ उहाँ के भी।”

(अय्यूब 33:6)

एलीहू आगे कहेला कि जब कोई मनुष्य बीमारी आ पीड़ा में होखे, अगर ओकर पास कोई मध्यस्थ होखे, त ऊ छुड़ावल जा सकेला:

“अगर ओकर पास एगो दूत हो,

हजारन में से एगो मध्यस्थ,

जवन मनुष्य के बतावे कि ओकर खातिर का ठीक बा,

आ ओकरा पर अनुग्रह कर के कहे—

‘इसे गड्ढा में उतरे से बचा लीं;

हमरा एह खातिर छुड़ौती मिल गइल बा,’

त ओकर देह बालक जइसन नया हो जाई;

ऊ आपन जवानी के दिनन जइसन फिर से बहाल हो जाई…

ऊ परमेश्वर के द्वारा आपन धार्मिक स्थिति में लौटावल जाई…

आ गड्ढा में जाए से छुड़ावल जाई।”

(अय्यूब 33:23-26, 28)

एम्प्लीफाइड बाइबल एही बात के अइसन कहेले:

“तब [परमेश्वर] ओकरा पर अनुग्रह करेलन आ कहेलन,

इसे विनाश के गड्ढा में जाए से बचा लो;

हमरा एह खातिर छुड़ौती मिल गइल बा—

एगो उद्धार के दाम, एगो प्रायश्चित!”

(पद 24)

आपन शब्दन के द्वारा, एलीहू भी मसीह—हमार उद्धारकर्ता—के व्यक्तित्व आ काम के पूर्वचित्र पेश करेला।

अय्यूब के पुस्तक एगो अइसन मनुष्य के कहानी सुनावेली, जवना के परमेश्वर विपत्तियन से छुड़वले—आ एह के साथ-साथ ऊ ओह महान उद्धार के चित्र पेश करेली, जवन मसीह के क्रूस के द्वारा पाप से मिले वाला रहे।

अइसन करत, अय्यूब के पुस्तक परमेश्वर के भलाई के पूरा तरह उजागर करेली।

अय्यूब के पास कम प्रकाश (कम प्रकटता) रहल

अय्यूब के साथ जवन कुछ भइल, ओकरा बारे में हमनी के बहुत-सी गलत धारणाएँ खुद अय्यूब के कहे शब्दन से पैदा हो जालीं।

उदाहरण खातिर:

“यहोवा दिहलस, आ यहोवा ले लिहलस; यहोवा के नाम धन्य हो।”

(अय्यूब 1:21)

“का हम परमेश्वर के हाथ से भलाई लीं, आ बुराई ना लीं?”

(अय्यूब 2:10)

एह आ अय्यूब के अउरी कथनन के आधार पर बहुत लोग एह नतीजा पर पहुँच जालें कि परमेश्वर कबो-कबो आपन लोगन के कीमती चीज देला, आ फिर किसी ऊँच उद्देश्य खातिर ओह चीजन के उनसे छीन लेला। हालाँकि अय्यूब के ई कथन सही लागत बाड़ें—काहेकि हमनी एकरा बार-बार सुनले बानी—पर असल में ई कथन सही नइखें।

ई बात समझल बहुत जरूरी बा कि बाइबल में जवन कुछ लिखल बा, ऊ सही ढंग से दर्ज कइल गइल बा, लेकिन बाइबल में लिखल हर कथन सत्य कथन होखे, ई जरूरी नइखे।

उदाहरण खातिर, फरीसियन यीशु के बारे में कहलें कि ऊ पापी बा:

"वे ओह आदमी के, जवन अंधा रहल, फरीसियन लगे ले गइलें। जिस दिन यीशु कीच बनवले आ ओकर आँख खोले, ऊ सब्त के दिन रहल। एहसे फरीसियन ओकरा से पूछलें कि ओकरा कइसे देखाई देवे लगल। ऊ कहले, 'उसने मेरी आँखन पर कीच लगावल, आ मैं धोइनी, तब से देखत बानी।' एह पर कुछ फरीसी कहले, 'ई आदमी परमेश्वर के तरफ से नइखे, काहेकि ई सब्त के पालन नइखे करत।' बाकिर अउरी लोग कहले, 'जवन आदमी पापी होखे, ऊ अइसन चिन्ह कइसे दिखा सकेला?' ... फिर ऊ लोग ओह आदमी के दोबारा बोलवलें जवन अंधा रहल, आ ओकरा से कहले, 'परमेश्वर के महिमा कर; हमनी जानत बानी कि ई आदमी पापी बा।'"

(यूहन्ना 9:13-16, 24)

का यीशु पापी रहलें? बिलकुल ना।

हाँ, फरीसियन सचमुच यीशु के बारे में अइसन बात कहलें, लेकिन उनका कथन सत्य ना रहल। ओही तरह, अय्यूब जवन शब्द आपन किताब में कहले, ऊ सचमुच ओकर मुँह से निकलल शब्द रहलें, लेकिन ओकर बहुत-से कथन सही ना रहलें। ऊ सही होइयो ना सकत रहलें, काहेकि ऊ यीशु के द्वारा हमनी के मिलल परमेश्वर के प्रकटता के खिलाफ जात रहलें।

अब रउआ सोच सकत बानी: अगर अय्यूब के बातें गलत रहलें, त फिर बाइबल ई काहे कहेला—

"एह सब बात में अय्यूब ना त पाप कइलन, आ ना परमेश्वर पर कवनो दोष लगवले।"

(अय्यूब 1:22),

आ "एह सब में भी अय्यूब अपने होंठ से पाप ना कइलन।"

(अय्यूब 2:10)?

एह पदन के मतलब ई नइखे कि अय्यूब जवन कुछ कहत रहल, ऊ सब सही रहल। एकर मतलब खाली ई बा कि जब ओकरा पर विपत्ति आइल, तब अय्यूब परमेश्वर के कोस के पाप ना कइलस।

“यहोवा देला आ यहोवा लेला”—ई पापपूर्ण कथन नइखे; ई अज्ञान पर आधारित घोषणा बा। अब रउआ ई भी पूछ सकत बानी कि बाइबल में अइसन किताब काहे शामिल कइल गइल बा, जवना में एतना “गलत जानकारी” बा?

“गलत जानकारी” कहे से बढ़िया “कम जानकारी” या “कम प्रकाश” कहना ज्यादा ठीक बा।

अय्यूब कुलपतियन के समय में जियत रहल—मतलब अब्राहम, इसहाक आ याकूब के समय में। परमेश्वर के बारे में ओकर समझ अधूरी रहल। ओकरा ई ज्ञान ना रहल कि परदा के पीछे शैतान काम करत बा। अय्यूब ई ना जानत रहल कि हर भली वस्तु परमेश्वर से आवेला, आ शैतान चोरी करे, घात करे आ नाश करे आवेला

(याकूब 1:17; यूहन्ना 10:10)।

अय्यूब के कहानी बाइबल में लिखल गइल पहिली किताब बा। काहेकि परमेश्वर पवित्रशास्त्र के पन्नन के द्वारा धीरे-धीरे अपने के प्रकट कइले, एहसे अय्यूब के पुस्तक में कम प्रकाश बा—महत्वपूर्ण प्रकाश, लेकिन ऊ प्रकाश ना जवन आज हमनी के यीशु आ नया नियम के द्वारा मिलल बा।

अय्यूब के सही व्याख्या खातिर एह महत्वपूर्ण बिंदु पर ध्यान दीं:

हालाँकि अय्यूब के “कम जानकारी” हमनी खातिर “कम प्रकाश” बा, लेकिन इस्राएल खातिर—जिनका खातिर अय्यूब के पुस्तक पहिला बेर लिखल गइल—ऊ “ज्यादा प्रकाश” रहल। इब्रानी लोगन खातिर अय्यूब के कहानी परमेश्वर, शैतान आ पाप से शापित धरती पर जिनगी के स्वभाव के बारे में ज्यादा जानकारी देत रहल।

समस्या तब पैदा होला, जब हम—जिनका लगे यीशु में परमेश्वर के पूरा प्रकाश बा—अपन हालत के व्याख्या अय्यूब के कम प्रकाश के सहारे करे के कोशिश करत बानी। हम अय्यूब के तरफ देखत बानी ताकि अइसन सवालन के जवाब पाईं, जवना के जवाब ऊ किताब देबे ना करेले।

हम अय्यूब के एह नजरिया से पढ़त बानी:

“ई हमार खातिर का मतलब रखेला?

हमार खास हालत में ई हमसे का कहेला?

हमार नौकरी काहे चल गइल?

हमार घर के आँधी काहे नुकसान पहुँचवलस?

हमार प्यारा लोग काहे मर गइल?”

काहेकि अय्यूब के पुस्तक एह सवालन के जवाब नइखे देत, एहसे हम गलत नतीजा निकाल लेत बानी। अय्यूब के पुस्तक इस्राएल के दासत्व से छुड़ाए जाए के आशा देवे खातिर लिखल गइल रहल, आ उनका ई हिम्मत देवे खातिर कि ऊ परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहें। अय्यूब के पुस्तक के पहिला पाठक—इस्राएली लोग—कभी अइसन सवाल ना पूछलें, जवन हम इक्कीसवीं सदी में पूछत बानी।

अय्यूब के साथ जवन कुछ भइल, ओकरा बारे में गलत धारणाएँ एह वजह से भी पैदा हो जालीं कि ओकर शब्दन के संदर्भ से बाहर निकाल के पढ़ल जाला।

अय्यूब 23:10 अइसन ही एगो पद बा:

“ऊ जानेलन कि हम कइसन राह से चलत बानी; जब ऊ हमके परखीहें, त हम सोना जइसन निकल के आईब।”

बहुत लोग कहेला कि एकर मतलब ई बा कि परमेश्वर अय्यूब के कष्टन के द्वारा शुद्ध आ परिष्कृत करत रहल। लेकिन जब हम एह पद के पूरा संदर्भ में पढ़त बानी, त हम देखत बानी कि अय्यूब इहाँ परमेश्वर के सामने आपन निर्दोषता के घोषणा करत बा।

जब अय्यूब आपन दुर्भाग्य के बारे में दोस्तन से बात करेला, त ऊ बार-बार ई कहेला कि ऊ अइसन कुछो गलत ना कइले बा, जवना से ओकरा पर अइसन विपत्तियाँ आइल हों। अय्यूब पूरा दृढ़ता से ई ऐलान करेला कि अगर परमेश्वर ओकर जाँच करे, त परमेश्वर खुद देख ली कि ई बात सही बा।

अध्याय 23 के शुरुआत में अय्यूब फिर से ई चाह जाहिर करेला कि ऊ परमेश्वर के सामने आपन पक्ष रख सके:

“काश, मैं जान पाता कि परमेश्वर कहाँ मिल सकेला!

मैं ओकर सिंहासन लगे जात आ ओकरा से बात करत।

मैं आपन पक्ष रखत आ आपन तर्क पेश करत…

(लेकिन)… मैं ओकरा कहीं ना पावत…

बाकिर ऊ जानेला कि मैं कहाँ जा रहल बानी।

आ जब ऊ हमके आग में सोना जइसन परखी,

त ऊ हमके निर्दोष ठहराई।

काहेकि मैं परमेश्वर के मार्गन पर चलत रहल बानी;

मैं ओकर रास्तन के पालन कइनी आ उनसे ना भटकल बानी।

मैं ओकर आज्ञा से ना हटनी,

बल्कि ओकर वचन के आपन दिल में संजो के रखनी।”

ई अइसन आदमी के घोषणा नइखे, जवन ई कह रहल हो कि परमेश्वर ओकरा शुद्ध करे खातिर परीक्षा ले रहल बा। ई ओह आदमी के कथन बा, जवन आपन गुण गिनावत बा आ समझावत बा कि जवन कुछ ओकरा साथ भइल, ऊ ओकर पात्र ना रहल।

“ऊ जानेला कि हमार साथ का हो रहल बा;

आ जब ऊ हमार जाँच करी,

त ऊ हमके पूरा तरह निर्दोष घोषित करी—

ठोस सोना जइसन शुद्ध!”

(पद 10)

“ऊ जानेला कि मैं कहाँ बानी आ मैं का कइनी।

ऊ जितना चाहे उतना सवाल-जवाब कर ले—

मैं पूरा सम्मान के साथ परीक्षा में खरा उतर जइब।”

(पद 10)

अय्यूब 13:15 भी अइसन ही एगो उदाहरण बा, जवना के संदर्भ से बाहर निकाल के गलत समझल जाला:

“चाहे ऊ हमके मार ही डाले, तबो हम ओही पर भरोसा रखब।”

लोग एहकर मतलब निकाल लेत बाड़ें कि परमेश्वर किसी सार्वभौमिक कारण से आदमी के मार सकेला, या शैतान के अनुमति दे सकेला कि ऊ आदमी के मार दे।

बाकिर एह पद में अइसन कुछो नइखे कहल गइल।

जइसे हम पहिले बतवले बानी, अय्यूब बार-बार ई बात पर जोर देला कि अगर ऊ परमेश्वर से बात कर सके, त परमेश्वर समझ जाई कि ओकरा नाइंसाफी से दुःख दिहल गइल बा। जब हम एह पद के ओकर संदर्भ में पढ़त बानी, त हम देखत बानी कि काहेकि अय्यूब के लगे परमेश्वर के साफ समझ ना रहल, एहसे ऊ एह बात से घबरात रहल कि अगर ऊ निडर होके परमेश्वर से बात करी, त कहीं परमेश्वर ओकरा मार ना डाले। फिरो, अय्यूब आपन पक्ष के बारे में एतना आश्वस्त रहल कि ऊ ई जोखिम उठावे खातिर तैयार रहल।

“त एहसे हमके बोल ले दे, फिर जवन होखे के हो जाव।

मैं आपन जान जोखिम में काहे डालत बानी?

एहसे कि चाहे ऊ हमके मार भी डाले, तबो हम आशा रखब।

मैं आखिरी साँस तक आपन निर्दोषता के बचाव करत रहब।”

(अय्यूब 13:13-15)

जब हम एह पदन के उनका पूरा संदर्भ में पढ़त बानी, त ई बात साफ हो जाला कि अय्यूब ई ना कह रहल रहल कि परमेश्वर ओकरा मारना चाहता बा या ओकरा शुद्ध करे खातिर कष्ट दे रहल बा।

ऊ खाली एह बात के इजहार करत रहल कि आपन सीमित समझ के कारण ऊ परमेश्वर से डरात रहल, फिरो ऊ आपन निर्दोषता के बारे में एतना आश्वस्त रहल कि परमेश्वर के सामने आपन पक्ष रखे खातिर तैयार रहल।

परमेश्वर आ शैतान के बीच संवाद

संदर्भ से बाहर पद पढ़े के अलावा, हम अय्यूब के पुस्तक के गलत व्याख्या एह वजह से भी करत बानी कि हम पुस्तक के शुरुआत में दर्ज परमेश्वर आ शैतान के बीच भइल दू गो बातचीत के सही तरीका से ना समझ पावत बानी। एह बातचीतन के आधार पर बहुत लोग

एह नतीजा पर पहुँच जालें कि परमेश्वर अय्यूब पर शैतान के हमला नियुक्त कइले रहलें या ओकरा आदेश दिहले रहलें।

बाकिर ई व्याख्या यीशु के द्वारा हमनी के मिलल परमेश्वर के प्रकटता के बिलकुल उलट बा।

नया नियम में कहीं भी अइसन संकेत नइखे मिलत कि यीशु आ शैतान कबो एक साथ काम कइले हों। एकर ठीक उलटा, जहाँ-जहाँ यीशु गइलें, उहाँ-उहाँ शैतान के कामन के नाश कइलें।

बाइबल कबो शैतान के परमेश्वर के सहकर्मी या औजार ना कहेले। शैतान के हमेशा दुश्मन कहल गइल बा। "शैतान" शब्द के मतलब ही हवे—विरोधी। स्ट्रॉन्ग्स कॉनकॉर्डेंस शैतान के बारे में कहेला कि ऊ "परमेश्वर आ हर भलाई के प्रधान शत्रु" बा। त अइसन शत्रु परमेश्वर के लोगन के सिद्ध करे में परमेश्वर के मदद काहे करी?

जइसे कि हम अध्याय 3 में कहल बानी, याकूब 4:7 हमनी के बतावेला कि हमनी के परमेश्वर के अधीन रहे के बा आ शैतान के विरोध करे के बा। अगर परमेश्वर ही शैतान के हमनी के दुःख देवे, सिखावे, शुद्ध करे या अनुशासन देवे खातिर भेजे या अनुमति देवे, त हम एह पद के आज्ञा के पालन कइसे कर सकत बानी?

हम एके समय में शैतान के विरोधो करीं आ शैतान के द्वारा आवे वाली "परमेश्वर के शिक्षा, अनुशासन आ शुद्धिकरण" के स्वीकारो करीं—ई कइसे हो सकेला?

कुछ लोग ई सवाल उठावेलें: "त फिर 1 कुरिन्थियों 5:1-13 के का मतलब बा?"

कुरिन्थुस के कलीसिया में एगो अइसन आदमी रहल जवन आपन बाप के पत्नी के साथ व्यभिचार करत रहल। पौलुस ओह हालात से निपटे खातिर कलीसिया के निर्देश दिहले। ऊ लिखलें:

"का तोहनी के शोक ना करे के चाहीं? जवन आदमी अइसन काम कइले बा, ओकरा तोहनी के संगति से निकाल देवे के चाहीं था... अइसन आदमी के शैतान के हवाले कर दो, ताकि ओकर शरीर पाप के विनाशकारी असर भोगे, लेकिन प्रभु के दिन ओकर आत्मा बचावल जाव।"

(पद 2, 5)

कुछ लोग तर्क देलें कि जइसे परमेश्वर अय्यूब के मामला में शैतान के काम करे के अनुमति दिहले, ओही तरह इहाँ भी परमेश्वर पौलुस के द्वारा ओह आदमी के शैतान के हवाले कइले। बाकिर एह घटना के अय्यूब के हालात के बराबर ठहरावल परमेश्वर के वचन के गलत व्याख्या के उदाहरण बा।

जब पौलुस कहले, "ओह आदमी के शैतान के हवाले कर दो," त ओकर मतलब खाली एतने रहल—"ओकरा कलीसिया से बाहर कर दो।"

पौलुस कुरिन्थियों के ओह आदमी के निकाले के कई गो कारण बतवले:

पहिला, ताकि कलीसिया खुद ओकर पाप से प्रभावित ना होखे (पद 7)।

दूसरा, काहेकि पौलुस पहिले ही कह चुकल रहलें कि "अइसन आदमी से मेल-जोल ना रखल जाव जवन अपने के भाई कहेला लेकिन यौन पाप में लिप्त बा।"

तीसरा, काहेकि पाप हमार जिनगी में मृत्यु पैदा करेला, आ शरीर खातिर बोवल शरीर में सड़न ले आवेला

(रोमियों 6:23; गलतियों 6:7-8)।

पौलुस कुरिन्थियों के ई समझावत रहलें:

"ओह पश्चाताप-रहित आदमी के कलीसिया के सुरक्षा, संगति आ आशीष से बाहर कर दो। ओकरा आपन पाप के शारीरिक नतीजा भोगे दो। हो सकेला ई ओकरा पश्चाताप के तरफ ले आवे।"

ई कलीसियाई अनुशासन आ व्यवस्था से जुड़ल विषय रहल। एकर अय्यूब के हालत से कोई मेल ना रहल। अय्यूब कोई घोर पाप ना कइले रहल। ओकरा कोई संगति से बाहर ना कइल गइल रहल। आ ओकरा ई भी मालूम ना रहल कि ओकर जिनगी में विपतियाँ काहे आइल।

एकरा उलटा, कुरिन्थुस के ओह आदमी के पूरा-पूरा पता रहल कि ऊ का गलत कइले बा, ओकरा कलीसिया से काहे निकालल गइल बा, आ ऊ नकारात्मक नतीजा काहे भोग रहल बा।

एहसे, अय्यूब के पुस्तक में परमेश्वर आ शैतान के बीच भइल बातचीतन के एह बात के साबित करे खातिर इस्तेमाल करना कि परमेश्वर आपन लोगन के दुःख देवे खातिर शैतान के इस्तेमाल करेला—ना त बाइबल के पूरा प्रकाश से मेल खाला, आ ना ही यीशु में प्रकट भइल परमेश्वर के स्वभाव से।

एहसे पहिले कि हम परमेश्वर आ शैतान के बीच भइल संवाद पर चर्चा करीं, आवीं पहिले ओह संवादन के पढ़ लीं।

पहिला संवाद अय्यूब अध्याय 1 में मिलेला:

“एक दिन परमेश्वर के पुत्र (स्वर्गदूत) यहोवा के सामने उपस्थित होखे खातिर आइलें, आ उनका बीच शैतान भी आइल।”

(पद 6)

“यहोवा शैतान से पूछलें, ‘तू कहाँ से आवत बाड़?’

शैतान यहोवा के जवाब दिहलस, ‘धरती पर इधर-उधर घूमत आ चारो ओर चलत रहल बानी।’”

(पद 7)

“यहोवा शैतान से कहले, ‘का तू हमार दास अय्यूब पर ध्यान दिहल? धरती पर ओकरा जइसन कोई ना बा—ऊ खरा आ सीधा आदमी बा, जवन परमेश्वर से डराला आ बुराई से दूर रहेला।’”

(पद 8)

तब शैतान यहोवा से कहले:

“का अय्यूब बिना कारण परमेश्वर से डराला?

का तू ओकर चारो ओर, ओकर घर चारो ओर, आ ओकर सारी संपत्ति चारो ओर बाड़ा ना बाँध देले बाड़?

तू ओकर हाथन के काम पर आशीष दिहले बाड़, आ ओकर संपत्ति देश में बहुत बढ़ गइल बा।

बाकिर अगर तू आपन हाथ बढ़ा के ओकर सारी संपत्ति छू लीं, त ऊ तोहरे मुँह पर तोहसे शाप देई।”

(पद 9-11)

दूसरा संवाद अय्यूब अध्याय 2 में दर्ज बा:

“फिर एक दिन अइसन भइल कि परमेश्वर के पुत्र (स्वर्गदूत) यहोवा के सामने उपस्थित होखे खातिर आइलें, आ उनका बीच शैतान भी यहोवा के सामने उपस्थित भइल।”

(पद 1)

“यहोवा शैतान से पूछलें, ‘तू कहाँ से आवत बाड़?’

शैतान यहोवा के जवाब दिहलस, ‘धरती पर इधर-उधर घूमत आ चारो ओर चलत रहल बानी।’”

(पद 2)

“यहोवा शैतान से कहले, ‘का तू हमार दास अय्यूब पर ध्यान दिहल? धरती पर ओकरा जइसन कोई ना बा—ऊ खरा आ सीधा आदमी बा, जवन परमेश्वर से डराला आ बुराई से दूर रहेला; आ अबहियो ऊ आपन खराई पर डटल बा, हालाँकि तू हमके ओकरा खिलाफ उकसवले रहल कि हम ओकरा बिना कारण नाश कर दीं।’”

(पद 3)

तब शैतान यहोवा से कहले:

“आदमी आपन जान खातिर सब कुछ दे दी।

बाकिर अगर तू आपन हाथ बढ़ा के ओकर हड्डी आ ओकर मांस छू लीं, त ऊ तोहरे मुँह पर तोहसे शाप देई।”

(पद 4-5)

तब यहोवा शैतान से कहले,

“देख, ऊ तोहरे हाथ में बा; बाकिर ओकर जान बचा के रखिह।”

(पद 6)

पहिली नजर में ई दूनो संवाद बहुत परेशान करे वाला लागत बाड़ें।

बाकिर इनका जवनो मतलब होखे, ई बात ई साबित नइखे करत कि परमेश्वर आपन दास अय्यूब के साथ भयानक काम करे खातिर शैतान के अनुमति दिहले। अइसन मतलब निकालल पूरी बाइबल के संदेश आ यीशु के द्वारा हमनी के दिखावल परमेश्वर के स्वभाव से मेल ना खाला।

अगर हम एह दूनो संवादन के ध्यान से आ गहराई से देखीं, त हम साफ-साफ देख पाएब कि अय्यूब के साथ जवन कुछ भइल, ओकर जिम्मेदार परमेश्वर ना रहल।

पहिला संवाद

बहुते लोग इ कहेलन कि परमेश्वर खुद अय्यूब के ओर इशारा कइके शैतान के हमला के शुरुआत कइले।

“का तू हमार दास अय्यूब पर ध्यान दिहले बाड़? धरती पर ओकर जइसन केहू नइखे—उ खरा आ सीधा मनुष्य बा, परमेश्वर से डरऽता आ बुराई से दूर रहता।”

(अय्यूब 1:8)

ध्यान दीं, एह जगह पर परमेश्वर अय्यूब के आत्मिक गुणन के सराहना कइले बाड़न, बाकिर ओकर भौतिक समृद्धि के बारे में कुछो नइखन कहल। तइयो शैतान जानत रहे कि अय्यूब धनवान बा (अय्यूब 1:9–10)। अब सवाल इ उठता कि शैतान के ई बात कइसे मालूम रहल?

एकर कारण ई रहे कि शैतान अभी-अभी धरती पर घूम-फिर के आइल रहे। उ अय्यूब से बढ़िया तरीका से परिचित रहे आ पहिले से ही ओकर खिलाफ हमला के योजना बना रहल रहे। इब्रानी भाषा में “ध्यान दिहल” भा “विचार कइल” शब्द के मतलब होला—किसी के विरुद्ध दिल लगावल, मन लगाके देखल।

यंग्स लिटरल ट्रांसलेशन एह पद के एह तरीका से पेश करेला:

“आ यहोवा विरोधी से कहलन, का तू हमार दास अय्यूब के विरुद्ध आपन हृदय लगइले बाड़?”

(अय्यूब 1:8)

ई बात पूरा तरीका से ओह शिक्षा से मेल खाला, जवन नया नियम शैतान के बारे में देला:

“सावधान रहो, जागते रहो; काहे कि तोहनी के विरोधी शैतान गरजत सिंह के जइसन घूमता-फिरता बा आ खोजता बा कि किसे फाड़ खाए।”

(1 पतरस 5:8)

परमेश्वर जब अय्यूब के धर्मी जीवन के प्रशंसा कइले, त ओकर जवाब में शैतान मजाक उड़ावत कहल,

“जब तू ओकरा इतना बढ़िया आसीस देत बाड़, त उ काहे न ठीक-ठाक जीवन जिए?”

(अय्यूब 1:9)

शैतान इहो कहल कि अगर अय्यूब से सब कुछ छीन लिहल जाव, त उ परमेश्वर के मुँह पर शाप दे दी।

एह पर परमेश्वर जवाब देलन:

“ठीक बा, ओकर सारी संपत्ति तोहार हाथ में बा; बाकिर ओकर देह पर हाथ मत बढ़ाईं।”

(अय्यूब 1:12)

बहुते लोग मानेला कि एह पद में परमेश्वर शैतान के अय्यूब पर हमला करे के अनुमति दे दिहलन आ साथ-साथ ओकर सीमा भी तय कइले। बाकिर ई बात सही ना हो सकेला, काहे कि ई यीशु के द्वारा हमनी के मिलल परमेश्वर के प्रकटता के पूरा उल्टा बा।

यहाँ यहोवा कवनो अनुमति के घोषणा नइखन करत, बल्कि एक सच्चाई बतावत बाड़न: अय्यूब, हमनी नियन, पहिले से ही शैतान के अधिकार-क्षेत्र में रहे, काहे कि उ पतित मानवजाति में जनम लिहले रहे आ पाप से शापित धरती पर रहत रहे।

ई समझ नया नियम के शिक्षा से पूरा तरीका से मेल खाला।

अदन के बगइचा में आदम आपन अवज्ञा से ओ अधिकार, जवन परमेश्वर ओकरा धरती पर दिहले रहलन, शैतान के हाथ में सौंप दिहलस। एही कारण यीशु शैतान के “एह संसार के

सरदार" कहलन, आ प्रेरित पौलुस ओकरा "एह संसार के ईश्वर" आ "वायु के अधिकार के प्रधान" कहलन

(लूका 4:6; यूहन्ना 12:31; 2 कुरिन्थियों 4:4; इफिसियों 2:2)।

दूसरा संवाद

पहिला संवाद के बाद अय्यूब आपन संपत्ति आ आपन संतानन के खो दिहलस

(अय्यूब 1:13–19)। एह के बाद शैतान दुबारा परमेश्वर के सामने आइल, आ फेरु उनकर बीच बातचीत भइल।

अय्यूब 2:3 असल में अय्यूब 1:8 के दोहराव ह, बाकिर एह में एक अउरी वाक्य जोड़ल गइल बा:

"आ अबहियों उ आपन खराई पर दृढ़ बा, हालाँकि तू हमरा ओकर विरुद्ध उकसइले बाड़ कि हम ओकरा बिना कारण नाश कर दीं।"

साफ-साफ देखाई देता कि शैतान में कवनो सामर्थ्य नइखे कि उ परमेश्वर के प्रभावित करे भा उनकरा से कुछ करवा सके। सेप्टुआजेंट (यूनानी) अनुवाद एह पद के एह तरीका से बतावेला:

"तइयो उ आपन निर्दोषता बनाए रखलस, हालाँकि तू ओकर धन-संपत्ति के नाश के आज्ञा दिहले रहल, आ आपन उद्देश्य पूरा ना कर सकल।"

अय्यूब पर जेतना भी विपत्तियाँ आइलन, ओ सब के बावजूद उ परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहल।

एह के बाद लिखल बा:

“तब शैतान यहोवा के उत्तर देलस, ‘मनुष्य आपन प्राण खातिर आपन सब कुछ दे दी। बाकिर अब अगर तू आपन हाथ बढ़ाके ओकर हड्डी आ मांस छू लीं, त उ तोहसे मुँह पर शाप दी आ तोहसे मुकर जाई।’

तब यहोवा शैतान से कहलन, ‘देख, उ तोहार हाथ में बा; खाली ओकर प्राण बचाए रखना।’”

(अय्यूब 2:4–6)

कुछ लोग कहेला कि एह पद से पता चलता कि परमेश्वर शैतान के “रस्सी से बाँध के” रखले बाड़न आ ओकर सीमा तय करत बाड़न—कि शैतान जेतना कर सकेला, ओतने करी। आ अगर पहिलका चाल से मनचाहा नतीजा ना निकले, त परमेश्वर ओकरा अउरी विनाश करे के अनुमति दे देलें। अय्यूब के मामला में लोग कहेला कि परमेश्वर बस एतने सीमा रखलन:

“बस, ओकरा मार मत।”

बाकिर ई व्याख्या सही नइखे हो सकेला, काहे कि यीशु—जवन खुद परमेश्वर बाड़न आ हमनी के परमेश्वर के सच्चा स्वरूप देखावेलन—कबहूँ कवनो आदमी के साथ अइसन व्यवहार नइखन कइले।

एह अंश में परमेश्वर शारीरिक मौत के बात नइखन करत।

इब्रानी भाषा में “प्राण” भा “जीवन” शब्द के मतलब होला—मनुष्य के भीतर के अस्तित्व, जवना में ओकर सोच-विचार आ भावना शामिल होला।

जब ई शब्द कवनो मनुष्य पर लागू होला, त एकर मतलब होला—पूरा व्यक्तित्व।

एह पद में परमेश्वर फेरु से ओ सच्चाई दोहरावत बाड़न कि अय्यूब, काहे कि उ पतित संसार में जनम लिहले रहे, पहिले से ही शैतान के अधिकार-क्षेत्र में रहे।

बाकिर परमेश्वर मूल पाठकन खातिर ई बात साफ करत बाड़न कि आदम के पाप के कारण चाहे मनुष्य शैतान के क्षेत्र में आ गइल हो, तइयो—

“अगर रउआ हमरा प्रति विश्वासयोग्य बनल रहब, त शैतान रउआ के हमसे छीन ना सकेला, आ ना ही उ रउआ खातिर हमार आखिरी योजना के नाकाम कर सकेला।”

पहिली नजर में, परमेश्वर आ शैतान के बीच के ई दृश्य अइसन लागेला मानो परमेश्वर शैतान के अय्यूब के दुःख देवे के आदेश दिहले होखें, आ साथे-साथ ईहो तय कइले होखें कि शैतान अय्यूब के साथ का कर सकेला आ का ना।

बाकिर जइसे कि हमनी पिछिला अध्याय में बतवले रहीं, पवित्र आत्मा पुरान नियम के लेखकन के अइसन ढंग से लिखे के प्रेरणा दिहलन कि विनाशकारी घटनन के भी परमेश्वर से जोड़ के बतावल जाव—एह से ना कि परमेश्वर ओकर कारण रहलन, बल्कि एह से कि मनुष्य ई समझ सके कि परमेश्वर के सिवा कवनो दूसरा देवता नइखे, आ कवनो सामर्थ्य परमेश्वर के बराबर नइखे।

इस्राएल अइसन संसार में रहत रहे जवन मूर्तिपूजा से भरल रहल। मिस्र में रहत समय, बहुत से इस्राएली खुद मिस्रियन के देवतान के पूजा करे लगल रहलें। अगर अचानक उनकरा एगो शक्तिशाली विरोधी—शैतान—के बारे में नया ज्ञान दिहल जात, त संभव रहल कि इब्रानी लोग इ सोचे लगत कि शैतान भी कवनो दूसरा देवता बा, जवना के पूजा कइल जा सकेला।

एही कारण, परमेश्वर आ शैतान के बीच भइल ई संवादन के अइसन तरीका से प्रस्तुत कइल गइल बा कि ई बात पूरा तरह से साफ हो जाव:

“मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर बानी—एकेगो सच्चा परमेश्वर। सब कुछ, यहाँ तक कि शैतान भी, हमरा अधीन बा। ब्रह्माण्ड में हमार आखिरी सत्ता आ अधिकार से बाहर कुछो नइखे घटत।”

एकर मतलब ई नइखे कि परमेश्वर एह संसार में होखे वाला बुराई के पैदा करेला, ओकर आदेश देला, भा ओकरा के मंजूरी देला। एकर मतलब खाली एतने बा कि कवनो घटना ओकरा चकित नइखे करत, आ अइसन कुछो नइखे जवन उ आपन उद्देश्य पूरा करे खातिर—जब उ आपन परिवार के इकट्ठा करत बाड़न—काम में ना ला सके।

इस्राएल खातिर ई ज्यादा प्रकाश रहल... भरोसा देवे वाला प्रकाश।

अय्यूब के अन्त

जइसे कि हमनी पहिले बतवले रहीं, नया नियम में अय्यूब के बस एकेगो उल्लेख मिलेला, आ उ हमनी के ओकर कहानी के अन्त के ओर ले जाला।

ई विचार कि परमेश्वर कवनो गुप्त भा सार्वभौमिक उद्देश्य खातिर शैतान के अय्यूब के दुःख देवे के अनुमति दिहलन—कहानी के अन्त से मेल नइखे खात।

अय्यूब के परीक्षा के अन्त में, परमेश्वर आँधी में से अय्यूब से बोललन आ ओकर अज्ञानता आ असमर्थता के चुनौती दिहलन

(अय्यूब 38:1–40:2; 40:7–41:34)।

बाकिर ध्यान देवे लायक बात ई बा कि परमेश्वर कहींयो अय्यूब के पीड़ा के जिक्र नइखन कइले, आ ना ही ई बतवले कि अय्यूब पर बुराई काहे आइल।

अगर अय्यूब के पुस्तक के आम व्याख्या सही होती—कि परमेश्वर कवनो उद्देश्य से शैतान के अय्यूब के दुःख देवे दिहलन—त परमेश्वर के वचन में अय्यूब के दुःख के कवनो उल्लेख काहे नइखे?

एकर कारण ई बा कि अय्यूब के पुस्तक, अय्यूब के दुःख के बारे में नइखे।

बाइबल के बाकी सब संदर्भन के अनुसार, अय्यूब के पुस्तक अय्यूब के धार्मिकता, ओकर धीरज, आ एगो प्रेम करे वाला परमेश्वर के हाथों ओकर छुड़ाए जाए के कहानी बा

(यहेजकेल 14:14, 20; याकूब 5:11)।

आईं, परमेश्वर द्वारा अय्यूब से कहल गइल कुछ खास बातन पर ध्यान दीं।

परमेश्वर कहलन:

"तू बातन के काहे उलझावत बाड़?

तू बिना समझे काहे बोलत बाड़?

अपने आप के संभाल, अय्यूब!

खड़ा हो जा!

सीधा खड़ा हो!"

(अय्यूब 38:2–3)

एह के बाद परमेश्वर अय्यूब से भौतिक सृष्टि के अद्भुत कामन के बारे में सवाल कइलन:

"जब हम धरती के नींव रखनी, तब तू कहाँ रहल?

का तू ओकर व्यवस्था, ओकर प्रक्रियाएँ, भा ओकर प्राणियन के समझ सकेल भा नियंत्रित कर सकेल?"

"अगर तू सर्वशक्तिमान के शासन के तरीकन पर सवाल उठावत बाड़, त अब तू खुद के महिमा आ वैभव से सजा, सर्वोच्च शासक नियन अपने आप के पेश कर, आ अगर तू एतना बुद्धिमान बाड़, त संसार के शासन खुद संभाल ले।"

(अय्यूब 40:10)

“हम त खुशी-खुशी एक ओर हट जइब आ सब कुछ तोहरे हवाले कर दीब—तू निश्चय ही बिना हमार मदद के खुद के बचा लिहा!”

(अय्यूब 40:14)

परमेश्वर अय्यूब के डाँटलन कि उ उनकर काम करे के तरीका पर सवाल उठा रहल रहे।

बाकिर जिन “बातन” के बारे में परमेश्वर ओकरा से बोललन, ऊ अय्यूब के हालात के खास विवरण नइखे।

एकर जगह, परमेश्वर अय्यूब से आपन सृष्टि के अद्भुत वैभव के बारे में बोललन—जवन उनकर सामर्थ्य आ बुद्धि के प्रकट करेला।

काहे?

काहे कि अय्यूब, हमनी नियन, पाप से शापित धरती पर जीवन के अनिश्चितता आ अन्याय से जूझ रहल रहे। भले ही अय्यूब परमेश्वर के आज्ञा में आ ओकर भय में जीवन जियत रहे, तइयो—

उ आपन संपत्ति बिजली गिरला आ लुटेरन के कारण खो दिहलस,

आपन बाल-बच्चा भयानक आँधी में खो दिहलस,

आ आपन स्वास्थ्य एगो घोर बीमारी के कारण।

अपना निजी हालात के बारे में सवाल करे आ शिकायत करे के साथ-साथ, अय्यूब आपन चारों ओर निर्दोष लोगन के दुःखो देखत रहे।

उ कहलस:

“धर्मी लोग काहे व्यर्थ में ओकर बाट जोहत रह जाला?

अपराध के लहर चारों ओर फैल गइल बा…

गरीबन आ अनाथन के गधा छीन लिहल जाला…

दरिद्रन के रास्ता से धक्का देके हटा दिहल जाला…

दुष्ट लोग माँ के छाती से अनाथ बच्चन के छीन लेला…

नगर में मरत लोगन के हड्डी कराहेला;

घायल लोग मदद खातिर पुकारेला;

बाकिर परमेश्वर उनकर कराह ना सुनेला।”

(अय्यूब 24:1–13)

अय्यूब के अइसन लागे लागल रहल कि परमेश्वर खाली ओकर जीवन ही नहीं, बल्कि पूरा जीवन के व्यवस्था ठीक से नहीं सँभाल रहल बाड़न।

परमेश्वर जब अय्यूब के डाँटलन, तब ओकर दुःखन के जिक्र ना कइलन, बल्कि सृष्टि के द्वारा प्रकट होखे वाली आपन सामर्थ्य आ बुद्धि पर जोर दिहलन—ई बात तब साफ समझ में आवेला, जब हम अय्यूब के कहानी के बाइबल के पूरा विषय के संदर्भ में देखिले।

परमेश्वर मनुष्य के आपन पुत्र बनाके रचलन, आ धरती के आपन परिवार खातिर घर बनवलन।

पाप के कारण उनकर मूल योजना पटरी से उतर गइल।

तइयो परमेश्वर आपन योजना पर लगातार काम करत बाड़न—आपन परिवार आ उनकर घर के दासत्व से छुड़ावे के योजना।

कई बेर अइसन लाग सकेला मानो परमेश्वर सब बात ठीक से नहीं सँभाल रहल बाड़न, काहे कि दुःख के खास घटनन के तुरन्त समाधान नइखे होत।

बाकिर एह समय परमेश्वर के मुख्य लक्ष्य ई नइखे कि उ हर दुःख के फौरन रोक दे आ जीवन के आसान बना दे।

उनकर प्रधान उद्देश्य ई बा कि मनुष्य आ स्त्री लोगन के आपन उद्धारक ज्ञान तक पहुँचावल जाए।

परमेश्वर के वचन अय्यूब के चुनौती देलन:

“तू के बाड़, जे ई सवाल करत बाड़ कि मानवजाति आ धरती के उद्धार के मेरी योजना कइसे पूरा हो रहल बा?

मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर बानी।

मैं तोहू के बचाइब, आ आपन पूरा परिवार के भी बचाइब।”

अय्यूब के पुस्तक खुद ई बातन के ठीक एह शब्दन में नइखे कहत, बाकिर बाइबल के अउरी पुस्तकन में अइसन पद जरूर मिलेला, जवन ई सच्चाई साफ कर देला।

जब रउआ अय्यूब के पुस्तक के ओह बड़ प्रकाश में—यानी पूरा पवित्रशास्त्र आ यीशु में प्रकट परमेश्वर के प्रकाश में—समझत बानी, त उ पूरा तरीका से ओह बात से मेल खाला, जवन यीशु हमनी के परमेश्वर के बारे में देखावेलन, आ ओह उद्देश्य से भी मेल खाला, जवना खातिर अय्यूब के पुस्तक मूल रूप से लिखल गइल रहे—इस्राएल के सहायता करे खातिर।

मिस्र से निकलला के बाद, प्रतिज्ञा कइल गइल देश तक के यात्रा में इस्राएल के भी ओही तरह के संघर्षन से गुजरल रहल, जइसन अय्यूब के झेले के पड़ल रहल।

इस्राएल भी परमेश्वर पर सवाल उठाए वाला रहल, शिकायत करे वाला रहल, आ उनकर देखभाल पर सन्देह करे वाला रहल

(निर्गमन 16:2, 7; गिनती 14:1–3)।

परमेश्वर के ओर से इस्राएल के मिलल पहिलका लिखित प्रकटता के संदेश ई रहल:

“अइसन लाग सकेला मानो हम बातन के ठीक से नहीं सँभालनी,

बाकिर हम जानत बानी कि हम का करत बानी।

हम सब कुछ ठीक कर दीब!”

अय्यूब आपन अज्ञानता आ आपन अनुमान के स्वीकार कइलस आ पश्चाताप कइलस।

बाकिर ध्यान दीं—अय्यूब में बदलाव ओकर दुःख के कारण ना आइल।

ओकर जीवन के गलत धारणाएँ आ समस्या तब प्रकट भइलीं आ बदलीं, जब परमेश्वर ओकरा से बात कइलन।

एह के कारण ई बा कि परमेश्वर मनुष्य के आपन वचन के द्वारा सुधारेलन आ शुद्ध करेलन, ना कि पीड़ादायक हालातन के द्वारा।

(एह बिन्दु पर हम आगे अउरी विस्तार से चर्चा करब।)

प्राकृतिक बातन—जइसे कठिन परिस्थितियाँ—आत्मिक परिणाम पैदा नइखें करत।

त्रासदियाँ लोगन के शुद्ध नइखें करत, जइसे खाली कलीसिया में बैठ जाए से कवनो आदमी नया प्राणी ना बन जाला।

अय्यूब के परीक्षा के अन्त में, परमेश्वर अपने आप के अय्यूब पर ओह रूप में प्रकट कइलन, जइसन उ सचमुच बाड़न।

एह तरह से परमेश्वर अय्यूब के अइसन मन के शान्ति दिहलन, जवन ओकर जीवन के आखिरी 140 बरिस तक ओकरा सँभाले रहल।

“तू पूछत बाड़ कि उ के रहल, जे अज्ञानता में तोहार व्यवस्था के ठुकरा दिहलस।

उ हम ही रहीं।

हम अइसन बातन के बारे में बोल रहल रहीं, जवन हम जानत ना रहीं,

आ जवन हम समझत ना रहीं—

ऊ बातन जवन हमरा खातिर बहुत अद्भुत रहल…

हम तोहरे बारे में खाली सुने रहीं,

बाकिर अब हमार आँख तोहसे देख लिहलस…

आ अन्त में उ बहुत बूढ़ा होके मरलस,

लम्बा आ भला जीवन जिय के।”

(अय्यूब 42:3, 5, 17)

ई समझ लिहला के बादो कि अय्यूब के जीवन के दुखद हालातन के पीछे परमेश्वर ना रहलन, तइयो लोग इ सवाल उठा सकेला:

“अगर अइसन सब बुरी बात अय्यूब—जवन निर्दोष आ सीधा कहल गइल—

ओकर साथ हो सकेला, त का हमार साथो भयानक बात होई?”

कवनो आदमी के अइसन जीवन के गारंटी नइखे, जवन पूरा तरह से समस्या से खाली हो।

असल में, यीशु कहलन:

“संसार में तोहनी के क्लेश होई;

बाकिर ढाढ़स रखीं, हम संसार के जीत लिहले बानी।”

(यूहन्ना 16:33)

हमार दुःख आ कठिनाई के बावजूद, बाइबल ई प्रतिज्ञा करेला कि मसीह के द्वारा हम हर ओह बात के बीचो विजयी बन के खड़ा रह सकेनी, जवन शैतान आ जीवन हमार रास्ता में लावेला।

परमेश्वर हमनी के तब तक सँभाले रखिहें, जब तक उ हमनी के पूरा तरीका से बाहर ना निकाल लीहें।

कई बेर लोग ई जाने के कोशिश करेला कि अय्यूब "का गलत कइलस" भा उ "शैतान के कइसे आपन पास पहुँचने दिहलस।"

बाकिर अय्यूब के पुस्तक ई सवालन के हल देवे खातिर लिखल ही ना गइल रहे।

अय्यूब के पुस्तक जवन बात नइखे कहत, उहें खोजत-खोजत, ओह बातन से वंचित मत हो जाईं, जवन उ सचमुच कहत बा।

निष्कर्ष

अन्त में,

अय्यूब के पुस्तक के बारे में हम अउरी भी बहुत कुछ कह सकेनी,

बाकिर एह आखिरी विचारन पर ध्यान दीं।

अय्यूब के पुस्तक ओह लोगन खातिर—जिनकर खातिर उ मूल रूप से लिखल गइल रहे—

आश्चर्य से भरल आ आशा से परिपूर्ण पुस्तक रहल।

अगर हम एकरा ओह संदर्भ में पढ़ीं कि इस्राएल खातिर एकर का मतलब रहल, आ फेरु एकरा नया नियम के महान प्रकाश से छान के देखीं, त अय्यूब के पुस्तक हमनी खातिरो आशा से भर देवे वाली, विस्मय से भरल पुस्तक बन जाई।

पाप से शापित एह धरती पर, हम—अय्यूब नियन—अइसन बात देखब आ अनुभव करब,

जवन हम पूरा तरह से समझ ना पाईब।

अइसन हालात आई, जवन बारे में हमार मन में "काहे" के सवाल उठी।

बाकिर अय्यूब से कहल गइल परमेश्वर के वचन हमनी के ई भरोसा देला:

"देख, हम कतना महान बानी।

हमार बुद्धि के देख।

ई सब हमरा अचानक से ना भइल।

हम एकरा ठीक कर दीब।

हमार उद्धार के योजना पूरा होके रही।

शैतान ओह योजना के नाकाम ना कर सकेला,

जवना के द्वारा हम तोहनी के आपन पुत्र बनावे चाहत बानी

आ तोहनी के साथ एगो सिद्ध धरती पर रहे चाहत बानी—

अइसन धरती, जवन हर तरह के भ्रष्टता आ मौत से पूरा तरीका से छुड़ा ली गई होई।"

अय्यूब के कहानी ई बात के एगो "छोट चित्र" बा कि परमेश्वर अय्यूब खातिर सब कुछ ठीक कइलन— आ ई एगो प्रतिज्ञा भी बा कि उ अन्त में आपन पूरा परिवार खातिर भी

सब कुछ ठीक करिहें।

अय्यूब के पुस्तक के पढ़ल बिना पहिले से बनल सोच-विचार के असर से अलग रहना सचमुच कठिन बा।

लेकिन अगर हम ओह सब धारणन के एक ओर रख दीं, आ एह पुस्तक के पूरा बाइबल के उजाला में पढ़ीं, त हम अय्यूब के कहानी के सही रूप में समझ सकत बानी।

आ तब, फेरु एक बेर, हम एकदम साफ-साफ देखत बानी कि

परमेश्वर भला बा... आ भला के मतलब सचमुच भला ही होला।

7

हाँ, लेकिन मसीही दुःख के बारे में का?

एह जगह पर पहुँचते-पहुँचते, हो सकेला कि आपके मन में ई सवाल उठ रहल हो— "ठीक बा, अब हम समझ गइनी कि परमेश्वर अय्यूब पर परीक्षाएँ नहीं भेजलें। लेकिन दुःख के बारे में का? का प्रभु खातिर दुःख उठावल मसीही जीवन के हिस्सा नाहीं ह? का हम ओकर नाम खातिर दुःख सहने खातिर बुलावल नहीं गइनी?"

हाँ, दुःख मसीही जीवन के एक हिस्सा बा,

लेकिन ओह तरीका से नाहीं, जइसे शायद आप सोच रहल बानी।

सच्चाई ई बा कि एह जीवन में हर आदमी दुःख उठावेला— चाहे ऊ मसीही होखे चाहे ना होखे। दुःख एह धरती पर एह कारण मौजूद बा कि आदम आ हव्वा पाप कइलें। ओह पाप के असर पूरी मानव जाति पर आ पूरी पृथ्वी पर बहुत विनाशकारी पड़ल। एह से नतीजा ई निकलल कि अइसन कोई जीवन नाहीं बा जहाँ दुःख ना होखे। पाप से शापित एह धरती पर दुःख जीवन के ही एक हिस्सा बा।

नया नियम प्रभु खातिर दुःख उठावे के परिभाषा एह तरह से करेला— कि हम मसीह में अपने विश्वास के कारण सतावल जाईं, आ जब हम ओकर खातिर जीवन जीयत बानी, तब ओकर खातिर जे भी निजी त्याग भा असुविधा सहना पड़ेला, ओही के दुःख कहल जाला।

बाइबल मसीहियन के संदर्भ में दुःख के दू प्रकार के बात करेला—

पहिला, ऊ सब बात जे यीशु हमनी खातिर सहलें;

आ दूसरा, ऊ सब बात जे हम ओह खातिर सहत बानी।

जब नया नियम प्रभु खातिर दुःख उठावे के बात करेला, त ऊ कहीं भी बीमारी सहना, खराब वैवाहिक जीवन, कार दुर्घटना, भा व्यापार में असफलता के दुःख के रूप में नहीं बतावेला।

हमनी के हमेशा पवित्रशास्त्र के पवित्रशास्त्र से ही परिभाषित करे देना चाहीं। अगर बाइबल प्रभु खातिर दुःख उठावे के मतलब बीमारी सहना भा कठिन रिश्तन के झेलना नहीं बतावेला, त हमनी के "दुःख" शब्द पर अइसन परिभाषा थोपे के कोई अधिकार नाहीं बा।

यीशु हमनी खातिर दुःख सहलें

यीशु मसीह क्रूस पर हमनी खातिर कुछ खास बात सहलें, ताकि हमनी के ओह सब ना सहना पड़े। यशायाह 53:4–6 में लिखल बा— "निश्चय ऊ हमनी के दुर्बलता उठा लिहलन आ हमनी के दुःख के बोझ अपने ऊपर ले लिहलन; तबो हमनी ऊके परमेश्वर से मारल, कूचल आ दुःखी समझनी। बाकिर ऊ हमनी के अपराध खातिर घायल कइल गइलन, ऊ हमनी के अधर्म खातिर कुचल दिहल गइलन; जे दण्ड हमनी के शान्ति खातिर रहे, ऊ ओही पर पड़ल, आ ओकर कोड़ा खाए से हमनी चंगा हो गइनी। हमनी सब भेड़ जइसन भटक गइनी, हमनी में से हर एक अपना-अपना राह चुन लिहनी; आ यहोवा हमनी सबके अधर्म ओकरा पर लाद दिहलन।"

ई पद साफ-साफ बतावेला कि परमेश्वर क्रूस पर हमनी के अधर्म यीशु पर डाल दिहलें। इब्रानी भाषा में "अधर्म" शब्द आवोन बा, जवना के मतलब खाली पाप ही नाहीं, बल्कि पाप के कारण आवे वाला दण्ड आ बुरा नतीजा भी ह। क्रूस पर परमेश्वर खाली हमनी के पाप ही नाहीं, बल्कि पाप के परिणाम भी यीशु पर डाल दिहलें।

गलातियों 3:13 में लिखल बा— "मसीह हमनी के व्यवस्था के शाप से मोल लेके छुड़ा लिहलन, आ खुद हमनी खातिर शाप बन गइले; काहे कि लिखल बा, 'जे कोई सलीब पर टंगावल जाला, ऊ शापित ह।'"

व्यवस्था के शाप में ओह सब परिणाम शामिल बा जे व्यवस्थाविवरण 28 में बतावल गइल बा— अपमान, बाँझपन, फलहीनता, मानसिक आ शारीरिक रोग, परिवार के टूट जाना, शारीरिक आ आत्मिक दरिद्रता, विरोध, असफलता, पराजय, आ बहुत-सी अउरी बात। ई सब शाप के बोझ सलीब पर यीशु पर आ पड़ल, ताकि हमनी के ओह से छुड़ावल जा सके।

सलीब पर एक अद्भुत अदला-बदली भइल। हमनी के पाप आ अवज्ञा के कारण जे सारी बुराई हमनी के हिस्सा में आवे वाली रहल, ऊ सब यीशु पर चली गइल, ताकि ओकर आज्ञाकारिता के कारण जे सारी आशीष ओकर हक में रहल, ऊ हमनी के मिल सके।

“वह इसलिए पीटा गया कि हमें शान्ति मिले।

उसे कोड़े मारे गए, और हम चंगे हो गए।”

(यशायाह 53:5)

बहुत-से मसीही बीमारी, रोग, पीड़ा, परिवार के टूटना, आ पराजय सहत बानी आ ई सोचत बानी कि ऊ एह प्रक्रिया में प्रभु खातिर दुःख उठा रहल बानी। लेकिन बाइबल हमनी के ई सिखावेला कि यीशु ई सब शाप क्रूस पर सह लिहलें, ताकि हमनी के ओह सब उठावे के जरूरत ना पड़े।

हम ओकर खातिर दुःख उठावत बानी

प्रभु खातिर दुःख उठावे में ऊ सताव आ ऊ निजी त्याग शामिल बा, जवना के अनुभव हम तब करत बानी जब हम सुसमाचार के प्रचार करत बानी आ यीशु मसीह खातिर जीवन जीयत बानी। सताव मसीही जीवन के एक हिस्सा बा।

यीशु कहलें— “जे बात हम तोहसे कहलियें, ओकरा के याद रख— दास अपने मालिक से बड़ा ना होखे ला। अगर ऊ लोग हमके सतवलस, त तोहके भी सताई।”

(यूहन्ना 15:20)।

प्रेरित पौलुस लिखलें— "आ जे सब मसीह यीशु में भक्ति से जीवन बितावे चाहेलन, ऊ सब सतावल जइहन।"

(2 तीमुथियुस 3:12)।

पौलुस फिलिप्पियों 1:29 में ई शब्द भी लिखलें— "काहे कि मसीह के कारण तोहके ई अनुग्रह दिहल गइल बा कि खाली ओह पर विश्वास ही ना कर, बलुक ओकर खातिर दुःख भी उठाव।"

ई पद के बहुत बेर लोग एह बात के सबूत बनाके पेश करत सुनल गइल बा कि मसीहियन के बीमारी, पीड़ा आ त्रासदी जरूर सहनी चाहीं। लेकिन अगिला पद पढ़ते ही साफ हो जाला कि पौलुस यहाँ बीमारी भा दुखद घटना के नहीं, बल्कि सताव के बात करत रहलें। ऊ आगे कहत बाड़ें— "आ तोहके ओइसने ही संघर्ष करे के पड़ रहल बा, जइसन तू हममें देखले रहल आ अब हमरे बारे में सुनत बाड़।"

फिलिप्पियों 1:30 में पौलुस साफ करत बाड़ें कि फिलिप्पी के विश्वासी ओही लड़ाई लड़ रहल रहलें, जे लड़ाई ऊ लोग पौलुस के लड़त देखल रहल, आ जवना के बारे में अब सुन रहल रहलें कि ऊ अभी भी ओही लड़ाई में लागल बा। जब पौलुस ई शब्द लिखलें, ऊ रोम के जेल में रहलें, काहे कि ऊ यीशु मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार प्रचार करत रहलें। ओह समय ऊ नहीं जानत रहलें कि ऊ छोड़ा जइहें कि मार दिहल जइहें।

ध्यान दीं— पौलुस खाली ओह संघर्ष के बात नाहीं करत जे बारे में फिलिप्पियन सुने रहलें, बल्कि ओह संघर्ष के भी बात करत बाड़ें जे ऊ लोग खुद ओकर जीवन में देखल रहल। ऊ लोग का देखल रहल? कई साल पहिले, जब पौलुस फिलिप्पी शहर में आइल रहलें, त एक दासी में से दुष्ट आत्मा निकाल देवे के कारण ओकरा जेल में डाल दिहल गइल रहल (प्रेरितों के काम 16:12–34)।

फिलिप्पियन पौलुस के सुसमाचार के प्रचार के कारण जेल जात देखल रहल, आ अब ऊ लोग सुन रहल रहल कि ऊ ओही प्रचार के कारण रोम के जेल में बा। इहे मतलब बा जवना के पौलुस "प्रभु खातिर दुःख उठावल" कहत बाड़ें।

रोमियों 8:17 में पौलुस मसीह के साथ दुःख उठावे के बात करेला—

"आ अगर हम ओकर सन्तान हईं, त वारिसो हईं— परमेश्वर के वारिस आ मसीह के साथे सह-वारिस; अगर हम ओकर साथ दुःख उठावत बानी, त ओकर साथे महिमा भी पाइब।"

यीशु के साथ हम जे एकमात्र दुःख साझा कर सकत बानी, ऊ बा— सताव। जब यीशु दमिश्क के रास्ता पर शाऊल के दिखाई पड़लें (जो आगे चलकर पौलुस कहलाए), त शाऊल मसीहियन के पकड़वे जात रहल। यीशु शाऊल से कहलें कि मसीहियन के सतावे के मतलब, खुद ओकरा सतावल ह।

"आ जब ऊ राह में जात रहल आ दमिश्क के नजदीक पहुँच गइल, त अचानक आकाश से एगो ज्योति ओकर चारों ओर चमक उठल, आ ऊ जमीन पर गिर पड़ल। तब ऊ एक आवाज सुनलस जे ओकरा से कहत रहे—

'शाऊल, शाऊल, तू हमके काहे सतावत बाड़?'

ऊ पूछलस— 'हे प्रभु, रउआ के हईं?'

जवाब मिलल— 'हम यीशु हईं, जेके तू सतावत बाड़।'"

(प्रेरितों के काम 9:4–5)।

मसीही लोग मसीह के देह हईं, आ हम सिर— प्रभु यीशु मसीह— से जुड़ल बानी। जब देह सतावल जाला, त सिर भी सतावल जाला।

प्रेरितों के काम के पुस्तक में हम देखत बानी कि यीशु के पहिले अनुयायी दू तरह के दुःख के अनुभव कइलें। ऊ लोग सुसमाचार के प्रचार के कारण मार खइलें, जेल गइनी, निन्दा सहनी, आ इहाँ तक कि मौत भी झेलनी।

एह के साथ-साथ, ऊ लोग शारीरिक असुविधा भी सहनी— यात्रा के कठिनाई के कारण, सामने आवे वाला रुकावट के कारण, आ ओह सब चीज के कारण जे ऊ लोग त्याग देले रहल, जब ऊ लोग यीशु के मृत्यु, गाड़े जाए आ पुनरुत्थान के संदेश दुनिया भर में ले जाए लागल।

प्रेरितों के काम 5 में हम ई देखत बानी, जब यरूशलेम के यहूदी अगुआ लोग यीशु के नाम से चमत्कार करे के कारण प्रेरितन के पकड़ लिहल। ओह रात एक स्वर्गदूत प्रेरितन के छुड़ा दिहल आ कहल कि मंदिर में जाके यीशु के संदेश सुनाईं। जब धार्मिक अधिकारी सुने कि प्रेरित मंदिर में प्रचार करत बाड़ें, त ऊ लोग फेरु ओकरा पकड़ लिहल आ महासभा के सामने ले आइल।

“आ जब ऊ लोग प्रेरित लोग के बुलवाके पिटववलस, त ई आज्ञा दिहलस कि यीशु के नाम से ना बोलसु, आ उनकरा लोग के छोड़ दिहलस। तब ऊ लोग महासभा के सामने से खुश होत चल गइल कि ऊ ओकर नाम खातिर अपमान सहे के योग्य गिनल गइले।”

(प्रेरितों के काम 5:40–41)।

एह घटना में साफ-साफ परिभाषित कइल गइल बा कि प्रभु खातिर दुःख उठावे के मतलब का बा— सुसमाचार के प्रचार के कारण सताव सहना।

प्रेरितों के काम के पुस्तक में अइसन एको उदाहरण नाहीं मिलेला, जहाँ पहिले मसीहियन बीमारी, शारीरिक कमजोरी, रिश्तन के समस्या, भा एह तरह के अउरी कठिन हालत के “प्रभु खातिर दुःख उठावल” कहल गइल होखे।

जब प्रेरित लोग प्रेरितों के काम के पुस्तक में आ पत्रियन में प्रभु खातिर दुःख उठावे के बात कइलें भा ओकरा बारे में लिखलें, त हर बेर ओकर संदर्भ सताव से आ ओह कठिनाइयन से

जुड़ल रहल, जे सुसमाचार के प्रचार के कारण आवे करत रहल— ठीक ओही तरह के दुःख, जवना के अनुभव ऊ लोग खुद कइले रहल।

एक चुना हुआ पात्र

कभी-कभी लोग कहेलें कि प्रेरित पौलुस एक चुना हुआ पात्र रहल, जवना के प्रभु खास तौर पर दुःख उठावे खातिर चुन लिहलें, आ ई कि मसीही लोग भी अइसने दुःख खातिर चुनल जा सकेलें।

लेकिन बाइबल एह विश्वास के समर्थन नहीं करेला। पवित्रशास्त्र ई कहेला कि पौलुस एक चुना हुआ पात्र रहल, जवना के सुसमाचार के प्रचार खातिर बुलावल गइल रहल।

"बाकिर प्रभु ओकरा से कहलन, 'जा, काहे कि ऊ हमार चुना हुआ पात्र ह, ताकि हमार नाम गैर-यहूदी लोग, राजा लोग आ इस्राएली लोग के सामने प्रगट करे; काहे कि हम ओकरा के देखाइब कि हमार नाम खातिर ओकरा के कतना बड़ा दुःख उठावे के पड़ी।'

(प्रेरितों के काम 9:15–16)।

प्रेरितों के काम 9 में पौलुस के मन फिराव से लेके प्रेरितों के काम के पुस्तक के आखिरी तक, हमनी के ओह सब दुःख के पूरा ब्योरा मिलेला, जवना के पौलुस सहलें।

पौलुस के जीवन में जे दुःख आइल, ऊ सताव रहल आ ऊ कठिनाइयाँ रहल, जे सुसमाचार के प्रचार करे आ ओकरा फैलावे से जुड़ल रहल।

पौलुस के ई सब बात सहनी पड़ल— एह खातिर नाहीं कि ओकर परीक्षा लिहल जाए, भा ताड़ना दिहल जाए, भा ओकरा दीन बनावल जाए— बल्कि एह खातिर कि ऊ लोगन तक उद्धार, चंगाई आ छुटकारा पहुँचा सके।

पौलुस खुद स्वीकार कइलें कि ओकर जीवन में एतना अधिक दुःख काहे आइल।

ऊ कहलें— "अगर हम क्लेश में पड़त बानी, त ई तोहरा शान्ति आ उद्धार खातिर ह।"

(2 कुरिन्थियों 1:6)।

एह के बाद ऊ एशिया में— खास करके इफिसुस नगर में (प्रेरितों के काम 19:21–41)— ओकरा पर आइल सताव के जिक्र करेलें:

"काहे कि हे भाई लोग, हम ना चाहत बानी कि तू लोग ओह क्लेश से अनजान रह जाव जे एशिया में हम पर पड़ल रहे, कि हम बहुत भारी रीति से दबा दिहल गइनी, एतना कि जियते बचे के आसो ना बचल रहे।"

(2 कुरिन्थियों 1:8)।

अपनी शहादत से कुछ समय पहिले, पौलुस जेल से अपने विश्वास में बेटा समान तीमुथियुस के एक चिट्ठी लिखलें। ऊ तीमुथियुस से कहलें—

"ई हमार सुसमाचार ह, जे खातिर हम एतना दुःख उठावत बानी कि अपराधी जइसन जंजीर में बाँधल बानी;

बाकिर परमेश्वर के वचन बाँधल ना ह। एह कारण हम चुनल गइल लोग खातिर सब कुछ सह लेत बानी, ताकि ऊ लोग भी ऊ उद्धार पा सको जे मसीह यीशु में बा, आ ओकर साथ अनन्त महिमा भी।"

(2 तीमुथियुस 2:8–10)।

पौलुस दुःख उठा रहल रहलें काहे कि ऊ सुसमाचार के प्रचार कर रहल रहलें, आ ऊ एह कठिनाइयन के सहे खातिर तैयार रहलें, ताकि लोग यीशु मसीह के द्वारा मिले वाला उद्धार के बारे में सुन सके।

पौलुस के जीवन में जे दुःख आइल, ऊ खुद में कोई लक्ष्य नाहीं रहल, बल्कि एक लक्ष्य तक पहुँचे के साधन रहल। पौलुस अइसन दुःख नहीं सहलें, जे खाली परमेश्वर के ही जाने वाला

किसी गुप्त सार्वभौमिक उद्देश्य खातिर होखे। ऊ दुःख एह खातिर सहलें कि ऊ जादा से जादा लोगन तक उद्धार के शुभ समाचार पहुँचा सके।

कुछ लोगन के जीवन पर अइसन बुलाहट हो सकेला कि ऊ पौलुस जइसन सुसमाचार के प्रचार खातिर असाधारण हालत से गुजरें। लेकिन ऊ दुःख परमेश्वर के बनावल भा पहिले से तय कइल गइल नाहीं होखेला।

पौलुस कुलुस्सी के विश्वासियन के भी लिखलें—

"अबो हम तोहरा खातिर अपना दुःख में आनन्द करत बानी, आ मसीह के क्लेश में से जे हमार ओर से अबहियो बाकी बा, ओकरा के ओकर देह, मतलब कलीसिया खातिर, अपना शरीर में पूरा करत बानी।"

(कुलुस्सियों 1:24)।

पौलुस के एह कथन में कुछ खास बात पर ध्यान दीं। पौलुस कहलें कि ऊ कुलुस्सियन खातिर दुःख उठावत बाड़ें।

ऊ उनका खातिर का दुःख सहलें?

सताव आ ऊ कठिनाइयाँ, जे यीशु के संदेश के प्रचार करत समय ओकरा झेलनी पड़ल।

पौलुस कहलें कि ऊ मसीह के ओह क्लेश में सहभागी हो रहल बाड़ें, जे अभी बाकी रहल।

मसीह के ऊ दुःख, जे ऊ सलीब पर हमनी के पाप, हमनी के बीमारी, आ हमनी के दण्ड अपने ऊपर लेके सहलें— ऊ खाली ओकर ही खातिर रहल, आ ऊ तब पूरा हो गइल जब ऊ मरे हुओं में से जी उठल।

मसीह के जिन दुःख में पौलुस भा हमनी में से कोई भी सहभागी हो सकेनी, ऊ खाली सताव आ ऊ कठिनाइयाँ हवे, जे सुसमाचार के प्रचार करत समय आवेली।

याद रखीं— यीशु कहलें रहलें कि मसीहियन पर होखे वाला सताव, ऊ खुद ओकरा पर होखे वाला सताव मानेलें, काहे कि हम ओकर देह बानी।

पौलुस के शरीर में काँटा

पौलुस के दुःख पर हो रहल हमनी के चर्चा हमनी के बाइबल के सबसे जादा विवादित विषयन में से एक तक ले आवतिया— पौलुस के शरीर में काँटा।

पौलुस लिखत बाड़ें:

“आ एह खातिर कि हम इन प्रगटियन के अधिकता से बहुत जादा घमण्ड ना कर बइठीं, त हमार शरीर में एक काँटा दिहल गइल— मतलब शैतान के एगो दूत, जे हमके मुक्का मारे, ताकि हम बहुत जादा घमण्ड ना कर बइठीं।”

(2 कुरिन्थियों 12:7)।

बहुत लोग मान लेत बाड़ें कि पौलुस के शरीर में ई काँटा परमेश्वर द्वारा भेजल गइल कोई बीमारी रहल, जेकर मकसद पौलुस के दीन बनवावल रहल।

लेकिन ई पद खुद साफ-साफ बतावत बा कि पौलुस के शरीर में काँटा शैतान के दूत रहल।

नया नियम के मूल भाषा यूनानी में “दूत” खातिर जे शब्द इस्तेमाल भइल बा, ऊ अग्गेलोस ह।

अग्गेलोस शब्द पवित्रशास्त्र में 188 बेर आवेला, आ हर बेर ओकर मतलब कउनो “प्राणी” भा “व्यक्तित्व” होला।

ई शब्द कबो “बीमारी” के मतलब में इस्तेमाल नइखे भइल।

“काँटा” शब्द के इस्तेमाल पुरान नियम आ नया नियम दुनो में— शाब्दिक आ रूपक, दुनो तरह से भइल बा।

कुछ जगह ई असली काँटा खातिर इस्तेमाल भइल बा, आ कुछ जगह ओह लोगन खातिर, जे परेशानी पैदा करे लें

(गिनती 33:55; यहोशू 23:13; न्यायियों 2:3)।

पौलुस साफ कहलें कि ई "दूत" भा "स्वर्गदूत" परमेश्वर से नाहीं, बल्कि शैतान के ओर से रहल।

पूरा संदर्भ से ई बात एकदम साफ हो जाला कि ई काँटा शैतान के ओर से भेजल गइल एक सतावे वाला प्राणी रहल, जे पौलुस के सतावे आइल रहल।

पौलुस बतावत बाड़ें कि ऊ तीन बेर प्रभु से बिनती कइलें कि ई काँटा ओकरा से दूर कर देल जाए।

प्रभु के जवाब रहल:

"मेरा अनुग्रह तोहरे खातिर बहुत बा, काहे कि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होखेला।"

एह जवाब पर पौलुस कहलें:

"एह खातिर अब मैं बहुत आनन्द से अपनी निर्बलतन पर घमण्ड करब, ताकि मसीह के सामर्थ मुझ पर छाई रहे"

(2 कुरिन्थियों 12:9)।

पौलुस एह दूत के विरोध के "निर्बलता" कहलें।

अब सवाल ई बा— ई निर्बलता असल में का बा?

कुछ लोग कहेलें कि ई आँख के कोई बीमारी रहल, जवना के परमेश्वर चंगा करे से मना कर दिहलें।

लेकिन हमनी के बाइबल पढ़े के एक बुनियादी सिद्धान्त ना भूले के चाहीं—

पवित्रशास्त्र के व्याख्या पवित्रशास्त्र से ही होखे के चाहीं।

"शरीर में काँटा" वाला पद से कुछ पद पहिले, पौलुस खुद विस्तार से ओह निर्बलतन के सूची देत बाड़ें, जवना के ऊ सहलें:

“का ऊ मसीह के सेवक बाड़ें?

(मैं मूर्ख जइसे बोलतानी) मैं उनसे बढ़कर बानी—

अधिक परिश्रम में, बहुत कोड़ों में, बार-बार कैद में, बार-बार मृत्यु के खतरा में।

यहूदियन से पाँच बेर उनतालीस-उनतालीस कोड़े खइनी।

तीन बेर बेंत से पीटल गइनी, एक बेर पत्थरवाह भइनी, तीन बेर जहाज टूटल, एक रात आ एक दिन समुद्र में बितइनी।

बार-बार यात्रा में, नदियन के खतरा में, डाकूअन के खतरा में, अपनी जाति से खतरा में, अन्यजातियन से खतरा में, नगरन में खतरा में, जंगल में खतरा में, समुद्र में खतरा में, झूठा भाईयन के बीच खतरा में;

परिश्रम आ कष्ट में, बार-बार जागत रहे में, भूख आ प्यास में, बार-बार उपवास में, ठंड आ नंगई में।

एह सब बातन के अलावा, रोज-रोज सब कलीसियन के चिन्ता मुझ पर रहेला।

कौन निर्बल बा, आ मैं निर्बल नाहीं बानी?

कौन ठोकर खाला, आ मैं भीतर से जलत नाहीं बानी?

अगर मुझे घमण्ड करना ही बा, त मैं अपनी निर्बलतन पर घमण्ड करब”

(2 कुरिन्थियों 11:23–30)।

ध्यान दीं—

पौलुस अपनी निर्बलतन के सूची में कहीं भी बीमारी भा रोग के जिक्र नइखन कइले।

जे लोग मानेलें कि पौलुस के काँटा आँख के बीमारी रहल, ऊ लोग अक्सर गलातियों 4:15 के हवाला देत बाड़ें:

“तब ऊ धन्यता कहाँ रही, जवना के तुम बात करत रहल?

मैं तुमहनी के गवाही देतानी कि अगर हो सके, त तुम अपनी आँख निकाल के मुझे दे देत।”

ऊ लोग कहेलें कि पौलुस ई एह खातिर कहलें, काहे कि गलातिया के लोग ओकर गंभीर आँख के बीमारी से बचावे खातिर एतना दूर तक जाए के तैयार रहल।

गलातिया, एशिया माइनर के एक प्रान्त रहल।

गलातिया के लुस्त्रा नगर में, पौलुस के सुसमाचार के प्रचार के कारण पत्थरवाह कइल गइल आ मरा समझ के छोड़ दिहल गइल।

एह भयानक पत्थरवाह के बावजूद, पौलुस उठलें, अपने सहकर्मी बरनबास के साथ गइनी, आ अगिला दिन लगभग 15 मील पैदल चल के दर्बे नगर पहुँच गइनी।

ओकर बाद ऊ फेरु लुस्त्रा आ दू गो अउरी नगर में जाके सुसमाचार के प्रचार करे लगलें

(प्रेरितों के काम 14:19–21)।

जब पौलुस एह नगरन में प्रचार कर रहल रहलें, त ऊ हाल ही में भयानक पत्थरवाह से गुजरल रहलें।

हालाँकि ऊ उठ खड़ा भइनी, त ओकर शरीर पर नील, घाव आ कटाव के साफ निशान मौजूद रहल।

पौलुस खुद कहलें:

“अब से कोई मुझे कष्ट न दे, काहे कि मैं अपने शरीर पर प्रभु यीशु के चिन्ह ढोवत फिरतानी—

ऊ घाव, ऊ निशान, आ सताव के बाहरी प्रमाण, जे ई बतावत बा कि मैं ओकर हई”

(गलातियों 6:17)।

पौलुस के आँखन के परेशानी किसी बीमारी से नाहीं, बल्कि हाल ही में भइल ओह भयानक पत्थरवाह के नतीजा रहल।

अब तक शायद आप सोचत होखब—

“ठीक बा, काँटा चाहे कुछ भी रहल हो, लेकिन परमेश्वर ही पौलुस के दीन बनावे खातिर ओकरा दिहल होई।”

एह सोच में कई गो समस्या बा।

पहिली बात—

बाइबल साफ-साफ कहत बा कि ऊ काँटा परमेश्वर से नाहीं, बल्कि शैतान से आइल रहल।

दूसरी बात—

2 कुरिन्थियों 12:7 ई कहत बा कि ऊ काँटा पौलुस के उत्कृष्ट ठहरे से रोके खातिर रहल, न कि ओकरा घमण्ड से बचावे खातिर।

अब एह बात के थोड़ा अउरी गहराई से समझीं।

पौलुस के परमेश्वर से बहुत अद्भुत आ महान प्रकाशन मिलल रहल

(2 कुरिन्थियों 12:1–4)।

शैतान ना चाहत रहल कि पौलुस द्वारा मिलल एह प्रकाशन लोग स्वीकार करे।

एह खातिर ऊ एक दुष्ट स्वर्गदूत— एक पतित स्वर्गदूत, एक दानव— पौलुस के सतावे खातिर भेजलस।

ई पूरा विवरण प्रेरितों के काम के पुस्तक से पूरी तरह मेल खात बा।

पौलुस कउनो नगर में जात रहलें, सुसमाचार के प्रचार करत रहलें, फेर कउनो आदमी भा शक्ति भीड़ के भड़कावत रहल, आ नतीजा में पौलुस पर हमला भइल, ओकरा जेल में डालल गइल, भा नगर से बाहर निकाल दिहल गइल

(प्रेरितों के काम 13:45; 14:2–6; 19:21–41)।

शैतान हमेशा जीवन के कठिनाइयन के जरिये परमेश्वर के वचन चुरावे के कोशिश करेला।

(अध्याय 3 में हम शैतान के काम करे के तरीका पर चर्चा कइले बानी।)

पौलुस कहलें कि ऊ काँटा शैतान से आइल "ताकि मैं बहुत जादा उत्कृष्ट न ठहरूँ।"

यूनानी भाषा में "उत्कृष्ट" शब्द दू गो शब्द से बनल बा—

हूपर, मतलब "ऊपर",

आ आइरो, मतलब "उठाना।"

परमेश्वर के वचन से मिलल ज्ञान कउनो के भी—यहाँ तक कि पौलुस के भी—

जीवन के कठिनाइयन आ चुनौतियन से ऊपर उठा सकेला।

शैतान पौलुस के ऊपर उठे से रोके खातिर, ओकरा विजयी बने से रोके खातिर,

शरीर में काँटे के जरिये परमेश्वर के वचन चुरावे के कोशिश कइलस।

लेकिन शैतान के ई कोशिश नाकाम रहल।

पौलुस जिन कठिनाइयन के सामना कइलें,

ऊ सब के ऊ "क्षणिक आ हल्का क्लेश" कहलें।

ऊ ओकरा दबा ना सकल।

ऊ कहलें कि ऊ देखाई देवे वाली बातन पर नाहीं,

बल्कि न देखाई देवे वाली बातन पर नजर रखत बाड़ें

(2 कुरिन्थियों 4:17–18)।

परमेश्वर के वचन पर ध्यान देके—

जे परमेश्वर के अदृश्य सामर्थ आ ओकर व्यवस्था प्रकट करेला—

पौलुस अपने जीवन के कई परीक्षन से ऊपर उठलें।

पौलुस के खुद के गवाही रहल:

“मेरा परमेश्वर के अनुग्रह मेरे खातिर पर्याप्त बा।

उसकी सामर्थ मेरी निर्बलता में सिद्ध होखेला”

(2 कुरिन्थियों 12:9)।

कई लोग मुझसे पूछले बाड़ें:

“अगर पौलुस के काँटा शैतान के दूत रहल, त जब पौलुस ओकरा हटावे खातिर प्रार्थना कइलें,

त परमेश्वर ओकरा काहे ना हटवलें?”

जब पौलुस परमेश्वर से काँटा हटावे के कहले रहलें, त ऊ परमेश्वर से अइसन बात माँगत रहलें, जवना के परमेश्वर कबो वादा नइखन कइले।

परमेश्वर एह समय शैतान के हटा देवे के कोई वादा नइखन कइले।

बाइबल कहत बा कि शैतान एह संसार के देवता बा, आ यीशु के दोबारा आवे तक ऊ अपनी गतिविधि करत रही।

ओह समय तक परमेश्वर हमनी के बतावत बाड़ें कि हमनी के बचाव का बा—

शैतान के सामना करना।

“एह खातिर परमेश्वर के अधीन हो जाईं;

शैतान के विरोध करीं, त ऊ तुमहनी के पास से भाग जाई”

(याकूब 4:7)।

परमेश्वर ई भी बतावत बाड़ें कि ओकर अनुग्रह हमनी खातिर आ हमनी के ओर से पर्याप्त बा, ताकि शैतान जो कुछ भी हमनी के रास्ता में लावे,

हमनी ओकर सामना कर सकीं।

का दुःख के द्वारा सिद्ध आ शुद्ध कइल जाला?

मसीही दुःख के समझ अक्सर गलत बुझा जाला, काहे कि बहुते लोग ई मानेला कि परमेश्वर हमनी के सिखावे, सिद्ध करे आ शुद्ध करे खातिर कठिनाई आ दुःख सहे देला। कई बेर मसीही लोग इस्राएलियन के जंगल वाला अनुभव के उदाहरण देला आ कहेला कि ई दुःख प्रभु के ठहरावल रहे, ताकि उहाँ के लोग बढ़े आ परिपक्व होखे।

लेकिन जब हम उनका इतिहास के गहिराई से अध्ययन करेनी, त देखेनी कि इस्राएलियन प्रतिज्ञा कइल गइल देश में प्रवेश करे से इन्कार कर दिहलस, आ आपन विद्रोह आ अविश्वास के कारण चालीस बरिस ले जंगल में भटके पर मजबूर भइल (गिनती 14:22–35)। उनका जंगल के सफर कउनो खास उद्देश्य खातिर परमेश्वर द्वारा ओह जगह ले जाइल गइल न रहे। असल में, बाइबल इस्राएल के ओह अनुभव के सराहना ना करेले, बल्कि हमनी के चेतावनी देले कि ना त हम उनका उदाहरण के अपनाईं आ ना ही उनका अनुभव के दोहराईं (इब्रानियों 3:17–19; 4:1–2, 11)।

परमेश्वर हमनी के आपन आत्मा के द्वारा, आपन वचन के माध्यम से सिखावेला आ सिद्ध करेला, ना कि दुःख आ क्लेश भेज के या ओकरा सहे दे के। पवित्र आत्मा कलीसिया के

शिक्षक बा (यूहन्ना 14:26) आ उहाँ के शिक्षण के औजार परमेश्वर के वचन बा (इफिसियों 6:17)।

“पूरा पवित्रशास्त्र परमेश्वर के प्रेरणा से रचल गइल बा आ उपदेश देवे, समझावे, सुधार करे आ धार्मिकता में शिक्षा देवे खातिर लाभदायक बा, ताकि परमेश्वर के जन सिद्ध बने आ हर भला काम खातिर तैयार होखे” (2 तीमुथियुस 3:16–17)।

परमेश्वर कलीसिया के सेवकाई के वरदान भी दिहले बा—प्रेरित, भविष्यवक्ता, सुसमाचार प्रचारक, पास्टर आ शिक्षक—“ताकि पवित्र लोग सिद्ध कइल जाए” (इफिसियों 4:11–12)। जब ई सेवकाई-वरदान वचन के प्रचार आ शिक्षा देला, त पवित्र आत्मा ओही वचन के द्वारा संत लोग के सिद्ध, यानी परिपक्व करेला।

परमेश्वर हमनी के आपन वचन के द्वारा शुद्ध करेला।

“हे पतियन, आपन पत्नियन से प्रेम रख, जइसे मसीह भी कलीसिया से प्रेम क के आपन आप ओकरा खातिर दे दिहलस, ताकि ऊ ओकरा वचन के द्वारा जल के स्नान से पवित्र आ शुद्ध करे, आ ओकरा आपन खातिर अइसन महिमामय कलीसिया ठहरावे जेमे ना दाग हो, ना झुर्री, ना कउनो अइसन बात, बल्कि ऊ पवित्र आ निर्दोष हो” (इफिसियों 5:25–27)।

यीशु आपन चेलन से कहलस, “अब तुम ओह वचन के कारण, जवन मैं तुमसे कहलें हईं, शुद्ध हो गइल बाड़” (यूहन्ना 15:3)।

अब ध्यान दीं कि पद 2 का कहेला:

“जे डाली मुझ में रह के फल ना लावेला, ओकरा ऊ काट देला; आ जे फल लावेला, ओकरा ऊ छाँटेला, ताकि ऊ आउर फल लावे।”

कुछ मसीही ई मानेला कि परमेश्वर हमनी के दुःख के द्वारा छाँटेला या शुद्ध करेला, ताकि हम उहाँ खातिर जादे फलवन्त बन सकीं। लेकिन यीशु पद 3 में साफ-साफ बतावत बा कि उहाँ के अनुयायी उहाँ के वचन के द्वारा शुद्ध कइल जालें। “छाँटना” आ “शुद्ध करना”—ई दुनो शब्द यूनानी भाषा में एके शब्द ह। यीशु हमनी के आपन वचन के द्वारा शुद्ध करेला।

इब्रानियों 5:8 के भी कई बेर हवाला दिहल जाला, ताकि ई साबित कइल जा सके कि यीशु दुःख के द्वारा आज्ञाकारिता सिखलस, आ एह से हमनी के भी दुःख के द्वारा सीखे के उम्मीद करे के चाहीं। ओह पद में लिखाइल बा:

“यद्यपि ऊ पुत्र रहे, तउ भी ऊ दुःख उठा के आज्ञाकारिता सिखलस।”

ई पद के मतलब ई ना हो सकेला कि यीशु पहिले पिता के आज्ञा ना मानत रहे आ ओकरा आज्ञाकारी बने खातिर दुःख सहे के पड़ल। बाइबल कहेला कि यीशु हर बात में पिता के पूरा आज्ञाकारी रहे (यूहन्ना 8:29)। त फेर ई पद के सही मतलब का बा?

इब्रानियों 5:7 एह के संदर्भ देला:

“ऊ आपन देहधारी जीवन के दिनन में ऊँचा शब्द आ आँसू के साथ उहाँ से प्रार्थना आ विनती करत रहल, जवन ओकरा मृत्यु से बचा सकेला, आ उहाँ के भक्ति के कारण उहाँ के सुनी गइल।”

ई पद गतसमनी के बाग में यीशु के अनुभव के ओर इशारा करेला, जहाँ ऊ बहुत वेदना के साथ पिता से प्रार्थना कइलस:

“हे मोर पिता, अगर हो सके त ई कटोरा मुझसे टल जाए; तउ भी जइसे मैं चाहत हईं ओइसन ना, बल्कि जइसे तू चाहत बाड़ ओइसन ही हो” (मत्ती 26:39)।

बाइबल कहेला कि यीशु आपन मनुष्यता में हर बात में हमनी जइसन परीक्षा झेललस, फिर भी ऊ निष्पाप रहल। जइसे-जइसे क्रूस पर चढ़े के समय नजदीक आवत गइल, आ ऊ आगे आवे वाला भयानक दुःख के पूरा होश में रहे, ओकरा सामने ई परीक्षा रहे कि ऊ परमेश्वर के इच्छा छोड़ दे आ क्रूस पर जाए से इन्कार कर दे। लेकिन ऊ पिता के इच्छा के अधीन होके ओह परीक्षा पर जय पवलस। एही संदर्भ में बाइबल कहेला कि यीशु जवन दुःख उठवलस, ओकरा द्वारा ऊ आज्ञाकारिता सिखलस। मतलब ई कि यीशु—एक मनुष्य के रूप में—ई अनुभव कइलस कि बहुत बड़का दाम चुका के, यहाँ तक कि आपन आप के महान दुःख में डाले के बाद भी, परमेश्वर के आज्ञा मानल का होला।

इब्रानियों 5:8 के कुछ अउरी अनुवाद एह बात के अउरी साफ करेला:

“यद्यपि ऊ पुत्र रहे, तउ भी जवन कुछ ऊ सहलस, ओकरा द्वारा ऊ आज्ञाकारिता के मतलब सिद्ध कइलस।”

बेसिक इंग्लिश न्यू टेस्टामेंट कहेला:

“जवन पीड़ा से ऊ होके गुजरल, ओकरा द्वारा ओकरा ई ज्ञान भइल कि परमेश्वर के आज्ञा के अधीन होखल का होला।”

यीशु के जीवन हमनी खातिर एक उदाहरण बा कि दुःख के कइसे देखल जाए आ ओकरा सामना कइसे कइल जाए। जइसे यीशु बहुत बड़का दाम चुका के पिता के आज्ञा मानलस, ओइसहीं हमनी के भी आपन स्वर्गीय पिता के आज्ञा माने के बा—भले ही एह खातिर हमनी के आपन इच्छा के त्याग काहे ना करे के पड़े। जब यीशु आपन सतावे वाला लोग के हाथ से दुःख सहत रहल, त ऊ प्रेम से जवाब दिहलस आ आपन आप पिता के सौंप दिहलस।

“एही खातिर त तुम बुलावल गइल बाड़, काहे कि मसीह भी तुम्हारे खातिर दुःख उठवलस आ तुम्हारे खातिर एक आदर्श छोड़ गइल, ताकि तुम उहाँ के चिन्हन पर चलो। ऊ ना त पाप कइलस आ ना ओकर मुँह से छल के बात निकलल। जब लोग ओकरा गाली देत रहे, त ऊ बदला में गाली ना देत रहे; आ दुःख उठावत समय धमकी ना देत रहे, बल्कि आपन आप ओकरा सौंप देत रहे जवन ठीक-ठीक न्याय करेला” (1 पतरस 2:21–23)।

जब हमनी सताव सहेला, त हमनी के भी यीशु जइसन पवित्र आत्मा के मदद पर निर्भर रह के प्रतिक्रिया देवे के बा।

संभव बा रउआ लोगन से सुनले होखीं कि जब हम बीमारी आ पीड़ा, खराब वैवाहिक जीवन, अभाव आ जीवन के अउरी नकारात्मक हालात सहेला, त ई ही हमार “उठावे के क्रूस” ह। लेकिन आदमी के बीमारी, पीड़ा आ पाप से बिगड़ल धरती के असरन के क्रूस उठावे के कउनो जरूरत नइखे। यीशु बीमारी, पीड़ा आ पाप के सारा शाप आपन क्रूस पर उठा लिहलस, ताकि हमनी के ओकरा उठावे के ना पड़े।

बाइबल ई जरूर कहेला कि हमनी के आपन क्रूस उठावे के बा:

“अगर कउनो मोरे पीछे आना चाहे, त ऊ आपन आप से इन्कार करे आ हर दिन आपन क्रूस उठा के मोरे पीछे हो ले” (लूका 9:23)।

लेकिन ऊ क्रूस का बा जवन हमनी के उठावे के कहल गइल बा?

यीशु खातिर उहाँ के क्रूस—दूसर बातन के साथ-साथ—पिता के इच्छा के प्रति पूरा समर्पण के जगह रहे। ओइसहीं, रउआ क्रूस रउआ जीवन खातिर परमेश्वर के इच्छा के प्रति पूरा समर्पण आ आज्ञाकारिता के जगह बा। जब यीशु कहलस, “हर दिन आपन क्रूस उठाओ,” त ऊ बीमारी, पीड़ा आ कष्ट के बात नइखे करत। ऊ आपन चेलन से कहत रहे,

“अगर तुम मोरे पीछे चलल चाहत बाड़, त आपन इच्छा आ आपन राह से इन्कार करो, आ आपन जीवन के हर क्षेत्र में हर दिन पिता के इच्छा के प्रति पूरा समर्पण चुना।”

हम दुःख उठाइब

त तब सवाल ई उठेला कि साँच, आज्ञाकारी आ पूरा समर्पित मसीही लोग अक्सर अपने आप के कठिन हालात में काहे पावत बाड़ें? एह सवाल के कई जवाब हो सकेला, लेकिन ए बातन पर जरूर ध्यान दीं।

ई कहे के जरूरत नइखे कि पाप से शापित एह धरती पर जीवन आसान नइखे। एह के मतलब ई बा कि हमनी में से कउनो भी आदमी एह जीवन में अपने गन्तव्य तक पहुँचे खातिर कउनो आसान रास्ता नइखे पावत—एह से नाहीं कि परमेश्वर दुःख भेज रहल बा या जानबूझ के ओकरा होखे दे रहल बा, बल्कि एह से कि हम अइसन संसार में रहत बानी जा जवन पाप के कारण गहिराई से बिगड़ चुकल बा। रास्ता कठिन हो सकेला, काहे कि गन्तव्य तक पहुँचे खातिर कई बेर बस एके रास्ता होला, आ ओह रास्ता में जीवन के अनदेखी आ अनपेक्षित कठिनाइयाँ भी शामिल रहेली। इस्राएल खातिर मिस्र से प्रतिज्ञा कइल गइल देश तक पहुँचे के बस एके रास्ता रहे—सीनै प्रायद्वीप से होके—जवन सूखा आ पहाड़ी इलाका रहे। इस्राएल के ओह इलाका के सगरी चुनौती के सामना करे के पड़ल।

रास्ता सताव के कारण भी कठिन हो सकेला। शद्रक, मेशक आ अबेदनगो के कउनो दुष्ट राजा आग के भट्टी में एह से नइखे डलववलस कि परमेश्वर आग के जरिये उनका शुद्ध

करे चाहता रहे, बल्कि एह से कि ऊ लोग झूठे देवता के पूजा करे से इन्कार कर दिहलस। रास्ता एह कारण से भी कठिन हो सकेला कि जंगल में अइसन लोग मिल जाला जिनकर मदद के जरूरत होला, आ हमनी के उनका लगे जाके मदद करे के पड़े ला। पौलुस अइसन बहुत जगह गइल जहाँ ओकरा बहुत दुःख उठावे के पड़ल, लेकिन ऊ एह खातिर गइल कि लोगन के अन्धकार से निकाल के मसीह के ज्योति में ले आवे।

रास्ता हमनी के आपन गलत निर्णय आ चुनौती के कारण भी कठिन हो सकेला। इस्राएल आपन बुरा फैसला, अविश्वास आ अवज्ञा के कारण जंगल में फँसल रहे। अगर रउआ अविश्वास आ अवज्ञा के कारण कउनो जंगल के अनुभव में बानी, त पश्चाताप कइल आ ओह हालत से बाहर निकले के अपना प्राथमिकता बना लीं। बरिसन भर के बुरा फैसला आमतौर पर एक अच्छा फैसला ले रातों-रात खतम नइखे हो जाला। हालात बदले खातिर समय लागेला आ अच्छा फैसला के एक पूरी शृंखला के जरूरत पड़े ला, लेकिन ई मेहनत बेकार ना जाई। जब रउआ आपन जंगल के अनुभव से बाहर निकलीं, त एह बात के जरूर याद रखीं: इस्राएल के गलत फैसला उनका जंगल में ले आइल, फिर भी उनका फैसला के बावजूद परमेश्वर आपन भलाई उनका पर प्रकट कइलस। ऊ पिता जइसन उनका देखभाल कइलस आ लगातार उनका जरूरत पूरा करत रहल।

“जंगल में…तू देखलस कि यहोवा तेरा परमेश्वर तुझे ओइसहीं उठाए फिरत रहल जइसे कउनो पिता आपन बेटा के उठाए फिरत बा, ओह सारा रास्ता में जब तक तू एह जगह पर ना पहुँच गइनी। यहोवा तेरा परमेश्वर तेरे हाथन के सब काम में तुझे आशीष देत रहल; एह बड़का जंगल में तेरी यात्रा पर ऊ नजर रखत रहल। एह चालीस बरिस में यहोवा तेरा परमेश्वर तेरे साथे रहल, आ तुझे कउनो चीज के कमी ना भइल” (व्यवस्थाविवरण 1:31; 2:7)।

हाँ, हम मसीह खातिर दुःख उठाइब—नया नियम एह सच्चाई के साफ-साफ सिखावेला। लेकिन मसीही लोग के सामने आवे वाला दुःख ओही सताव आ व्यक्तिगत त्याग ह जवन प्रभु खातिर जीवन जिये के फैसला करे के नतीजा होला। जीवन के नकारात्मक हालत—जइसे बीमारी, कठिन रिश्ता, पीड़ा, हानि आ अउरी समस्या—पाप से भरल एह धरती पर जीवन के हिस्सा ह, आ ई चुनौती सब लोग के प्रभावित करेली। कठिनाई आ परेशानी पाप से शापित धरती के जीवन के भाग ह, लेकिन एह में से कउनो भी दुःख परमेश्वर के हाथ से नइखे आवत।

जब हम मसीह खातिर जीवन जीते आ सुसमाचार के प्रचार करत समय दुःख के अनुभव करेनी, त बाइबल ई प्रतिज्ञा करेली कि ओह समय में परमेश्वर सामर्थ, बल आ छुटकारा देई। प्रेरित पौलुस—हर हालत में—परमेश्वर के सहायता आ सुरक्षा के एह प्रतिज्ञा के रोम के मसीही लोग के लिखत समय अइसन बयान कइलस:

“कौन हमनी के मसीह के प्रेम से अलग करी? का क्लेश, का संकट, का सताव, का अकाल, का नंगाई, का खतरा, या तलवार? जइसे लिखाइल बा, तेरे खातिर हम दिन भर मारल जात बानी जा; हम वध होखे वाली भेड़न जइसन गिनल जात बानी जा। लेकिन एह सब बातन में हम ओकरा द्वारा, जवन हमसे प्रेम कइले बा, जयवन्त से भी बढ़ के हईं” (रोमियों 8:35–37)।

पौलुस ई भी लिखलस:

“लेकिन तू मोर शिक्षा, चाल-चलन, उद्देश्य, विश्वास, धीरज, प्रेम, सहनशीलता, आ ओह सताव आ क्लेशन के भली-भाँति जानत बाड़, जवन अन्ताकिया, इकुनियुम आ लुस्त्रा में मुझ पर पड़ल; मैं कइसे-कइसे सताव सहेनी; लेकिन प्रभु मुझ के ओह सब से छुड़ा लिहलस”

(2 तीमुथियुस 3:10–11)।

हाँ, लेकिन ताड़ना, अनुशासन या सुधार के बारे में का?

"ठीक बा, मान लिहल जाव कि परमेश्वर हमनी के सिद्ध करे खातिर ना त हमनी के कंधा पर सलीब रखेला आ ना ही हमनी के जबरन दुःख उठावे पर मजबूर करेला, लेकिन ओकर सुधार आ अनुशासन के का? का ऊ कबो हमनी के गलत कामन के कारण सजा देवे खातिर परेशानी ना भेजेला, ताकि हम बार-बार ओही गलती ना करीं?"

एह सवालन के जवाब हम कइसे दीं?

हाँ, बाइबल ई जरूर कहेली कि परमेश्वर आपन बचवन के सुधि लेला आ उनका अनुशासन में रखेला। पवित्रशास्त्र में एह खातिर जवन शब्द इस्तेमाल भइल बा, ऊ बा "ताड़ना"—एगो अइसन शब्द आ धारणा जवन अक्सर गलत समझ लिहल जाला। बहुत लोग ई मानेला कि प्रभु के ताड़ना के मतलब बा कि ऊ हमनी के जीवन में अनुशासन आ सुधार लावे खातिर दुर्घटना, कैंसर जइसन बीमारी, या अउरी दुखद हालात भेजेला। लोग अइसन बात कहेला आ माने ला: "मोर एक्सीडेंट हो गइल, जरूर प्रभु मोके ताड़ना दे रहल होई," या "मोर आपन आदमी के कैंसर हो गइल बा, प्रभु ओकरा ताड़ना दे रहल होई।" लेकिन नया नियम में ताड़ना के मतलब ई नइखे।

नया नियम में "ताड़ना" खातिर जवन यूनानी शब्द इस्तेमाल भइल बा, ऊ पाइदेइया ह। नीचे दिहल गइल पदन में जहाँ-जहाँ मूल भाषा में पाइदेइया शब्द आयल बा, उहाँ ओकर सही मतलब साफ हो जाला। प्रेरितों के काम 7:22 में लिखल बा कि "मूसा मिस्रियन के सगरी विद्या में शिक्षित भइल।" इफिसियों 6:4 में कहल गइल बा कि पिता आपन बचवन के "प्रभु के शिक्षा आ चेतावनी में" पाले। 2 तीमुथियुस 3:16 में लिखल बा कि पूरा पवित्रशास्त्र उपदेश, समझावे, सुधार आ धार्मिकता में शिक्षा देवे खातिर लाभदायक बा। तीतुस 2:12 कहेला कि

अनुग्रह हमनी के सिखावेला कि हम अधार्मिकता आ सांसारिक लालसा से इन्कार करके संयम, धार्मिकता आ भक्तिपूर्ण जीवन जियीं। एह सब पदन से ई साफ बा कि ताड़ना के मतलब बा—शिक्षा देना, सिखाना, पोषण करना आ प्रशिक्षण देना—ना कि दुर्घटना, बीमारी या त्रासदी भेजना। परमेश्वर कठिन हालात भेजके हमनी के अनुशासित नइखे करेला; ऊ आपन वचन के जरिये हमनी के अनुशासित आ ताड़ित करेला।

एह बात के याद रखीं कि यीशु ही परमेश्वर ह आ ओहिजे से हम परमेश्वर के पहचान पावत बानी। यीशु परमेश्वर के इच्छा के जीयत-जागत रूप रहलें, एह से हम ओकर जीवन देखके समझ सकत बानी कि परमेश्वर अनुशासन कइसे करेला। जब हम यीशु के धरती पर सेवकाई देखत बानी, त कउनो अइसन उदाहरण नइखे मिलत जहाँ ऊ लोगन के सिखावे खातिर उनका बीमार कइले होखस या उनका जीवन में आपदा आवे दिहल होखस। जब यीशु कउनो के व्यवहार से खुश ना होत रहलें, त ऊ तुरंत आपन शब्दन से उनका बता देत रहलें। यीशु लोगन के आपन वचन के जरिये ताड़ना दिहलें, अनुशासन कइलें आ सुधार कइलें। अगर यीशु अइसने तरीका से अनुशासन कइलें—आ यीशु के काम हमार स्वर्गीय पिता के काम के दर्शावेला—त हम पूरा विश्वास से कह सकत बानी कि पिता भी ओइसहीं तरीका से लोगन के अनुशासित आ ताड़ित करेला। यीशु खुद कहलें कि ऊ ओहिजे करेले जवन ऊ पिता के करत देखेला।

यीशु के एह धरती से स्वर्ग उठावल जाए के लगभग साठ बरिस बाद, ऊ पातमुस द्वीप पर निर्वासित आपन शिष्य यूहन्ना के दर्शन में दिखाई पड़लें। ओह समय यीशु यूहन्ना के जवन बात बतवलें, उहे प्रकाशितवाक्य के पुस्तक बनल। प्रकाशितवाक्य में यीशु एशिया माइनर में रहे वाली सात कलीसियन खातिर खास निर्देश दिहलें। एह निर्देश—जिन्हें अक्सर "पत्री" कहल जाला—में यीशु के प्रशंसा भी रहल आ सुधार भी। जब रउआ एह पत्रियन के पढ़त बानी, त रउआ देखत बानी कि यीशु कलीसिया आ ओकर सदस्यन के सुधि आपन वचनन के जरिये लिहलें।

यीशु सातों कलीसियन के दिहल आपन संदेश के अंत एह शब्दन से कइलें:

"जिनसे हम प्रेम करीलें, ओकरा के हम डाँटत आ सिखावत बानी; एह से जोश में रहा आ मन फेर ल।" (प्रकाशितवाक्य 3:19)।

डाँटना आ ताड़ना देना—ई दूनो वाचिक निर्देश ह। डाँटे के मतलब बा गलत के दिखाना, ताड़ना देना या अस्वीकार प्रकट करना; आ ताड़ना देवे के मतलब बा प्रशिक्षण देना, शिक्षा देना, या निर्देश के जरिये सुधार आ अनुशासन करना। जब यीशु ई कहलें, त ऊ पहिले से ही ओह कलीसियन के आपन वचनन से डाँट आ ताड़ना दे चुकल रहलें। पिता भी हमनी के आपन वचन के जरिये डाँटेला आ ताड़ित करेला। दाऊद भजन 39:11 में कहेला, "जब तू कउनो मनुष्य के अधर्म के कारण डाँट के सुधार करता है।" भजन 94:12 कहेला, "धन्य है ऊ मनुष्य जिसे तू, हे यहोवा, ताड़ना देता है और अपनी व्यवस्था से सिखाता है।"

जब यीशु कहलें, "जिनसे मैं प्रेम करता हूँ, उन्हें मैं डाँटता और ताड़ना देता हूँ," त ऊ डाँट आ ताड़ना के एक साथ रखलें, काहे कि ई एके सिक्का के दू गो पहलू ह। डाँट आ ताड़ना के उद्देश्य बा गलत व्यवहार के पहचान करना आ ओकरा प्रकट करना, ताकि ओकर सुधार हो सके। परमेश्वर के ताड़ना के बुरी परिस्थिति से कउनो लेनादेना नइखे। ताड़ना के मतलब बा शिक्षा के उद्देश्य से दिहल गइल अनुशासन, आ ई शब्दन के जरिये दिहल जाला। जहाँ शिक्षा होला, उहाँ शब्द के होना जरूरी होला।

एह बात के रोजमर्रा के जीवन में सोचीं। अगर रउआ के बच्चा गलत व्यवहार करे आ रउआ ओकरा एक झापड़ मार दीं, लेकिन ई ना बताईं कि ऊ काहे गलत रहल, त का ऊ कुछ सीखी? का ई सही पालन-पोषण होई? बिल्कुल ना। फिर भी बहुत लोग परमेश्वर पर ई आरोप लगावेला कि ऊ अइसने माता-पिता जइसन व्यवहार करेला जवन बिना कउनो साफ कारण के आपन बचवन के सजा दे देला। जब कउनो परेशानी आवेला, त ऊ मान लेला कि प्रभु ओकरा ताड़ना दे रहल बा। अक्सर ओकरा ई भी साफ ना होला कि ऊ का गलत कइलस या ओकरा का बदले के चाहीं, फिर भी ऊ पक्का मान लेला कि प्रभु कउनो अइसन सार्वभौमिक कारण से—जवन खाली प्रभु के ही मालूम बा—ओकरा अनुशासित कर रहल बा। अच्छा सांसारिक माता-पिता जब आपन बचवन के ताड़ना देला या अनुशासन में रखेला, त ऊ उनका साफ-साफ बतावेला कि ऊ का गलत कइले बा आ ओकरा कइसे सुधारे के बा। मतलब साफ बा—ऊ उनका प्रशिक्षित आ शिक्षित करेला। ठीक ओइसहीं परमेश्वर, हमार पिता, हमनी के साथ व्यवहार करेला।

का परमेश्वर हमनी के दण्ड देला?

कुछ लोग कहेला, "हाँ, लेकिन कई बेर परमेश्वर के हमनी के दण्ड देवे के पड़ेला, जइसे कउनो मनुष्य पिता आपन अवज्ञाकारी बच्चा के मारेला।" एह विश्वास के माने वाला लोग अक्सर इब्रानियों 12:5–7 के हवाला देला:

"आ तू लोग ऊ उपदेश भूल गइल बाड़ा, जे तोहरा लोग से बेटा जइसन कह के कहल गइल रहे—हे हमार बेटा, प्रभु के ताड़ना के छोट मत समझ, आ जब ऊ तोहरा के डाँटे, त हिम्मत मत हार; काहे कि जेकरा से प्रभु प्रेम करेला, ओकर ताड़ना करेला, आ जे बेटा के ऊ अपनावेला, ओकरा के मार के सिखावेला भी। अगर तू लोग ताड़ना सहत बाड़ा, त परमेश्वर तोहरा के बेटा जइसन मानत बाड़े; काहे कि अइसन कौन बेटा बा, जेकर ताड़ना बाप ना करेला?"

लेकिन एगो बच्चा के पीठ पर झापड़ मारना आ कउनो आदमी के कैंसर हो जाना या ओकर घर जल जाना—एह दूनो में बहुत बड़ा फर्क बा। कउनो समझदार सांसारिक पिता आपन बच्चा के सबक सिखावे खातिर "कैंसर" या "कार दुर्घटना" के इस्तेमाल ना करी। यीशु हमनी के सिखवलें कि हमार स्वर्गीय पिता सबसे बढ़िया सांसारिक पिता से भी कहीं बढ़िया बा।

बाइबल के हर पद जइसन, ताड़ना से जुड़ल एह पद के भी हमनी के ओकर संदर्भ में पढ़े के चाहीं। ई इब्रानियों के पत्री के हिस्सा बा—एगो अइसन चिट्ठी जवन ओह यहूदी मसीहियन के लिखल गइल रहे जवन आपन विश्वास के कारण सताव सह रहल रहलें आ दबाव में थक चुकल रहलें। उनका में से कुछ यहूदी धर्म में वापस चल गइल रहलें आ मसीह आ ओकर बलिदान के ठुकरा चुकल रहलें, आ कुछ अउरी लोग भी अइसन करे के सोच रहल रहे। ई पत्री पाठकन के सुधार आ शिक्षा देवे आ उनका यीशु के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहे खातिर उत्साहित करे के उद्देश्य से लिखल गइल रहे। लेखक बार-बार ई कहेला, "परमेश्वर जवन तुमसे कह रहल बा, ओकरा सुनीं। पीछे मत हटीं।" पत्री के अंत में लेखक लिखेला, "हे भाई लोग, हम तोहरा से बिनती करत बानी कि हमार ई उपदेश के बचन के सह लिहा, काहे कि हम तोहरा खातिर बहुत थोड़े शब्द में लिखनी ह।"(इब्रानियों 13:22)। "उपदेश देना" के मतलब बा चेतावनी देना, दोष बताना या सुधार करना—आ ई सब काम शब्दन के जरिये होला, ना कि दुर्घटना आ त्रासदी के जरिये। मतलब साफ बा कि लेखक पाठकन से आग्रह कर रहल बा कि ऊ पत्री में दिहल गइल प्रभु के अनुशासन, सुधार आ शिक्षा—यानी ताड़ना—के स्वीकार करें।

अब इब्रानियों 12:5–7 के कुछ मुख्य बातन पर ध्यान दीं। पद 5 कहेला कि पाठक प्रभु के ताड़ना के तुच्छ ना जानें। याद रखीं, "ताड़ना" खातिर इस्तेमाल भइल शब्द पाइदेइया ह, जवन

नया नियम में अउरी जगह "शिक्षा" या "प्रशिक्षण" के रूप में अनुवादित भइल बा। जब हम पूरा पद पढ़त बानी, त हम देखत बानी कि उहे पद ताड़ना के परिभाषा भी देत बा:

"हे हमार बेटा, प्रभु के ताड़ना के तुच्छ मत जान, आ जब ऊ तोके डाँटे, त हिम्मत मत हार।"

डाँटना शब्दन के जरिये होला। मूल यूनानी में "तुच्छ जानना" के मतलब बा "हल्के में लेना"—अर्थात, "हे मेरे पुत्र, प्रभु के अनुशासन के हल्के में मत ले।" रउआ सुधार आ शिक्षा के शब्दन के हल्के में ले सकत बानी या अनदेखा कर सकत बानी, लेकिन कउनो आदमी कार दुर्घटना या कैंसर के कइसे "अनदेखा" करी?

पद 6 कहेला कि प्रभु आपन पुत्रन के ताड़ना करेला आ उनका कोड़े भी लगावेला। "कोड़े लगाना" के मतलब बा "मारना" या "कोड़ा से पीटना," आ नया नियम में एह शब्द के इस्तेमाल शाब्दिक आ रूपक—दूनो मतलब में भइल बा। एह पद में ई शब्द रूपक रूप में इस्तेमाल भइल बा। परमेश्वर हमनी के आपन वचन के जरिये "कोड़ा लगावेला," "मारेला," या "झकझोर देला।" यिर्मयाह 23:29 में लिखल बा, "यहोवा कहता है, का मोर वचन आग जइसन नइखे? आ का ऊ हथौड़ा जइसन नइखे जवन चट्टान के चूर-चूर कर देला?" हमनी में से ज्यादातर लोग आपन जीवन में कबो-ना-कबो परमेश्वर के वचन से "आहत" भइल बानी। का रउआ कबो कउनो उपदेश में अइसन पद सुनले बानी जवन रउआ जीवन के कउनो हिस्सा के उजागर कर दिहल होखे, जहाँ बदलाव के जरूरत रहल होखे? ओह समय उपदेशक के शब्द अइसन लाग सकेला मानो साँस रुक गइल होखे। ईहे बा—परमेश्वर के वचन के जरिये ताड़ना या "कोड़ा लगना।"

पद 7 में लेखक पाठकन के ताड़ना सहन करे खातिर उत्साहित करेला। "सहना" के शाब्दिक मतलब बा "नीचे टिके रहना" या "डटे रहना।" याद रखीं, ई पत्री यहूदी मसीहियन के एह खातिर लिखल गइल रहे कि ऊ लोग जवन सताव झेल रहल रहलें, ओकर बावजूद प्रभु के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहें। एह पत्री के पावे वाला लोगन लगे ई विकल्प रहे कि ऊ एह में दिहल गइल प्रभु के शिक्षा आ सुधार के स्वीकार करें या अस्वीकार करें। काहे कि प्रभु के ताड़ना ओकर वचन के जरिये आवेला, एह से हम ओकरा स्वीकार भी कर सकत बानी आ अस्वीकार भी। लेकिन कउनो आदमी कार दुर्घटना या कैंसर के "अस्वीकार" नइखे कर सकत।

इब्रानियों 12:8–9 में हमनी के "ताड़ना" के एकदम साफ परिभाषा मिलेला: "अगर रउआ ओह सुधार के अनुभव ना कइनी, जवन हर एक बेटा के सहन करे के पड़ेला, त रउआ के बेटा

होखल ही संदिग्ध हो जाला। जब हमनी बचपन में रहनी, त हमनी के सांसारिक पिता हमनी के सुधार करत रहलें, आ हमनी उनका आदर कइनी। त का अब आत्मा लोगन के पिता के अनुशासन के अधीन होके जीवन सीखल जरूरी ना बा?" ई अंश ताड़ना के सुधार के रूप में परिभाषित करेला—अइसन सुधार जवन पिता अपना बेटा लोगन के देला। पद 9 में परमेश्वर के अनुशासन के साफ सीमा बतावल गइल बा, जब ओकर तुलना इंसानी पिता के अनुशासन से कइल जाला। कउन-सा सांसारिक पिता अपना बच्चा के बीमारी भा त्रासदी के जरिए अनुशासित करी? कउन-सा पिता अपना बच्चा के सालों तक दुख में रखी आ ई भी ना बताई कि अइसन काहे हो रहल बा? अगर सांसारिक माई-बाप अपना बच्चा लोग के सही व्यवहार जानेला, त हमार स्वर्गीय पिता त उनसे कहीं जादे जानेला। अगर रउआ अपना बच्चा के अनुशासित करे खातिर परेशानियाँ आ त्रासदियाँ ना लाईं, त परमेश्वर भी अइसन ना करेला।

अवज्ञा के परिणाम होखेला

एह सब बातन में हम ई नइखीं कहत कि पाप आ अवज्ञा के कोई शारीरिक परिणाम ना होखेला। रोमियों 6:23 कहेला कि पाप के मजदूरी मृत्यु ह। जब आदमी पाप करेला, त मृत्यु ओकर जीवन में काम करे लागेला। बाइबल एकदम साफ सिखावेला कि अगर हम शरीर के अनुसार बोइनी, त भ्रष्टता काटब (गलातियों 6:8)। अगर हम प्रभु के ताड़ना—मतलब ओकर शिक्षा आ सुधार—के जवाब ना देत बानी, अपना व्यवहार के ठीक ना करत बानी आ ओकर वचन के आज्ञा ना मानत बानी, त हमनी के अपना अवज्ञा के परिणाम भोगे के पड़ी।

एह बात के एक उदाहरण हमनी के 1 कुरिन्थियों 11:30–32 में मिलेला, जवन नया नियम में एकमात्र जगह बा जहाँ बीमारी के जिक्र ताड़ना के संदर्भ में कइल गइल बा: "एही कारण रउआ में बहुत लोग निर्बल आ रोगी बा, आ बहुत लोग सो भी गइल बा। अगर हमनी अपना आप के जाँच लेत रहीं, त दण्ड ना पावत रहीं। लेकिन जब प्रभु हमनी के दण्ड देला, त ऊ हमनी के ताड़ना देला, ताकि हमनी संसार के साथ दोषी ना ठहराईं।" जब हम एह पूरा अंश के ध्यान से पढ़त बानी, त देखत बानी कि पौलुस कुरिन्थुस के कलीसिया के डाँट रहल रहलें कि ऊ लोग प्रभु भोज के कइसे मना रहल रहलें। कुरिन्थी लोग प्रभु भोज के असली उद्देश्य के समझे में चूक रहल रहलें। प्रभु भोज के उद्देश्य ई रहल कि ऊ "प्रभु के मृत्यु के तब तक प्रकट आ घोषित करे जब तक ऊ फिर से ना आ जाए" (1 कुरिन्थियों 11:26)। लेकिन कुरिन्थी लोग एह पवित्र सभा में झगड़ा, मद्यपान आ पेटूपन कर रहल रहलें।

पौलुस उनका एह अवमानना के कारण प्रभु भोज के रीति के बारे में कड़ी फटकार लगवलेन। पद 27 में ऊ कहलें: "एही से जो कोई एह रोटी के अनुचित रीति से खाई भा प्रभु के एह कटोरा में से पीई, ऊ प्रभु के देह आ लहू के अपराधी ठहरी।" यूनानी भाषा में "अनुचित रीति से" के मतलब बा "अश्रद्धापूर्वक।" उनका ई अश्रद्धा आ सलीब पर यीशु के बलिदान के महत्व के ना पहिचानल—एही के कारण बीमारी आ मृत्यु के रूप में न्याय आइल: "काहेकि जो कोई खाला आ पियेला, आ प्रभु के देह के पहिचान के बिना खाला-पियेला, ऊ अपना ऊपर दण्ड लावेला" (1 कुरिन्थियों 11:29)।

का परमेश्वर कुरिन्थी लोग के ताड़ना देवे खातिर उनका बीमार कइलेन? ना। परमेश्वर कउनो के बीमार ना करेला। यीशु खुद एह बात के एकदम साफ करके देखवले बाड़न। कुरिन्थी लोग अपना अश्रद्धा से चंगाई आ जीवन के स्रोत—मसीह के क्रूस—के तुच्छ जान लिहलस। एह के परिणाम में, ऊ लोग मसीह के बलिदान के मूल्य के ना पहिचानल आ ना मानल के दुष्परिणाम भोगलस। ई बीमारी आ मृत्यु पूरा तरह से रोकी जा सके वाला रहल। पवित्रशास्त्र के अनुसार, कुरिन्थी लोग अपना आप के जाँच सके रहलें, पश्चाताप कर सके रहलें आ ऊ बीमारी आ मृत्यु से बच सके रहलें जवन ऊ लोग अनुभव करत रहलें: "अगर हमनी अपना आप के जाँच लेत रहीं, त दण्ड ना पावत रहीं" (1 कुरिन्थियों 11:31)।

मनुष्य के लगे सचमुच स्वतंत्र इच्छा बा, आ हर एक चुनाव के साथ ओकर परिणाम जुड़ल बा। जब कउनो चुनाव से नकारात्मक परिणाम निकलल, त परमेश्वर बीच में दखल ना दिहलन। ऊ उनका अपना पाप के फल काटे दिहलन, ताकि ऊ लोग संसार के साथ दोषी ना ठहरें। ई बात उनका पाप के गम्भीरता के दिखावेला। अपना कामन के द्वारा ऊ लोग प्रभु के मृत्यु—जवन उनका उद्धार के एकमात्र स्रोत रहल—के तुच्छ ठहरा रहल रहलें। परमेश्वर उनका अपना पाप के परिणाम के अनुभव करे दिहलन, एह आशा में कि ऊ लोग पश्चाताप की ओर मुड़ जाईं। ई तस्वीर ओह विचार से एकदम अलग बा जवन कहेला कि परमेश्वर कउनो अइसन सार्वभौमिक उद्देश्य खातिर—जवन खाली उसी के पता हो—हमार जीवन में बीमारी आ बुरी परिस्थितियन के योजना बनाके हमनी के ताड़ना देला।

परमेश्वर हमनी के सुधार आ शिक्षा देवे खातिर अपना वचन के द्वारा ही अनुशासित आ ताड़ना देला। अगर परमेश्वर रउआ के अनुशासन में ला रहल बाड़न, त रउआ के ई बात साफ-साफ समझ में आ जाई कि समस्या का बा आ ओकर समाधान कइसे होई—आ ई सब कुछ ओकर वचन के माध्यम से ही होई। ई बात बहुत जरूरी बा कि हमनी के एह विषय में सही समझ होखे कि परमेश्वर कइसे ताड़ना देला, ताकि हमनी जीवन के सामना एह पक्के विश्वास के साथ कर सकीं कि परमेश्वर भला बा...आ भला सच में भला ही होला।

हाँ, लेकिन परमेश्वर के परीक्षन के बारे में का?

लोग कई बेर हमसे आपन जीवन में आवे वाली परीक्षन आ कठिनाइयन के बारे में बात करेलें। ऊ लोग ई माने लें कि परमेश्वर ई सब चीज़ ओह लोगन के जीवन में एहसे भेजत हउवें ताकि ओह लोगन के विश्वास के जाँच होखे, ऊ मज़बूत बने आ धीरज सीखे। लेकिन सच्चाई ई ह कि परीक्षन आ कठिनाइ परमेश्वर के ओर से ना आवेलीं। एह जगह हम तोहसे अध्याय 3 में भइल बातचीत याद दिलावे चाहत बानी। परीक्षन, क्लेश, आ दुःख एह पाप से बुरी तरह बिगड़ गइल धरती पर जीवन के हिस्सा हवे, आ आखिर में इनकर असली स्रोत शैतान ह—ऊ शैतान जे सृष्टि के पहिल विद्रोही रहल। ई बात भी हमनी के याद रखे के चाहीं कि शैतान परीक्षन, क्लेश, दुःख आ सताव के ज़रिये हमनी के भीतर से परमेश्वर के वचन चुरा लेवे के कोशिश करेला। अगर एह बातन में से कौनो बात तोहके साफ़ ना बुझात होखे, त एह अध्याय के आगे पढ़े से पहिले अध्याय 3 के दुबारा पढ़ल तोहके बहुत मदद करी। हाँ, ई बात सही ह कि परमेश्वर हमनी के परखेला, हमनी के सामर्थ देला आ हमनी के धीरज सिखावेला, लेकिन ऊ ई सब काम आपन वचन के द्वारा आ हमनी के भीतर बसल आपन पवित्र आत्मा के द्वारा करेला।

का परीक्षन से सामर्थ मिलेला?

कुछ लोग कहेलें कि जीवन के तूफ़ान एहसे आवेलें ताकि हम मज़बूत आ दृढ़ बन सकीं। मत्ती 7:24–27 में यीशु दू घर के उदाहरण देलें, जेकरा पर भयानक आँधी आइल। एक घर आँधी में गिर गइल, आ दूसरा घर बच गइल। एके आँधी दूनो घर पर आइल, लेकिन ओकर असर दूनो पर एकदम अलग रहल। अगर आँधी हमनी के मज़बूत बनावे खातिर आवत होती, त फिर एक घर काहे गिर गइल? जीवन के कठिनाइ अपने आप में हमनी खातिर भलाई ना लावेलीं।

जीवन के चुनौतियन बहुत लोगन के—यहाँ तक कि मसीहियन के भी—पूरी तरह नष्ट कर देलें। यीशु के अनुसार, जे घर आँधी में टिकल रहल ऊ चट्टान पर बनल रहल, आ जे गिर गइल ऊ बालू पर बनल रहल। यीशु ऊ आदमी के तुलना बालू पर बनल घर से करेलें जे परमेश्वर के वचन त सुनेला, लेकिन ओकर पालन ना करेला। अइसन आदमी जीवन के तूफ़ान के सामना ना कर सकेला। लेकिन जे आदमी परमेश्वर के वचन सुनेला आ ओकर पालन करेला, ऊ चट्टान पर बनल घर जइसन हवे, जे आँधी के सामना करे में पूरा सक्षम होखेला।

परमेश्वर हमनी के मज़बूत बनावे खातिर हमनी के जीवन में तूफ़ान—मतलब विनाशकारी हालात—ना भेजेला। जीवन के परीक्षन आ क्लेश सहे के सामर्थ परमेश्वर के वचन सुने आ ओकर पालन करे से आवेला। नीतिवचन 24:3 कहेला, "बुद्धि से घर बनावल जाला, आ समझ से ऊ टिकाऊ बनावल जाला।" जीवन के तूफ़ानन के सामना करे खातिर जे बुद्धि आ समझ चाहीं, ऊ खाली परमेश्वर के वचन से ही मिलेला। कठिन समय में जय पावे के सामर्थ भी परमेश्वर के वचन से आवेला। "हे जवानो, हम तोहसे एहसे लिखत बानी कि तू बलवान बाड़, परमेश्वर के वचन तोहमें बसल बा, आ तू ओह दुष्ट पर जय पा चुकल बाड़"

(1 यूहन्ना 2:14)।

एक यात्रा के दौरान पौलुस थिस्सलुनीके नगर गइलें आ उहंवा सुसमाचार के प्रचार कइलें। बहुत लोग मसीह में विश्वास कइलें। लेकिन कुछे हफ्ता बाद उहंवा भयानक सताव शुरू हो गइल आ पौलुस के नगर छोड़ के जाए के पड़ल। पौलुस के आपन नया विश्वासियन के बहुत चिंता रहल, एहसे ऊ आपन सहकर्मी तीमुथियुस के दुबारा उहंवा भेजलें, ताकि ऊ नया मसीहियन के हालचाल ले सके। "हम तीमुथियुस के, जे हमार भाई ह आ मसीह के सुसमाचार में परमेश्वर के सेवक ह, तोह लोगन लगे एहसे भेजनी कि तोह लोगन के विश्वास में दृढ़ करे, स्थिर करे आ ढाढ़स बँधावे, ताकि एह क्लेशन आ कठिनाइयन के चलते तोह में से केहू डगमगा ना जाए" (1 थिस्सलुनीकियों 3:2–3)। पौलुस तीमुथियुस के एहसे भेजलें कि ऊ थिस्सलुनीकियन के साथ परमेश्वर के वचन बाँटे, काहेकि ऊ जानत रहलें कि कठिन समय आ परीक्षन के बीच आदमी के जे चीज़ मज़बूत रखेला, ऊ परमेश्वर के वचन ही ह।

पौलुस ई बात भी जानत रहलें कि अगर थिस्सलुनीकियन सही तरह से जवाब ना दीहें, त ओह लोगन पर आवे वाला सताव ओह लोगन के नष्ट कर सकेला। ऊ ई ना कहलें, "हिम्मत

रखो, ई परीक्षन तोहनी के अउरी मज़बूत बना दी।" पौलुस साफ़ समझत रहलें कि ओह लोगन के क्लेशन के पीछे शैतान काम करत बा आ ऊ ओह लोगन के भीतर से परमेश्वर के वचन चुरावे के कोशिश करत बा। एह कारण ऊ लिखलें, "जब हम अउरी सह ना सकनी, त हम तोह लोगन के विश्वास के हाल जाने खातिर भेजनी, काहेकि हम डरात रहनी कि कहीं परीक्षा लेवे वाला (शैतान) तोहनी के बहका ना देले होखे आ हमार मेहनत बेकार ना हो जाए"

(1 थिस्सलुनीकियों 3:5)।

पौलुस ई बात समझत रहलें कि सामर्थ हमनी के बाहर के हालात से ना, बल्कि परमेश्वर के भीतर के काम से मिलेला—उसके आत्मा के द्वारा आ उसके वचन के ज़रिये। एक अउरी मौका पर पौलुस इफिसुस के मसीहियन खातिर ई प्रार्थना कइलें कि परमेश्वर "आपन महिमा के धन के अनुसार तोहनी के आपन आत्मा के द्वारा भीतर के मनुष्य में सामर्थ से दृढ़ करे" (इफिसियों 3:16)। कुलुस्सियों के कलीसिया खातिर भी ऊ प्रार्थना कइलें, "कि तू उसकी महिमामय सामर्थ के अनुसार हर तरह के धीरज आ सहनशीलता खातिर सामर्थ पाव" (कुलुस्सियों 1:11)। अगर परीक्षन ही सामर्थ लावे वाला चीज़ होती, त पौलुस ई प्रार्थना करतें कि परमेश्वर ओह लोगन के मज़बूत बनावे खातिर क्लेश भेजे। लेकिन ऊ अइसन ना कइलें; ऊ ई प्रार्थना कइलें कि परमेश्वर ओह लोगन के भीतर बसल आपन आत्मा के द्वारा सामर्थ दे।

परमेश्वर हमनी के मज़बूत बनावे खातिर परीक्षन ना भेजेला। ऊ चाहेला कि हम उसके वचन, उसके आत्मा आ उसके सामर्थ के द्वारा भीतर से दृढ़ बनाईं, ताकि हम जीवन के परीक्षन से जय पाकर बाहर निकल सकीं।

हमार विश्वास के परीक्षा

कुछ लोग पूछ सकत बाड़ें, "त फिर हमार विश्वास के परीक्षा का ह? अगर परीक्षन ना आवेलीं, त परमेश्वर हमार भरोसा कइसे परखेला?" एह बात के हमेशा याद रखीं कि परमेश्वर के परीक्षा उसका वचन ह। यीशु—जे खुद परमेश्वर ह आ परमेश्वर के इच्छा के प्रकट करेला—हमनी के ई बात साफ़ करके देखावेला। जब यीशु धरती पर रहलें, त ऊ आपन चेलन के परीक्षा आपन वचन के द्वारा लिहलें। यूहन्ना 6:5–14 में लिखल बा कि बहुत बड़ी भीड़ यीशु

के पीछे चल रहल रहल आ ओह लोगन लगे खाए खातिर कुछो ना रहल। रोटी आ मछरी बढ़ा के खिलावे से पहिले यीशु आपन शिष्य फिलिप्पुस से पूछलें, "हम एतना लोगन के खिलावे खातिर रोटी कहाँ से खरीदी?"—आ ई सवाल ऊ खाली एहसे पूछलें ताकि फिलिप्पुस के परख सकें, काहेकि ऊ खुद जानत रहलें कि ऊ का करे वाला बाड़ें (पद 5–6)। यीशु फिलिप्पुस से ई सवाल एहसे पूछलें ताकि फिलिप्पुस आ बाकी चेलन के ई मौका मिले कि ऊ एह हालात में ई विश्वास दिखावें कि परमेश्वर उनकर ज़रूरत पूरा करी। यीशु फिलिप्पुस के परीक्षा आपन वचन के द्वारा लिहलें।

अपनी सेवा के एह पड़ाव तक यीशु पहिले ही बहुत कुछ सिखा चुकल रहलें—एक अइसन स्वर्गीय पिता के बारे में जे आपन लोगन से प्रेम करेला, उनकर चिंता करेला आ ओह सबके भौतिक ज़रूरत पूरा करेला जे पहिले परमेश्वर के राज्य आ उसके धार्मिकता के खोज करेलें (मत्ती 6:25–33)। यीशु के परीक्षा खुद परिस्थिति ना रहल, बल्कि ओह परिस्थिति में परमेश्वर के वचन रहल। सवाल ई रहल कि का ऊ लोग आपन देखल आ महसूस कइल बातन के बावजूद परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर विश्वास करीहें? आज भी परमेश्वर के परीक्षा हमनी खातिर ईहे ह: का हम जो देखत बानी, जो महसूस करत बानी, ओकर बावजूद उसके वचन पर विश्वास करीं?

आईं, परमेश्वर के परीक्षा के कुछ अउरी उदाहरण देखीं। बाइबल कहेला कि परमेश्वर इब्राहीम के परीक्षा लिहलस। "एह सब बातन के बाद परमेश्वर इब्राहीम के परखलस" (उत्पत्ति 22:1)। आगे पढ़ला पर हम देखत बानी कि परमेश्वर इब्राहीम से कहलस कि ऊ आपन बेटा इसहाक के बलिदान करे। परमेश्वर इसहाक के एहसे ना माँगलस कि ऊ देख सके कि इब्राहीम का प्रतिक्रिया देला—जइसे कि बहुत लोग परमेश्वर के परीक्षा के मतलब समझावेलें। ऊ लोग माने लें कि परमेश्वर आदमी से उनकर प्यारी चीज़ छीन लेला ताकि उनकर प्रतिक्रिया देख सके। लेकिन पवित्रशास्त्र साफ़ बतावेला कि इब्राहीम के परीक्षा परमेश्वर के वचन रहल—"का तू हमार आज्ञा मानीह?" "का तू वही करीह जे हम तोहसे कहत बानी?"

तोहके लग सकेला, "जब परमेश्वर पहिले से जानत रहल कि इब्राहीम का करी, त परखे के ज़रूरत का रहल?" सच ई ह कि परमेश्वर के इब्राहीम के परखे के कौनो ज़रूरत ना रहल। पवित्रशास्त्र परमेश्वर के स्वभाव के बारे में जे कहेला—कि ऊ अच्छा ह आ 'अच्छा' सच में अच्छा ह—ओह आधार पर हम ई समझ सकत बानी कि एह मौका से फायदा इब्राहीम के ही भइल, काहेकि ओकरा परमेश्वर के वचन के आज्ञा माने के ज़रिये आपन विश्वास प्रकट करे

के मौका मिलल। इब्राहीम के एतना विश्वास रहल कि इसहाक ऊही बेटा हवे जेकर वादा परमेश्वर ओकरा से कइले रहल, आ ऊ ई माने रहल कि "अगर इसहाक मर भी जाए, त परमेश्वर ओकरा फिर से जिंदा कर सकेला" (इब्रानियों 11:19)।

पुराना नियम के बहुत घटना आ व्यक्ति यीशु आ क्रूस पर ओकर काम के छाया हवे। इब्राहीम के आपन एकलौता बेटा के बलिदान करे के घटना भी ओह में से एक ह। इब्राहीम आपन बेटा से बहुत प्रेम करत रहल, फिर भी ऊ ओकरा बलिदान करे खातिर तैयार रहल—ठीक ओह तरह से जइसे परमेश्वर पिता आपन पुत्र यीशु से प्रेम कइलस, फिर भी मानव जाति के छुटकारा खातिर ओकरा बलिदान करे खातिर तैयार भइलस। "ऊ ई समझलस कि परमेश्वर मरे हुअन के भी जिंदा करे में समर्थ बा; आ ओही से ऊ इसहाक के प्रतीक रूप में फिर से पवलस" (इब्रानियों 11:19)। इसहाक मसीह के प्रतीक रहल, आ ओकर बलिदान कलवरी पर यीशु के बलिदान के तस्वीर रहल। जब इब्राहीम इसहाक से कहलस कि ऊ लोग बलिदान चढ़ावे जा रहल बाड़े, त बेटा पूछलस कि बलिदान खातिर मेमना कहाँ से आई। इब्राहीम जवाब दिहलस, "हे हमार बेटा, परमेश्वर खुद होमबलि खातिर मेमना प्रदान करी" (उत्पत्ति 22:8)। भले ही ओह दिन परमेश्वर इब्राहीम आ इसहाक खातिर एक मेढ़ा दिहलस, लेकिन इब्राहीम भविष्य में आवे वाला परमेश्वर के एकलौते पुत्र—यीशु—के बारे में बोल रहल रहल, जेकरा पिता मनुष्यन के पाप खातिर बलिदानी मेमना बनाके देई।

पवित्रशास्त्र ई भी कहेला कि परमेश्वर यूसुफ के आपन वचन के द्वारा परखलस। "उसने उनके आगे एक मनुष्य भेजा, अर्थात यूसुफ, जो दास बनाके बेचल गइल। ओकर पाँव बेड़ी से दुखावल गइल, ऊ लोहे के जंजीर में बाँधल गइल—जब तक कि ओकर कहल वचन पूरा ना भइल, यहोवा के वचन ओकर परीक्षा लिहलस" (भजन 105:17–19)। परमेश्वर यूसुफ से महानता के वादा कइलस, लेकिन ऊ प्रतिज्ञा तब टूटत जइसन देखाइल जब ओकर भाई ओकरा दास बना के बेच दिहलें आ झूठा आरोप लगाके जेल में डाल दिहलें (उत्पत्ति 37–50)। परमेश्वर के परीक्षा ऊ दर्दनाक हालात ना रहल जे यूसुफ झेललस। असली परीक्षा ई रहल: का यूसुफ दासत्व आ कैद जइसन असंभव लागे वाला हालात के बीच भी परमेश्वर के प्रतिज्ञा पर विश्वास बनाए रखी? ठीक एह तरह से परमेश्वर के परीक्षा आज हमनी खातिर भी परिस्थिति ना हवे; उसकी परीक्षा हमनी के हालात के बीच उसका वचन ह। सवाल ई ह कि का हम जो देखत बानी, जो महसूस करत बानी, आ जो अनुभव करत बानी—ओह सब के बावजूद—परमेश्वर के कहल बात पर विश्वास करीं आ उसकी आज्ञा मानीं?

का परीक्षाएँ हमनी के धैर्यवान बनावेलीं?

बहुत-से मसीही ई माने लें कि परमेश्वर हमनी के धैर्य सिखावे खातिर परीक्षाएँ भेजेला। हम खुद भले मन से बोले वाला मसीहियन के ई कहते सुनले बानी, "कुछो करो, लेकिन धैर्य खातिर प्रार्थना मत करना; अगर तू अइसन करबू, त परमेश्वर तोहरे जीवन में कठिन हालात आ कठिन लोग भेज दी, ताकि तू अउरी धैर्यवान बन जा।" जरा एह बात पर ध्यान दीं—हम सब केहू न केहू तरह के परीक्षन आ कठिनाइयन से गुजरत बानी। अगर सच में परीक्षाएँ ही हमनी के धैर्यवान बनावत होतीं, त का आज हम सब के सब धैर्यवान ना होते?

बाइबल के अनुसार, परीक्षाएँ धैर्य पैदा ना करेलीं; बल्कि ऊ हमनी के धैर्य के अभ्यास करे के मौका देलें। धैर्य आत्मा के फल ह, जे हर नया जन्म पावल मसीही के पुनर्जीवित आत्मा में पहिले से मौजूद रहेला (गलातियों 5:22–23)। ई एक आत्मिक सामर्थ ह, जे हमनी के जीवन के चुनौतियन के बीच सहन करे आ स्थिर बने रहे के योग्य बनावेला। कठिनाइयाँ, परीक्षाएँ आ क्लेश हमनी के ओह धैर्य के प्रयोग में लावे आ बाहर निकाले के मौका देलें, जे पहिले से हमनी के भीतर बा, ताकि हम डटे रहीं आ तब तक मजबूती से खड़ा रहीं जब तक आपन परिस्थिति में जय ना देख लीं। याकूब 1:2–3 कहेला, "हे हमार भाइयो, जब तू नाना प्रकार के परीक्षन में पड़ जाला, त एकरा पूरा आनन्द के बात समझा; काहेकि ई जान ले कि तोहरे विश्वास के परख से धैर्य काम करे लागेला।"

धैर्य के तुलना शारीरिक व्यायाम से कइल जा सकेला। व्यायाम नई मांसपेशी पैदा ना करेला, बल्कि ओह मांसपेशियन के काम में लावे आ मज़बूत करे के मौका देला जे पहिले से शरीर में मौजूद रहेली। ठीक ओहिजा तरह, परीक्षाएँ धैर्य पैदा ना करेलीं; ऊ ओह धैर्य के प्रयोग में लावे आ दृढ़ करे के मौका देलें, जे नया जन्म पावे के कारण पहिले से हमनी के भीतर बा।

परमेश्वर धर्मियन के जाँच करेला

शायद तू सोचत होखबू, "त भजन 11:5 के का, जहाँ लिखल बा कि परमेश्वर धर्मियन के परखेला?" ई पद ऊ प्रार्थना के हिस्सा ह, जे दाऊद तब कइले रहलें जब राजा शाऊल ओकरा

नष्ट करे के कोशिश करत रहल। खाली दाऊद के जान ही खतरे में ना रहल, बल्कि ओकरा पर ई झूठा आरोप भी लगावल जात रहल कि ऊ शाऊल के सिंहासन छीने के चाहत बा।

दाऊद आपन प्रार्थना एह घोषणा से शुरू कइलें कि हालात चाहे जेतना भी खराब काहे ना देखाए, "मैं यहोवा पर भरोसा रखत बानी…यहोवा आपन पवित्र मन्दिर में बा, यहोवा के सिंहासन स्वर्ग में बा" (भजन 11:1, 4)। एहके बाद दाऊद ई घोषित कइलें कि परमेश्वर हर बात से पूरी तरह वाक़िफ़ बा: "उसकी आँखें देखत बाड़ीं, उसकी पलके मनुष्यों के परखेली; यहोवा धर्मियन के परखेला" (भजन 11:4–5)। मूल इब्रानी भाषा में "परखना" शब्द के मतलब बा "धातु के जाँचना"; रूपक रूप में एकर मतलब बा "जाँच करना" या "परीक्षण करना।" यानी कि परमेश्वर सब कुछ ध्यान से देखेला आ धरती पर हर एक के जाँच करेला; यहोवा धर्मी आ दुष्ट—दूनो के जाँच करेला (भजन 11:4–5)। एह पद में ई विचार बिल्कुल ना बा कि परमेश्वर हालात बनाके मनुष्यों के परीक्षा ले रहल बा, बल्कि ई बात बा कि ऊ मनुष्यों के देख रहल बा। दाऊद ई कह रहल रहलें कि परमेश्वर जानेला कि ऊ शाऊल के खिलाफ अधर्म ना कइले बा, आ एहसे परमेश्वर ओकर मदद करी। दाऊद एह सच्चाई पर भरोसा रखत रहलें कि परमेश्वर सब कुछ देखेला—दाऊद के आ शाऊल के दूनो के दिल भी—आ आखिरकार ओकर परिस्थिति में न्याय प्रकट होई (भजन 11:6–7)।

दाऊद के ई शब्द पवित्रशास्त्र के एक आम विषय के सामने लावेला: परमेश्वर मनुष्यों के हृदय देखेला, उनकर भीतरी सोच आ उद्देश्य जानेला, आ ओहके अनुसार उनकर साथ व्यवहार करेला (1 शमूएल 16:7; 1 इतिहास 28:9; यिर्मयाह 17:10)। एह पदन के परमेश्वर द्वारा आपन लोगन के परीक्षा लेवे खातिर हालात रचे से कौनो लेना-देना ना बा।

परीक्षाएँ सोना जइसन ना होखेलीं

मसीहियन के बीच परीक्षन आ क्लेश के बारे में बहुत-से गैर-बाइबिलीय विचार चलन में बाड़ें—इहाँ तक कि अइसन गीत भी गावल जालें जे कहेलें कि परमेश्वर हमनी के "सोने जइसन" परीक्षाएँ देला—लेकिन सच्चाई ई ह कि परीक्षाएँ सोना जइसन ना होखेलीं। परीक्षाएँ धरती पर पाप के नतीजा हवे आ शैतान के काम के फल हवे। ऊ एहसे आवेलीं कि हमनी के

भीतर से परमेश्वर के वचन चुरा लीं आ हमनी के विश्वास के नष्ट कर दीं। आ ऊ विश्वास—परीक्षाएँ ना—सोना से भी कहीं ज़्यादा कीमती बा।

परमेश्वर हमनी के परखे, हमनी के सामर्थी बनावे, या हमनी के अउरी धैर्यवान बनावे खातिर परीक्षाएँ कबहूँ ना भेजेला। परमेश्वर हमनी के आपन वचन के द्वारा परखेला आ ओही वचन के द्वारा हमनी के दृढ़ करेला। नया जन्म के द्वारा ऊ हमनी के धैर्य देला, आ फेर जीवन के कठिनाइयन के बीच, आपन आत्मा के द्वारा—आपन वचन के माध्यम से—हमनी के भीतर से सामर्थ देला, ताकि हमनी ओह धैर्य के क्षमता के सही ढंग से प्रयोग में ला सकीं आ जीवन के चुनौतियन के सामना करत घड़ी भी स्थिर आ अडिग बनल रह सकीं।

10

क्लेश के एक उदाहरण

आईं, नया नियम के एक घटना पर ध्यान दीं आ समझीं कि जवन बातन पर हम अब तक चर्चा कइले बानी, ऊ सब एक बहुत कठिन परिस्थिति में कइसे लागू होखेलीं। यीशु आ ओकर चेले गलील के झील पार करे खातिर नाव पर चढ़ल रहलें। ओह घड़ी अचानक एक भयानक आँधी आ गइल आ नाव में पानी भराए लागल। यीशु नाव के पिछला हिस्सा में सो रहल रहलें। चेलन उहाँ के जगवलें आ यीशु आँधी के डाँट के शान्त कइ दिहलें। अगर यीशु हस्तक्षेप ना कइले रहलें, त मुमकिन रहल कि ऊ सब के सब मर जातें (मरकुस 4:35–41)।

काहे?

ई घटना हमनी सभे के सामने ऊ सवाल रखेला, जेहसे हम कठिन समय में जूझत बानी: "ई तूफ़ान काहे आइल?" हमनी ई बात जानत बानी कि ई आँधी परमेश्वर के भेजल ना रहल। हम ई कइसे जानत बानी? काहेकि यीशु सिखवले रहलें कि परमेश्वर हर एक सबसे बढ़िया सांसारिक पिता से भी बढ़िया पिता हवे। केहू भी अच्छा सांसारिक पिता जानबूझ के आपन लइकन के प्राणघातक हालात में ना डाली। एह के अलावा, यीशु खुद आँधी के रोक दिहलें। अगर परमेश्वर आँधी भेजलें रहलें, त यीशु ओकरा रोक के परमेश्वर के काम के उलट दिहलें होतें। तब परमेश्वर अपने आप में बँटल घर हो जात—आ परमेश्वर अपना विरोध में काम ना करेला।

का परमेश्वर आँधी के चले दिहलस?

परमेश्वर आँधी के ओही तरह चले दिहलस, जइसे ऊ मनुष्यन के पाप करे आ नरक जाए के आज़ादी देला। ऊ ना त एह के समर्थन कइलस, ना ही कउनो तरह से एह के पीछे रहल। विनाशकारी आँधियाँ पाप से बुरी तरह बिगड़ल एह संसार में जीवन के एक सच्चाई हवे। ई आदम आ हव्वा द्वारा अदन के वाटिका में कइल गइल चुनाव के नतीजा में से एक हवे। पाप के प्रवेश से पहिले धरती कुहासा से सींचाई जात रहल (उत्पत्ति 2:6)। ओह समय घातक आँधियाँ मौजूदे ना रहल। आदम के पाप धरती पर शाप छोड़ दिहलस—आ ओह शाप में विनाशकारी तूफ़ान भी शामिल बाड़ें।

का शैतान आँधी भेजलस?

पवित्रशास्त्र से हम पूरा भरोसा के साथ ई बात ना कह सकत बानी। लेकिन सृष्टि के पहिला विद्रोही होखे के नाते, अप्रत्यक्ष रूप से ऊ एह खातिर ज़िम्मेदार रहल, आ जइसे हम आगे देखब, ऊ एह परिस्थिति में सक्रिय रहल। परमेश्वर कउनो सार्वभौमिक उद्देश्य खातिर शैतान के चेलन के खिलाफ काम करे के अनुमति ना दिहलस। परमेश्वर आ शैतान कबहूँ मिलके काम ना करेलें। शैतान परमेश्वर के "हिटमैन" ना ह। ऊ परमेश्वर के कउनो खास दण्ड-एजेंट भी ना ह, जे ओकर सबसे बढ़िया सेवकन खातिर सुरक्षित राखल गइल होखे। आ परमेश्वर शैतान के "रस्सी पर बाँध" के भी ना रखले बा। गलील के झील पर आई ई घातक आँधी एहसे आइल कि पाप से शापित धरती पर एही जीवन के हकीकत बा।

एह घटना में हम साफ़-साफ़ देखत बानी कि शैतान जीवन के कठिनाइयन के ज़रिये कइसे काम करेला, ताकि मनुष्यन से परमेश्वर के वचन चुरा ले। जवन समय चेले एह प्राणघातक आँधी में फँसल रहलें, ओकरा पहिले यीशु उनकरा सिखा चुकल रहलें कि परमेश्वर अइसन पिता हवे, जे हर एक सबसे बढ़िया सांसारिक पिता से भी बढ़िया बा। ऊ उनकरा बतवले रहलें कि स्वर्गीय पिता चिरइयन आ फूलन के चिंता करेला, आ चेले ओह चिरइयन आ फूलन से कहीं ज़्यादा कीमती बाड़ें। यीशु सिखवले रहलें कि अगर रोटी के ज़रूरत पड़ी, त पिता पत्थर ना दी, आ अगर मछरी के ज़रूरत होई, त साँप ना दी। अउरी बहुत चंगाई आ छुटकारा के कामन के ज़रिये यीशु पहिले ही पिता के मदद करे वाली सामर्थ के साफ़-साफ़ प्रकट कर चुकल रहलें।

फिर भी, एह प्राणघातक हालात के बीच हम देखत बानी कि यीशु के मुँह से निकलल ऊ सब अद्भुत वचन चेलन के मन से जइसे चुरा लिहल गइल। यीशु से उनकर पहिला बात रहल, "हे गुरू, का तोहके हमनी के चिंता ना बा? हमनी त मरत बानी!" ऊ लोग आपन स्वर्गीय पिता के प्रेम आ देखभाल के कउनो ज़िक्र ना कइलें। यीशु के ज़रिये प्रकट भइल पिता के सामर्थ के भी कउनो बात ना कइलें। काहे? काहेकि परमेश्वर के वचन उनकरा से चुरा लिहल गइल रहल।

वचन कइसे चुरावल गइल?

चेले अइसन परिस्थिति में फँसल रहलें, जे देखे में ई बतावत रहल कि परमेश्वर के उनकर परवाहे ना बा। बढ़त भयानक आँधी के देख के ऊ लोग अच्छा स्वर्गीय पिता के बारे में परमेश्वर के वचन के आपन मन से फिसल जाए दिहलें। परमेश्वर के कहल बात के जगह ऊ लोग परिस्थिति के कहल बात से सहमति कर लिहलें।

झूठन से सावधान रहीं

पवित्रशास्त्र ई साफ़ ना बतावेला कि आँधी सीधे शैतान के पैदा कइल रहल कि ऊ खाली आदम के पाप के कारण धरती पर आई शाप के नतीजा रहल। एक मतलब में, आँधी के सीधा कारण उतना महत्त्व के भी ना बा। शैतान तबहूँ ओह परिस्थिति में सक्रिय रहल। चेलन के आपन शब्द—जब ऊ यीशु के पुकारलें—हमनी के ई देखावेला कि ऊ लोग आपन हालत के बारे में शैतान के झूठ मान लिहलें। शैतान कच्ची ताकत से हमनी पर काम ना करेला; ऊ झूठन के ज़रिये काम करेला। हमनी पर ओकर एके गो अधिकार बा—कि ऊ हमनी के झूठ पर विश्वास करे आ ओह के मुताबिक काम करे खातिर उकसावे। एह तरह से ऊ हमनी से परमेश्वर के वचन चुरा लेला। ऊ परमेश्वर के वचन के विरोधी ह। क्लेश, सताव आ दुःख के बीच ऊ हमनी के मन में फुसफुसावेला, "परमेश्वर के तोहसे कउनो मतलब ना बा। ऊ तोहके भुला दिहलस। तू डूब जाए वाला बाड़।"

बाइबल कहीं भी हमनी के शैतान के ताकत से डरावे के बात ना करेला, बल्कि ओकर मानसिक चाल आ छल से सावधान रहे के कहेला। "परमेश्वर के पूरा हथियार पहिन

लिहा…ताकि तू शैतान के सब युक्ति आ छल के सामने खड़ा रह सको" (इफिसियों 6:11)। परमेश्वर के हथियार ओकर वचन ह। "उसकी सच्ची प्रतिज्ञाएँ तोहार ढाल हईं" (भजन 91:4)। हमनी के एह हथियार—परमेश्वर के वचन—के लेके आपन हालात के बीच शैतान के झूठन के उजागर करे आ ओकर विरोध करे के बा।

शैतान के सबसे ताकतवर झूठन में से कुछ परमेश्वर के स्वभाव से जुड़ल बाड़ें—कि परमेश्वर असल में कइसन ह। मानव इतिहास के शुरुआत से ही शैतान के सबसे असरदार चाल में से एक परमेश्वर के चरित्र पर हमला करे के रहल बा। अदन के वाटिका में हव्वा के साथ ऊ ईहे चाल चललस। परमेश्वर आदम आ हव्वा के अच्छे आ बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल खाए से मना कइले रहलस आ चेतावनी दिहलस कि अगर ऊ लोग अइसन करी, त मर जइहें। जब शैतान हव्वा लगे आइल, त ऊ परमेश्वर के बात के सीधा खण्डन कइलस: "तू निश्चय मरबू ना," सर्प औरत से कहलस (उत्पत्ति 3:4)। फेर ऊ सीधे परमेश्वर के चरित्र पर हमला कइलस: "काहेकि परमेश्वर जानेला कि जवन दिन तू एकरा खइबू, तोहार आँख खुल जाई आ तू परमेश्वर जइसन हो जइबू" (उत्पत्ति 3:5)। मतलब साफ़ रहल—शैतान हव्वा से कहत रहल, "परमेश्वर तोहसे कुछ छुपा रहल बा। ऊ तोहके वंचित कर रहल बा। ऊ जानेला कि ई फल तोहारे भलाई के बा, फिर भी ऊ तोहके खाए ना देत बा। असल में, परमेश्वर ही तोहार समस्या बा।" आजो शैतान हमनी के साथ एही रणनीति अपनावेला।

हमार पिता हमार सहायता करिहें

अब हम फिर से गलील के झील पर नाव में बइठल चेलन के ओर लौटत बानी। जब यीशु आँधी के रोक दिहलें, त ऊ चेलन के डाँटलें आ कहलें: "आ ऊ उनकरा से कहलस, तू लोग एतना डरपोक काहे हउआ? तोहरा लगे विश्वास काहे ना बा?"(मरकुस 4:40)। ध्यान दीं—यीशु उनका प्रतिक्रिया के "विश्वास के कमी" कहलें। ऊ कइलें का रहलें? ऊ आँधी पर कइसन प्रतिक्रिया दिहलें रहलें? कुछ प्रचारकन से हम ई कहते सुननी ह कि यीशु एहसे नाराज़ रहलें काहेकि ऊ चाहत रहलें कि चेला खुद आँधी के रोकें। एहमें कुछ सच्चाई हो सकेला। बाकिर हमार माननना बा कि यीशु एगो अउरी, आ ओकरा से भी बुनियादी कारण से खिन्न रहलें। अब तक ऊ उनका आपन स्वर्गीय पिता के बारे में जवन सिखइनी आ दिखइनी, ओकर बावजूद ऊ आँधी के बीच भी परमेश्वर के देखभाल पर शक करत रहलें। यीशु उनका से ई उम्मीद करत रहलें कि ऊ आपन पिता पर भरोसा के साथ प्रतिक्रिया देसें: "हालात बहुत खराब दिखत बा। हमनी के समझ में नाहीं आवत कि का करीं। बाकिर हमनी ई जानत बानी कि स्वर्ग में

हमार एगो भला पिता बा, जवन हमसे प्रेम करेला आ हमार चिन्ता करेला, आ ऊ हमनी के एह तूफ़ान से पार निकाल ले जाई।”

इहाँ परमेश्वर के चरित्र के सही ज्ञान आ प्रभावी विश्वास के बीच के रिश्ता देखीं। जवन पर आप पूरा भरोसा ना करत बानी, ओकरा पर मजबूत विश्वास भी ना रख सकेनी। एही से शैतान लोगन के ई मनवावे खातिर एतना मेहनत करेला कि परमेश्वर लोगन के साथ बुरा करेला। ई भी ध्यान दीं कि काहेकि चेला परमेश्वर के चरित्र के ज्ञान में मजबूत ना रहलें, एहसे जब हालात अइसन लगल कि परमेश्वर के उनका परवाह नाहीं, त ऊ आपन नजर आ भावना के बात मान लिहलें। यीशु उनका पर दया कइलें आ तबो उनका मदद कइलें। बाकिर उनका प्रतिक्रिया से हम ई साफ समझ सकेनी कि बाइबल से परमेश्वर के चरित्र के सही समझ बनावल काहे एतना जरूरी बा।

निष्कर्ष

ई किताब में दिहल जानकारी काहे एतना जरूरी बा? जइसे हम शुरू में कहल बानी, रउआ खातिर ई समझना बहुत जरूरी बा कि रउआ के परेशानियाँ परमेश्वर से ना आवेली। अगर हम ई मान लिहीं कि हमार कठिनाइयों के पीछे परमेश्वर हउवें, त हम दू गो विनाशकारी नतीजन में से कउनो एक के शिकार हो जाईं: या त निष्क्रियता, या फिर कड़वाहट। निष्क्रियता तब आवेला, जब हम ई सोच लिहीं कि हमार परीक्षा परमेश्वर के ओर से बा, आ एह चलते हम ओह चुनौतियन के स्वीकार कर लिहीं, जवन के यीशु के नाम में हमनी के विरोध करे के चाहीं। दोसरा तरफ, अगर हम ई मान लिहीं कि परमेश्वर ही हमार कठिनाइयों के योजना बनवले बाड़ें, या ऊ उनका समर्थन करत बाड़ें, त तब हमार भीतर परमेश्वर के प्रति कड़वाहट आ क्रोध पैदा हो जाला।

आज के समय में कउनो भी आदमी पूरा तरह से ई ना समझा सकेला कि दुनिया में बुराई काहे बा, या दुःख आ पीड़ा मानव जीवन के एतना बड़ा हिस्सा काहे बन गइल बा। बाकिर जब रउआ जीवन के कठिनाइयों के सामना करत बानी, त रउआ बिना कउनो सन्देह के ई जानल जरूरी बा कि रउआ के परेशानियाँ परमेश्वर से ना आवेली। ई ज्ञान रउआ के ओह मानसिक पीड़ा से आज़ाद कर देला, जवन एह सवालन से पैदा होखेला: "परमेश्वर ई परीक्षा काहे होने दे रहल बाड़ें?" या "परमेश्वर हमार जीवन में दुःख भेज के का साबित करे चाहत बाड़ें?" अइसन सवाल परमेश्वर पर रउआ के भरोसा के कमजोर कर देला, जबकि ओही परमेश्वर संकट के समय रउआ के सहायता के असली स्रोत बाड़ें। परमेश्वर के चरित्र के सही ज्ञान रउआ के जीवन के कठिनाइयों के सामना करे में मदद करेला आ "काहे" वाला सवालन के शान्त कर देला।

अगर रउआ जानत बानी कि परमेश्वर भला बाड़ें—आ भला के मतलब सच में भला ही होखेला—आ अगर रउआ पूरा तरह से ई बात पर आश्वस्त बानी कि रउआ के परेशानियों के पीछे कउनो भी रूप में परमेश्वर नाहीं बाड़ें, त तब रउआ जीवन के कठिनाइयों के सामना एह विश्वास के साथ कर सकेनी: "जवन परिस्थिति के सामना हम कर रहल बानी, ऊ सचमुच बहुत बुरी बा। बाकिर हम ई जानत बानी कि ई भयानक हालात परमेश्वर के ओर से नाहीं आइल बा। हमार पिता भला बाड़ें, आ ऊ कबो अइसन बात के पीछे नाहीं होइहें। ई हमरे साथ काहे हो रहल बा? एहसे कि ई पाप से शापित धरती पर जीवन के सच्चाई बा। बाकिर परमेश्वर हमका एह सब के बीच से भी पार ले जइहें, आ आखिर में एहसे बाहर भी

निकालिहें। परमेश्वर एह हालात के आपन उद्देश्य पूरा करे खातिर इस्तेमाल करिहें—अपना खातिर सबसे अधिक महिमा आ जेतना हो सके उतना लोगन खातिर सबसे अधिक भलाई—आ ऊ असली बुराई में से सच्ची भलाई पैदा करिहें। परमेश्वर भला हउवें... आ भला के मतलब भला ही होला।

नोट्स

यीशु के कार्य

1. कुछ पद ई बात के बतावेला कि यीशु अपने पिता के वचन बोले आ अपने पिता के कार्य पिता के सामर्थ से कईलन: यूहन्ना 4:34; 5:36; 7:16; 8:28–29; 9:4; 10:32; 14:10; 17:4। यीशु के हर शब्द आ हर काज पिता के आज्ञा आ सामर्थ के अनुसार रहे।

शैतान

2. शैतान एगो स्वर्गदूत ह। परमेश्वर स्वर्गदूत लोग के बनवले रहस कि ऊ लोग ओकर आज्ञा माने, ओकर सेवा करे आ ओकर उपासना करे (अय्यूब 38:7; भजन 103:20–21)। स्वर्गदूत लोग के बुद्धि, सामर्थ्य आ सुंदरता मिलल रहे (2 शमूएल 14:20; यहेजकेल 28:12; भजन 103:20)। पवित्रशास्त्र ई संकेत देला कि उनका अलग-अलग पद, विशेषाधिकार आ जिम्मेदारी रहली।

भौतिक संसार आ मनुष्य के सृष्टि से पहिले, परमेश्वर एगो अदृश्य आत्मिक राज्य पर राज करत रहस, जे स्वर्गदूत लोग से भरल रहे। यहेजकेल 28:12–19 में एगो स्वर्गदूत (करूब) के वर्णन बा, जेकर नाम लूसीफर रहे, अत्यंत सुंदर रहल आ परमेश्वर के सिंहासन के सामने सेवा करत रहल। बाकिर लूसीफर घमंडी हो गइल। यशायाह 14:12–14 में बतावल गइल कि ई सुंदर स्वर्गदूत कइसे गिरल। भविष्यवक्ता पहिले बाबुल के राजा के बात करत बा आ फेर उ अदृश्य शक्ति के ओर इशारा करत बा, जे ओकरा पीछे काम करत रहल—लूसीफर। लूसीफर के नाम इब्रानी में "ज्योति" या "चमक" के अर्थ में बा। ऊ परमेश्वर के खिलाफ आपन अधिकार स्थापित करे आ राजा बने के प्रयास कइलस। ऊ परमेश्वर के विरोधी बन गइल—"शैतान" के अर्थ भी "विरोधी" ह। ऊ खुद के वैकल्पिक राजा के रूप में प्रस्तुत कइलस आ अनेक स्वर्गदूत लोग के विद्रोह में शामिल कइलस, एही से अदृश्य क्षेत्र में आपन नकली राज्य स्थापित कइलस। जे स्वर्गदूत ओकरा संग विद्रोह में शामिल भइलन, ऊ शैतान के राज्य के अधीन हो गइलन।

जब परमेश्वर पृथ्वी आ मनुष्य के सृष्टि कइलन, त ऊ मनुष्य के पृथ्वी पर अधिकार दिहलन (उत्पत्ति 1:26–28)। आदम के पहिले आदेश दिहल गइल कि ऊ अच्छा आ बुरा के ज्ञान के

वृक्ष के फल न खाए, ताकि मनुष्य के ई मौका मिले कि ऊ ब्रह्माण्ड के सच्चा राजा—परमेश्वर—के पहिचाने आ ओकर अधीन रहे। शैतान सर्प के माध्यम से आदम आ हव्वा के उ वर्जित वृक्ष के फल खाए खातिर उकसावलस (उत्पत्ति 2:16–17; 3:1–6)। राजा के आज्ञा के उल्लंघन करत आदम आ हव्वा खुद के शैतान के शासन के अधीन कर दिहलन। शैतान के राज्य, जे पहिले केवल स्वर्गीय क्षेत्र में रहे, अब पृथ्वी पर स्थापित हो गइल (लूका 4:6; 2 कुरिन्थियों 4:4)। ओकर राज्य अराजकता, अधर्म, अंधकार आ छल से चिन्हित बा। शैतान हर बात से घृणा करेला, जे परमेश्वर प्रेम करेलन।

शैतान एगो सृष्ट प्राणी होखला के कारण सर्वव्यापी ना बा। ऊ अपन राज्य के काम अन्य गिरे स्वर्गदूत—जिनका के दुष्टात्मा या दानव कहल जाला—के माध्यम से करेला। ओकर राज्य में संगठन आ श्रेणियाँ बा (इफिसियों 2:2; 6:12)। "प्रधानताएँ" ए तरह के प्राणी ह, जे मनुष्य के माध्यम से राष्ट्र आ बड़े क्षेत्र पर प्रभाव डालेलें। "अधिकार" थोड़ कम श्रेणी वाला होला आ संभवतः शासन संबंधी काम करेला। "इस संसार के अंधकार के हाकिम" ए तरह के प्राणी ह, जे छल के माध्यम से काम करेला—खासकर ओ लोग के विचार पर असर डाले जे दूसर लोग के सोच पर प्रभुत्व रखेलें। "आकाशी स्थान में दुष्टात्माएँ" असंख्य दानव बा, जे मनुष्य के संपर्क में रहके घोर पाप, धोखा, पशु-सदृश वासनाएँ, कामुक इच्छाएँ आ धार्मिक छल के भड़कावेला। शैतान आ ओकर अदृश्य अनुयायी छल, उत्पीड़न, आसक्ति आ अधिकार के माध्यम से मानवता के प्रभावित करेलन—जेकर कारण संसार में बहुत दुःख आ पीड़ा होखेला।

परमेश्वर शैतान के न्याय क देले बाड़ें, बाकिर ऊ अबहीं पूरी तरह अधीन ना भइल बा। मसीह के सलीब पर शैतान के अधिकार टूट गइल, बाकिर ओकरा के मनुष्य से पूरी तरह अलग ना कइल गइल बा। यीशु मसीह के पृथ्वी पर फेर से आवे पर हर घुटना झुक जाई आ हर जीभ स्वीकार करी कि यीशु प्रभु ह—जेमें शैतान भी शामिल बा—तब ओकरा के मनुष्य से सदा खातिर अलग कर दिहल जाई (यूहन्ना 12:31; यशायाह 14:15–17; प्रकाशितवाक्य 20:10)। ई समय शैतान के पास पृथ्वी पर कुछ समय बाकी बा आ ऊ लोग के निगले खातिर घूमत रहेला (1 पतरस 5:8)। एह पुस्तक में "शैतान" या "दुष्ट" शब्द के व्यापक अर्थ में इस्तेमाल भइल बा, जेमें शैतान आ पृथ्वी के अदृश्य क्षेत्र में रहवाली दुष्टात्मा के भीड़ शामिल बा। शैतान जीवन के हर कठिनाई के कारण ना ह, बाकिर ऊ आ ओकर दुष्टात्मा सक्रिय रूप से मनुष्य के हृदय आ मन पर असर डालेलन, ताकि लोग परमेश्वर आ ओकर राज्य के वास्तविकता से अंधा बने रहलें आ ओकर इच्छा के खिलाफ काम करेलन। जीवन के कठिनाई आ दुःख पाप के कारण ह—जेकर शुरुआत आदम के पाप से भइल—आ अंत में ऊ ब्रह्माण्ड के पहिले विद्रोही, शैतान तक जुड़ेला।

रोमियों 9

रोमियों 9, 10 आ 11 में जे विषय पर चर्चा हो रहल बा, ऊ ह—परमेश्वर के इस्राएल राष्ट्र के साथ व्यवहार। ई अध्याय इस्राएल के साथ परमेश्वर के व्यवहार में उनकर प्रभुता आ न्याय के देखावेला। ई अध्याय व्यक्तिगत लोगन के जीवन में होखे वाला दुःख के व्याख्या ना ह। रोमियों 9 के ई संक्षिप्त सार ध्यान से देखीं, काहेकि एह में कई एइसन पद बा जे परमेश्वर के प्रभुता के नाम पर अक्सर गलत समझल आ गलत लागू कइल जाला।

रोमियों 9:1–5 में पौलुस अपना लोग—यहूदी लोग—खातिर अपना हृदय उँडेल देला। ओकरा बड़ा शोक बा, काहेकि उनकर अधिकतर लोग मसीह के ठुकरा दिहलस। पौलुस कहेला कि चाहे पूरा इस्राएल सुसमाचार स्वीकार ना कइलस, फिर भी परमेश्वर के वचन असफल ना भइल। अन्यजाति लोग मसीह में विश्वास के द्वारा इब्राहीम के सन्तान बन गइले (रोमियों 9:6–8)। फेर पौलुस समझावेला कि परमेश्वर खातिर ई अन्याय ना ह कि ऊ ओह लोगन के—जे इब्राहीम के शारीरिक सन्तान ना ह—अपना बना ले। पौलुस बतावेला कि परमेश्वर जान-बूझ के एक खास वंश-रेखा चुनलन, जेकरा द्वारा आखिर उद्धारकर्ता आई—आ ई इब्राहीम के बुलाहट से शुरू भइल (रोमियों 9:9–12)।

परमेश्वर इब्राहीम आ सारा से एक बेटा देवे के प्रतिज्ञा कइले रहलन। लेकिन सारा बाँझ रही, एह से प्रतिज्ञा के जवाब में सारा आ इब्राहीम आपन योजना बना लिहलन कि प्रतिज्ञा अपना तरीका से पूरा करीं। इब्राहीम सारा के दासी हाजिरा के लगे गइल आ इस्माएल पैदा भइल। लेकिन अपना तरीका से प्रतिज्ञा पूरा करे के कोशिश परमेश्वर के योजना के रोक ना सकल। परमेश्वर इसहाक के चुनलन, इस्माएल के ना—ओही "बीज" के रूप में जेकरा द्वारा आ जेकरा से उद्धारकर्ता के प्रतिज्ञा आगे बढ़ी (उत्पत्ति 26:1–5)। बहुत बरिस बाद इसहाक रिबका से विवाह कइलन, आ रिबका के गर्भ में जुड़वाँ बच्चा भइल—एसाव आ याकूब। बच्चन के जन्म से पहिले ही परमेश्वर याकूब के ओह वंश-रेखा के रूप में चुन लिहलन जेकरा द्वारा इब्राहीम के प्रतिज्ञा पूरा होई।

रोमियों 9:13 में पौलुस मलाकी 1:2–3 के उद्धृत करेला जहाँ परमेश्वर कहेला, "मैं याकूब से प्रेम कइलूँ, पर एसाव से बैर रखलूँ।" अगर संदर्भ ना समझल जाव, त ई पद उन पदन के खिलाफ लागेला जे कहेला कि परमेश्वर सब मनुष्य से प्रेम करेला। लेकिन रोमियों 9:11–13 में पौलुस व्यक्ति के ना, राष्ट्र के बात कर रहल बा। यहाँ याकूब इस्राएल राष्ट्र ह आ एसाव एदोम राष्ट्र ह। "बच्चे" शब्द मूल पाठ में ना ह; एह संदर्भ में "राष्ट्र" जादे सही अर्थ देला। जब रिबका गर्भवती रही, परमेश्वर ओकरा से कहलन कि ओकर गर्भ में दू राष्ट्र बा (उत्पत्ति 25:22–23)। मतलब ई कि दुनो समूह कुछो एइसन ना कइल रहे जेकरा से ऊ परमेश्वर के खास लोग बने के योग्य ठहरे। उद्धारकर्ता जे वंश से आई, ऊ चुने के अधिकार परमेश्वर के रहे—आ ऊ याकूब, यानी इस्राएल राष्ट्र, के चुनलन।

परमेश्वर एदोम (एसाव) से "बैर" रखलन, काहेकि इतिहास देखे पर पता चलेला कि एदोम लगातार इस्राएल के विरोध करत रहल। एहिजा "बैर" के मतलब ह "कम प्रेम करना" या "तुलनात्मक रूप से कम मान देना।" एम्प्लिफाइड अनुवाद ई बात के साफ करेला: "याकूब से हम प्रेम कइनी, बाकिर एसाव से बैर रखनी [याकूब के मुकाबला में ओकरा के कम महत्व दिहनी]।"(रोमियों 9:13)।

रोमियों 9:14–16 में पौलुस सवाल उठावेला: "का परमेश्वर अन्यायी ह कि ऊ अपना आशीष एक खास समूह पर रखलन?" जवाब बा—नहीं। परमेश्वर जे चाहे ओकरा पर दया कर सकेला। रोमियों 9:15 निर्गमन 33:19 के उद्धरण ह, जहाँ परमेश्वर कहेलन कि ऊ जे चाहे ओकरा पर दया करिहें—यहाँ तक कि ओह यहूदी लोग पर भी जे निर्गमन 32 में मूर्तिपूजा के कारण नाश के योग्य रहे। मतलब, आशीष के वंश-रेखा चुने के अधिकार परमेश्वर के रहे। प्रभुता वाला प्रभु जे चाहे ओकरा के आशीष दे सकेला।

रोमियों 9:17 में लिखल बा: "हम तोहरा के एह खातिर खड़ा कइनी कि तोहरा में आपन सामर्थ देखाईं..."कुछ लोग कहेला कि परमेश्वर फिरौन के खाली कुचल देवे खातिर उठवलन। लेकिन ई सही ना ह। ई निर्गमन 9:13–16 की ओर इशारा करेला, जहाँ परमेश्वर बतावेलन कि उनकर दया ही मिस्र के पहले के विपत्तियन में पूरा नाश से बचवले रहल। मूल इब्रानी में मतलब ह: "हम तोहरा के खड़ा रहे दिहनी।"परमेश्वर मिस्रियन के बनाए रखलन ताकि ऊ लोग के दिखा सकें कि वही सच्चा परमेश्वर हउवें। कुछ मिस्री लोग प्रतिक्रिया दिहलस आ बच भी गइले (निर्गमन 8:19; 9:20; 12:37–38; यहोशू 2:9–11)।

पौलुस निष्कर्ष निकालेला कि परमेश्वर अपनी इच्छा से मानवजाति के एक भाग के आशीष देला (पुराने नियम में यहूदी, नए नियम में अन्यजाति) आ दोसरा भाग के उनके पाप के परिणाम भोगे देला। रोमियों 9:18 कहेला: "ऊ जेकरा पर चाहे ला, ओकरा पर दया करे ला, आ जेकरा के चाहे ला, ओकरा के कठोर कर देला।"ई हिब्रू शैली ह—मतलब परमेश्वर ओह चीज के "किया" कहल जाला जे ऊ सिर्फ होने दिहलन। फिरौन खुद अपना हृदय कठोर कइलस (1 शमूएल 6:6), जइसे इस्राएल के लोग यीशु के ठुकरा के कइलस (मत्ती 13:13–15; यूहन्ना 12:37–38)।

रोमियों 9:19–20 में सवाल उठेला: "फिर वह दोष काहे लगावेला?" पौलुस कहेला कि मनुष्य परमेश्वर से ए तरह सवाल करे के अधिकार ना रखेला। संदर्भ में "बनाया हुआ" राष्ट्र ह। पौलुस यिर्मयाह 18 के कुम्हार के दृष्टान्त के उद्धृत करेला—जहाँ परमेश्वर के अधिकार बा कि ऊ इस्राएल के उनकी वफादारी के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार कर सके। ई व्यक्तिगत दुख-दर्द के गढ़े के कहानी ना ह।

अगर ई अंश संदर्भ से हटाके पढ़ल जाई, त गलत निष्कर्ष निकल सकेला। कुछ लोग कहेला कि परमेश्वर कुछ लोगन के "क्रोध के पात्र" आ कुछ के "दया के पात्र" बनावेला। रोमियों 9:22 में "क्रोध के पात्र" फिरौन आ इस्राएल दुनो ह—दुनो पापी रहल। दुनो परमेश्वर के धीरज के सामने अपना दिल कठोर कइलन आ इस तरह खुद के विनाश खातिर तैयार कइलन।

रोमियों 9:23–24 में पौलुस कहेला कि परमेश्वर के अधिकार बा कि ऊ यहूदी आ अन्यजाति दुनो पर अपनी महिमा उँडेल दे। निष्कर्ष ई कि परमेश्वर अब अन्यजातियन के भी विश्वास से उद्धार दे सकेला, काहेकि बहुत यहूदी लोग प्रस्ताव ठुकरा दिहलस।

ई पद ई मतलब ना देला कि परमेश्वर कुछ लोगन के विनाश आ कुछ के महिमा खातिर बनावेला। नया नियम सिखावेला कि हम किस तरह के "पात्र" बनी—ई हमार उत्तर पर निर्भर बा। 2 तीमुथियुस 2:20–21 कहेला कि अगर कोई खुद के शुद्ध कर ले, त ऊ आदर के पात्र बन सकेला।

1 थिस्सलुनीकियों 4:3–4 कहेला कि परमेश्वर के इच्छा हमार पवित्रीकरण ह। इसलिए आप "क्रोध के पात्र" बनीं या "आदर के पात्र"—ई परमेश्वर के मनमाना फैसला ना, बल्कि आपन उत्तर ह।

अनुमति के अर्थ में प्रयुक्त कारणवाचक क्रियाएँ

ई जानकारी इ. डब्ल्यू. बुलिंजर के किताब *फ़िगर ऑफ़ स्पीच जो बाइबल में इस्तेमाल भइल बा* में सत्यापित कइल जा सकेला। बुलिंजर बतावेलन कि जब कोई कारणवाचक क्रिया अनुमति के अर्थ में इस्तेमाल होला, त ऊ एक मुहावरा (इडियम) होला, आ संदर्भ तय करेला कि क्रिया सच में कारणवाचक ह या अनुमति के अर्थ में इस्तेमाल भइल बा (पृष्ठ 823)। मुहावरा ऊ अभिव्यक्ति ह जवन के अर्थ सामान्य व्याकरण के नियम से या शब्दन के सीधा मतलब से आसानी से समझ में ना आवे (वेबस्टार की यूनिवर्सल कॉलेज डिक्शनरी)। अंग्रेज़ी भाषा में भी मुहावरा होला। उदाहरण खातिर, "इट्स रेनिंग कैट्स एंड डॉग्स" के मतलब होला "बहुत तेज़ बारिश हो रहल बा।" सामान्य तौर पर "बिल्ली" आ "कुत्ता" के बारिश से कोई संबंध ना होला, लेकिन संदर्भ में अर्थ साफ हो जाला। इब्रानी भाषा में भी ठीक एही तरह होला।

आदम क्लार्क के *क्लार्क कॉमेंट्री, मैथ्यू–रिवलेशन* भी ई बात के पुष्टि करेला कि इब्रानी भाषा में कारणवाचक क्रिया अनुमति के अर्थ में इस्तेमाल होत रहे। क्लार्क प्रभु-प्रार्थना के पंक्ति "और हमें परीक्षा में न ला" के बारे में कहेलन कि ई "एक साधारण हिब्रू शैली ह; परमेश्वर के बारे में कहल जाला कि ऊ ओह काम के करेलन जे ऊ खाली होखे देत बाड़ें या सहत बाड़ें" (पृष्ठ 87)।

रॉबर्ट यंग के *यंग्स एनालेटिक्स कांकोर्डेंस* के एक पुरान संस्करण में परिशिष्ट में एह क्रिया-प्रयोग पर चर्चा मिलेला। ऊ किताब अब छपाई में ना बा। एही लेखक के *हिंट्स टू बाइबल इंटरप्रिटेशन* में भी एह क्रियान पर चर्चा बा, आ ऊ भी अब छपाई में ना बा।

सुसमाचार खातिर सताव के दुःख

प्रेरितन के काम के किताब में सुसमाचार प्रचार के कारण सताव सहे के कुछ अउरी उदाहरण मिलेला: प्रेरितन के काम 4:3–21; 6:9–15; 7:54–60; 8:1–4; 9:1–2; 12:1–11।

परमेश्वर

भला हउवें।

...आ भला के मतलब भला ही होला।